THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 291 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.14 2081 रविवार, 12 जनवरी-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

एचएमपीवी के देश में 16 केस

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। कोरोना वायरस जैसे ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के देश में कुल 16 मामले हो गए हैं। शनिवार को असम में पहला केस सामने आया। यहां 10 महीने का बच्चा पॉजिटिव है। बच्चे का डिब्रूगढ़ में असम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एएमसीएच) में इलाज चल रहा है।

उसकी हालत स्थिर है। डॉ. ध्रुबज्योति भुइयां ने बताया कि बच्चे को चार दिन पहले सर्दी-जुकाम के लक्षणों के चलते सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। देश में एचएमपीवी के सबसे ज्यादा 4 मामले गुजरात में हैं। महाराष्ट्र में 3, कर्नाटक और तमिलनाडु में 2-2, यूपी, राजस्थान, असम और बंगाल में एक-एक केस सामने आया है।

नए उस्मानिया अस्पताल का शिलान्यास जल्द : सीएम

> अस्पताल के निर्माण के संबंध में समीक्षा बैठक

सीएम रेवंत रेड्डी नए उस्मानिया अस्पताल के निर्माण की आधारशिला रखने के लिए आयोजित समीक्षा बैठक में आवश्यक व्यवस्थाओं को तैयार करने का निर्देश देते हुए।

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को जनवरी के अंत तक नए उस्मानिया अस्पताल के निर्माण की आधारशिला रखने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं तैयार करने का निर्देश दिया है, जिसमें अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी। शनिवार को मुख्यमंत्री ने अपने आवास पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अस्पताल के निर्माण के संबंध में समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने गोशामहल में भूमि की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली और निर्देश दिया कि वर्तमान में पुलिस विभाग के अधिकार क्षेत्र में आने वाली साइट को जल्द से जल्द चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को हस्तांतरित किया जाए।

दोनों विभागों के अधिकारियों को भूमि हस्तांतरण प्रक्रिया में तेजी लाने और अन्य संबंधित मामलों को तुरंत निपटाने का काम सौंपा गया है। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को नए अस्पताल के डिजाइन का अवलोकन कराया और नमूना ब्लूप्रिंट प्रस्तुत किए। रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों द्वारा प्रस्तावित अस्पताल के डिजाइन में कई संशोधनों और परिवर्धन की सिफारिश की। उन्होंने अस्पताल को आधुनिक सुविधाओं की व्यापक श्रृंखला के साथ बनाने की इच्छा व्यक्त की। अधिकारियों को भविष्य की आवश्यकताओं, विशेष रूप से अस्पताल परिसर के भीतर सड़क नेटवर्क, पार्किंग सुविधाओं, शवगृह सेवाओं और अन्य आवश्यक बुनियादी ढांचे के विकास के संबंध में अस्पताल के डिजाइन को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने भविष्य में सड़क विस्तार और फ्लाईओवर निर्माण के दौरान जटिलताओं को रोकने के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ डिजाइन तैयार करने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने अत्याधुनिक सुविधाओं के अलावा, अस्पताल परिसर के भीतर आगंतुकों और रोगियों के लिए आरामदायक वातावरण प्रदान करने के लिए पार्क और हरित स्थानों के विकास का प्रस्ताव रखा। योजनाओं को कॉर्पोरेट अस्पतालों में मिलने वाली उन्नत सुविधाओं के साथ अस्पताल स्थापित करने के लिए डिज़ाइन किया जाना चाहिए। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने कहा कि जनवरी माह के अंत तक अस्पताल के निर्माण की आधारशिला रखने के लिए उपाय लागू किए जाने चाहिए।

संध्या थिएटर मामला : अल्लू अर्जुन को मिली राहत

विदेश यात्रा की भी अनुमति

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 'पुष्पा-2' की स्क्रीनिंग के दौरान संध्या थिएटर में हुई भगदड़ में महिला की मौत मामले में एक बड़ा अपडेट सामने आया है। अल्लू अर्जुन को नामपल्ली कोर्ट ने उन्हें हर रविवार को पुलिस स्टेशन में हाजिरी लगाने से राहत दे दी है। एक्टर को केस के सिलसिले में मिली जमानत के दौरान हर हफ्ते हाजिरी लगाने की शर्त रखी गई थी।

अल्लू अर्जुन को जमानत की शर्तों के तहत चिक्कड़पल्ली पुलिस स्टेशन में पेश होना पड़ता था। उनके वकील ने 10 जनवरी को पुलिस स्टेशन में उनके हाजिरी लगाने से पहले कोर्ट से गुजारिश की थी, जिसके बाद नामपल्ली कोर्ट ने उन्हें इससे छूट दे दी। एक्टर के ऊपर फिल्म के प्रीमियर के दौरान हुए हादसे के बाद केस दर्ज किया गया था। उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार भी किया था। लेकिन वह जमानत पर बाहर आ गए थे। दरअसल, संध्या थिएटर में हुई भगदड़ में रेवती नाम की महिला की मौत हो गई थी। वहीं, उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया था, जो अभी भी अस्पताल में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहा है।

अल्लू अर्जुन जा सकेंगे विदेश : कानूनी कार्यवाही के बाद नामपल्ली कोर्ट ने 3 जनवरी को अल्लू अर्जुन को जमानत दे दी थी। हालांकि इसके लिए उन्होंने एक लाख रुपये भी जमा किया था। हालांकि, उनकी जमानत की शर्तों में से एक यह थी कि उन्हें हर रविवार को चिक्कड़पल्ली पुलिस स्टेशन में पेश होना होगा। इसी को एक्टर ने कोर्ट में चैलेंज किया, जिसके बाद राहत मिली। और विदेश यात्रा की इजाजत भी मिल गई।

तमिलनाडु गवर्नर को हटाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका

> राज्यपाल लगातार संविधान का उल्लंघन कर रहे, राष्ट्रगान बजाने का आदेश देना उनका कर्तव्य नहीं

चेन्नई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के राज्यपाल को हटाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई गई है। जिसमें राष्ट्रपति के सचिव और अन्य को उन्हें टीएन रवि को वापस बुलाने का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में दावा किया गया है कि रवि ने राज्यपाल के दायित्वों का पालन नहीं किया और लगातार संविधान का उल्लंघन किया है। याचिका लगाने वाले एडवोकेट सीआर जया सुकिन ने कहा- राज्यपाल 6 जनवरी को अपना पारंपरिक संबोधन दिए बिना ही विधानसभा से चले गए। राज्यपाल ने संबोधन की शुरूआत में राष्ट्रगान बजाने कहा था, जबकि ऐसा आदेश देना उनका कर्तव्य नहीं है। दरअसल, 6 जनवरी से शुरू हुए तमिलनाडु विधानसभा सत्र के पहले दिन राज्यपाल ने बिना संबोधन के वॉकआउट कर दिया था। जिसका राज्य के सीएम समेत अन्य मंत्रियों ने भी विरोध किया। स्टालिन ने यह भी कहा था कि यह बचकाना और लोकतांत्रिक परंपराओं का उल्लंघन है। आरएन रवि ने 2021 में तमिलनाडु के राज्यपाल बनाए गए थे। तब से लेकर अब तक कई मुद्दों पर राज्य की एमके स्टालिन सरकार और उनके बीच विवाद हो चुका है।

दिल्ली शराब नीति पर कैग रिपोर्ट

सरकार के खजाने को 2,026 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने विवादित आबकारी नीति बनाते समय नियम-कायदों को नजरअंदाज कर दिया, जिससे सरकारी खजाने को 2,026 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। यह खुलासा शनिवार को सार्वजनिक हुई कैग (सीएजी) की रिपोर्ट में हुआ।

यह रिपोर्ट दिल्ली में 5 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले आई है। इसमें बड़े घोटालों का खुलासा हुआ है, जैसे- कीमत तय करने में पारदर्शिता की कमी, लाइसेंस जारी और नवीनीकरण में नियमों का उल्लंघन, गड़बड़ियां करने वालों को दंडित न करना, और उपराज्यपाल, कैबिनेट या विधानसभा से मंजूरी न लेना। लाइसेंस देने से पहले कंपनियों की वित्तीय स्थिति को जांचा नहीं गया। यहां तक कि घाटे में चल रही कंपनी को भी लाइसेंस दे दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने जो रिटेल शराब लाइसेंस छोड़े गए थे, उनके लिए फिर से टेंडर नहीं निकाला, जिससे खजाने को लगभग 890 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इसके अलावा, जोनल लाइसेंसधारियों को दी गई छूट से 941 करोड़ रुपये का और नुकसान हुआ। इसके अलावा, कोविड प्रतिबंधों के आधार पर जोनल लाइसेंसधारकों को 144 करोड़ रुपये की लाइसेंस शुल्क छूट दी गई, जिसके परिणामस्वरूप सरकार को राजस्व की हानि हुई। जबकि अनुबंध में ऐसा प्रावधान नहीं था। वहीं, सुरक्षा जमा राशि को सही तरीके से नहीं वसूला गया जिससे 27 करोड़ के राजस्व का नुकसान हुआ। कैग ने यह भी कहा कि मंत्रियों के समूह, जिसकी अगुवाई मनीष सिसोदिया कर रहे थे, ने विशेषज्ञ पैनल की सिफारिशों को नजरअंदाज किया और अयोग्य कंपनियों को लाइसेंस के लिए बोली लगाने की अनुमति दी। विशेषज्ञों की सलाह पर ध्यान नहीं दिया गया, जबकि नीति बनाने में यह जरूरी था। आम आदमी पार्टी (आप) ने इस रिपोर्ट को फर्जी बताया है, लेकिन इसमें कहा गया है कि नीति लागू करने में कई खामियां थीं। कुछ रिटेलर पूरे नीति अवधि तक लाइसेंस रखते रहे, जबकि कुछ ने पहले ही अपने लाइसेंस वापस कर दिए।

कुल मिलाकर नीति को सही तरीके से लागू नहीं किया गया, जिससे इसके उद्देश्यों को हासिल नहीं किया जा सका। इन अनियमितताओं के कारण केजरीवाल, सिसोदिया और अन्य अधिकारियों पर मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार के मामले दर्ज किए गए हैं।

यह मुद्दा चुनावी माहौल में राजनीतिक गर्मी बढ़ाने वाला है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों के लिए 5 फरवरी को मतदान होगा और 8 फरवरी को नतीजे घोषित किए जाएंगे। मौजूदा विधानसभा में आप के 62 और भाजपा के 8 विधायक हैं।

सुकमा में 9 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा, 11 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की सुकमा पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। 2 महिलाओं समेत 9 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इन नक्सलियों के खिलाफ कुल 43 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। यह समर्पण नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए जा रहे अभियानों और कैंपों के सकारात्मक परिणाम के रूप में सामने आया है।

समर्पण करने वालों में एक डीवीसीएम, 4 एसीएम और 4 अन्य पार्टी सदस्य शामिल हैं। इन सभी पर विभिन्न नक्सली गतिविधियों में शामिल होने का आरोप था। सुरक्षा बलों ने इनके खिलाफ व्यापक अभियान चला रखा था। इन नक्सलियों पर कुल मिलाकर 43 लाख रुपये का इनाम रखा गया था।

इनमें से 2 नक्सलियों पर 8-8 लाख रुपये, 4 नक्सलियों पर 5-5 लाख रुपये, एक नक्सली पर 3 लाख रुपये और दो अन्य नक्सलियों पर 2-2 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

'दिल्ली को आप-दा से मुक्त करने का समय आ गया है'

> झुग्गी बस्ती प्रधान सम्मेलन में बोले अमित शाह

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को दिल्ली में झुग्गी बस्ती प्रधान सम्मेलन को संबोधित किया। अमित शाह ने आम आदमी पार्टी की सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, दिल्ली को 'आप-दा' से मुक्त करने का समय आ गया है। 5 फरवरी को 'आप-दा' मुक्ति दिवस है। उन्होंने कहा कि बीजेपी का घोषणा पत्र पत्थर की लकीर है।

5 फरवरी को 'आप-दा' से मुक्ति का दिन : अमित शाह ने कहा, दिल्ली को 'आप-दा' से मुक्ति दिलाना झुग्गियों की जिम्मेदारी है। हमने आपकी सभी जरूरतों की सूची बनाकर बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और पीएम मोदी को सौंप दी है। जैसे ही हम जीतेंगे, हम आपकी सभी समस्याओं को दूर कर देंगे।

उन्होंने कहा, हमारे घोषणापत्र में आपकी सभी जरूरतें होंगी और यह आप के घोषणापत्र जैसा नहीं होगा और उसे पूछा किया जाएगा। आप दिल्ली के मुक्तिदाता हो सकते हैं। 5 फरवरी को 'आप-दा' से मुक्ति का दिन है। गृह मंत्री ने कहा, अरविंद केजरीवाल दिल्ली के लिए 'आप-दा' हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार से लड़ने का वादा करके लोगों को धोखा दिया है, जबकि वह खुद भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। उन्होंने कहा कि देश ने तरक्की की है लेकिन दिल्ली अभी भी विकास का इंतजार कर रही है। सड़कें गड्ढों से भरी हैं, हवा प्रदूषित है, यमुना का जल प्रदूषित है। केजरीवाल ने अन्ना, पंजाब और दिल्ली के लोगों के साथ विश्वासघात किया है।

हम जो कहते हैं, वो करते हैं : अमित शाह ने कहा, पंजाब के लोग कह रहे हैं कि उन्हें वोट मत दो क्योंकि वे झूठे हैं, विश्वासघाती हैं, भ्रष्ट हैं। दिल्ली में 5.25 लाख छात्र स्कूलों से वंचित हैं। केजरीवाल ने 10 साल में क्या किया? अगर वो लोगों की सेवा नहीं कर सकते तो उन्हें सत्ता छोड़ देनी चाहिए। हम करेंगे क्योंकि उन्होंने ऐसा नहीं किया।

उन्होंने कहा, दिल्ली में पीएम मोदी ने 68000 करोड़ रुपये के इन्फ्रास्ट्रक्चर का काम किया है, लेकिन झुग्गियों के लिए कुछ नहीं किया जा सका क्योंकि यह केजरीवाल की जिम्मेदारी है। हमने 550 साल बाद मंदिर बनाया, हमने 370 को हटाया। हम जो कहते हैं, वो करते हैं। पीएम मोदी ने पूरे भारत में 3 करोड़ 58 लाख लोगों को घर दिए।

'पेपर लीक देश में एक तरह का व्यापार बन गया' धनखड़ का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पेपर लीक को लेकर बड़ा बयान दिया है। धनखड़ ने कहा कि इस पर रोक लगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पेपर लीक एक तरह व्यापार बन गया है। जगदीप धनखड़ ने कहा है कि अगर पेपर लीक होते हैं तो चयन की निष्पक्षता का कोई मतलब नहीं रह जाता।

पेपर लीक होना एक इंडस्ट्री बन गई है एक तरह का व्यापार बन गया है। ये एक ऐसी बुराई है, जिस पर लगाम लगनी चाहिए। केंद्र की मोदी सरकार की ओर से लाए सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) विधेयक, 2024 की उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने तारीफ की। हालांकि, उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि मैं सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) विधेयक, 2024 के संबंध में सरकार की ओर से की गई पहल की सराहना करता हूं।

भारत में बना हाइड्रोजन ट्रेन इंजन सबसे पावरफुल : रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव

भुवनेश्वर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेलवे द्वारा विकसित हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाला ट्रेन इंजन किसी भी देश द्वारा निर्मित सबसे शक्तिशाली इंजन है।

रेल मंत्री ने 18वें प्रवासी भारतीय दिवस पर आयोजित "हरित संबंध: सतत विकास में प्रवासी भारतीयों का योगदान" विषय पर पूर्ण सत्र के दौरान पैनल चर्चा में यह टिप्पणी की। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेलवे द्वारा विकसित हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाले ट्रेन इंजन में दुनिया के किसी भी देश द्वारा विकसित इंजन की तुलना में अधिकतम हॉर्स पावर आउटपुट है। उन्होंने आगे कहा कि स्वदेशी तकनीक का उपयोग कर ऐसी उपलब्धि भारत को विकास के लिए हरित ऊर्जा का उपयोग करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी बनने के लिए प्रेरित करती है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा, दुनिया में केवल चार देशों में हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेनें हैं, और वे 500 से 600 हॉर्स पावर के बीच ऊर्जा क्षमता का उत्पादन करती हैं। हमारे द्वारा निर्मित इंजन की क्षमता 1,200 हॉर्स पावर है, जो इस श्रेणी में अब तक का सबसे अधिक है। उन्होंने चर्चा के दौरान उपस्थित लोगों को बताया कि इस तरह की पहली ट्रेन जल्द ही हरियाणा में जींद-सोनीपत मार्ग पर ट्रायल रन करने की उम्मीद है। इंजन निर्माण पूरा हो चुका है, लेकिन वर्तमान में इसका सिस्टम इंटीग्रेशन चल रहा है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि भारत में निर्मित हाइड्रोजन से चलने वाले रेल इंजन को स्वदेशी टैलेंट का उपयोग कर विकसित किया गया है। उन्होंने आगे कहा, जब हम इतने बड़े पैमाने पर हाइड्रोजन से चलने वाले ट्रेन इंजन का निर्माण कर सकते हैं, तो इस तकनीक को ट्रकों, टगबोट और अन्य के लिए पावर ट्रेन बनाने के लिए अपनाने की क्षमता पर विचार करें। उन्होंने कहा कि हालांकि इस तरह की तकनीकी उन्नति हमें आत्मविश्वास देती है, लेकिन भारत को तकनीकी आत्मनिर्भरता हासिल करने के मामले में अभी लंबा सफर तय करना है और वैल्यू चेन के कुछ हिस्सों को बनाने की जरूरत है।

कन्नौज स्टेशन पर निर्माणाधीन लिंटर गिरा

46 मजदूर मलबे में दबे, 23 मजदूरों को निकाला गया-तीन की हालत नाजुक

कन्नौज, 11 जनवरी (एजेंसियां)। कन्नौज जिले में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत निर्माणाधीन रेलवे स्टेशन का लिंटर भरभरा कर गिर गया। इसमें 46 मजदूर मलबे के नीचे दब गए। जिसमें से 23 मजदूरों को निकाला जा चुका है। 20 मजदूरों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि तीन मजदूरों को गंभीर हालत में पीजीआई लखनऊ रेफर किया गया है। कुछ मजदूर और दबे होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। मौके पर पहुंचा पुलिस और प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य में जुटा हुआ है।

घटना की सूचना पर मंत्री असीम अरुण भी मौके पर पहुंचे हैं। उन्होंने अधिकारियों को घायलों का उपचार व बचाव कार्य के लिए निर्देशित किया है। इसके अलावा, 12 एम्बुलेंस भी पहुंच गई हैं। घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। नगर पालिका के 50 कर्मचारी बचाव कार्य में जुटे हैं। कानपुर से डीआईजी भी पहुंचे। एनडीआरएफ की टीम घटना स्थल पर पहुंच चुकी है। एक्स पर पोस्ट करते हुए समाजवादी पार्टी ने लिखा कि भाजपा सरकार और तत्कालीन कन्नौज सांसद सुब्रत पाठक ने दावा किया था कि कन्नौज का रेलवे स्टेशन अत्याधुनिक और करोड़ों की लागत से बनेगा। कुछ दिन पहले मंडल रेल प्रबंधक ने भी औचक निरीक्षण किया था। आज रेलवे स्टेशन की बिल्डिंग का ढह गई जिसमें सैंकड़ों लोगों के दबे होने और कई के मरने की सूचना है।

सूचना है कि ये ठेका तत्कालीन सांसद सुब्रत पाठक के साझे में है और इस ठेके के भ्रष्टाचार में विधायक/मंत्री असीम अरुण और अन्य कन्नौज के भाजपा नेता भी शामिल हैं। ठेकेदारों पर दबाव बनाकर खराब गुणवत्ता का काम करवाया जा रहा है, भाजपाइयों द्वारा अधिक से अधिक कमीशन खींचने का खेल चल रहा है, असीम अरुण बताएं कि पहले ऑन ड्यूटी रहते हाईटेक कैमरे और हाईटेक पुलिस के नाम पर कमीशन खाया और अब सुब्रत पाठक के साथ साझेदारी में इस काम में कमीशन खा रहे थे जिससे काम की गुणवत्ता प्रभावित हुई और ये दुर्घटना घटी।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू का पांच दिवसीय सऊदी दौरा

2025 के हज करार पर करेंगे हस्ताक्षर

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू का शनिवार को सऊदी अरब का पांच दिवसीय दौरा शुरू हुआ। इस दौरे का मकसद 2025 में हज यात्रा के लिए उस द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर करना है, जिसमें भारत ने 10 हजार अतिरिक्त हज यात्रियों के लिए कोटा बढ़ाने की मांग की है।

रिजिजू सऊदी अरब के मंत्री तौफीक बिन फौजान अल राबिया से मुलाकात करेंगे, जहां दोनों नेता हज समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। केंद्रीय मंत्री एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं सऊदी अरब जाने के लिए उत्सुक हूं, जहां हम 2025 के लिए द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे और दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करेंगे।

इसके अलावा, रिजिजू सऊदी अरब के परिवहन और लॉजिस्टिक सेवा मंत्री सालेह अल जासेर से भी मुलाकात करेंगे। मुलाकात के दौरान हवाई उड़ानों, बस और ट्रेन सेवाओं के संचालन पर चर्चा होगी। रिजिजू जेद्दा हज टर्मिनल का भी दौरा करेंगे, जिसका उपयोग भारतीय तीर्थयात्रियों द्वारा किया जाता है। वहां भारत सरकार ने एक विशेष कार्यालय स्थापित किया है, ताकि तीर्थयात्रियों को सुविधाएं प्रदान की जा सकें।

सऊदी अरब ने भारत का हज कोटा 2025 के लिए 1,75,025 तय किया है, जबकि भारत सरकार अतिरिक्त 10 हजार यात्रियों के लिए कोटा बढ़ाने का अनुरोध कर रही है। रिजिजू मदीना भी जाएंगे, जहां वह कुबा और कुब्लतैन मस्जिदों का दौरा करेंगे। इस दौरान वह सऊदी शाही परिवार के सदस्यों से भी मुलाकात करेंगे, जिसमें किंग मोहम्मद बिन सलमान के सलाहकार प्रिंस खालिद अल फैसल और मक्का क्षेत्र के गवर्नर प्रिंस सलमान बिन सुल्तान शामिल हैं।

2025 की हज यात्रा के लिए कोटा 70 प्रतिशत हज समिति को मिलेगा, जबकि 30 प्रतिशत कोटा निजी हज समूह आयोजकों को दिया जाएगा। पिछले साल 2024 में हज समिति 80 प्रतिशत और निजी आयोजकों को 20 प्रतिशत कोटा मिला था। 2025 की हज नीति के तहत सबसे पहले 65 साल और उससे ऊपर की आयु के तीर्थयात्री, फिर बिना महराम की महिलाएं और अंत में सामान्य श्रेणी के लोग प्राथमिकता से यात्रा करेंगे।

प्रतिष्ठा द्वादशी पर सीएम योगी ने रामलला के श्रीचरणों में झुकाया शीश

सीएम योगी बोले-बटेंगे तो मिलेगा उत्पीड़न, धार्मिक स्थलों को भुगतना पड़ेगा खामियाजा

अयोध्या, 11 जनवरी (एजेंसियां)। रामनगरी अयोध्या में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ को लेकर अयोध्या सज-धज कर तैयार है। तीन दिवसीय प्रतिष्ठा द्वादशी के उत्सव का उल्लास शनिवार से छलकने लगा। दोपहर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्राण प्रतिष्ठा द्वादशी समारोह के मंच पर पहुंचे।

राम भक्तों ने जय श्री राम के उद्घोष से सीएम का स्वागत किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीप प्रज्वलन कर प्रतिष्ठा द्वादशी समारोह का शुभारंभ किया। छह साल के धावक मोहब्बत, पंजाब से दौड़ लगाकर अयोध्या पहुंचे। यहां प्राण प्रतिष्ठा द्वादशी के मंच पर सीएम योगी ने सम्मानित किया। सीएम ने उन्हें मोबाइल गिफ्ट में दिया। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि 5 अगस्त 2020 पीएम मोदी ने इसी स्थान पर मंदिर के निर्माण की लिए पूजन किया था। सीएम ने कहा 2024 में प्राण प्रतिष्ठा के बाद हर दिन लगभग 1.5 से दो लाख श्रद्धालु यहां दर्शन करते हैं। पहले यहां महज तीन-चार घंटे ही बिजली मिलती थी। राम जी की पैड़ी में सरयू का जल सड़ता रहता था। सफाई की कोई व्यवस्था नहीं थी। अयोध्या के पास कोई हवाई अड्डा नहीं था। सीएम ने कहा कि आज अयोध्या के पास अपना हवाई अड्डा है। आज सरयू जी का जल सड़ता नहीं। यहां की सड़कें त्रेतायुग का स्मरण कराती हैं। आज अयोध्या, अयोध्या होने का अहसास कराती है। आज अयोध्या सोलर से चलती है। सीएम ने कहा कि अयोध्या एक दिन में ऐसी नहीं बनी है। इसके लिए लाखों लोगों को त्याग देना पड़ा। तपस्या करनी पड़ी। लाखों लोग 500 वर्षों से अपने आराध्य को स्थापित करने के लिए संघर्ष करते रहे।

सीएम ने कहा कि शासन से लेकर हर किसी तक जिसने जिस भाषा में समझा, उसे उस भाषा में समझाया गया। आज हम भाव विभोर हो जाते हैं। हमारी तीन पीढ़ियां राम मंदिर आंदोलन से जुड़ी रहीं। यह हमारे लिए अत्यंत गौरव का विषय है। कहा कि हमारे गुरुदेव जब अस्पताल में अंतिम समय पर थे, तब भी उन्होंने आखिरी बार अशोक सिंघल से बात की थी। उन्होंने पूछा था कि राम जी का मंदिर बन जाएगा न?

सीएम मान ने उठाया क्रॉस बॉर्डर तस्करी-नशे का मुद्दा

चंडीगढ़, 11 जनवरी (एजेंसियां)। सीएम भगवंत मान के साथ सीनियर अधिकरी गृहमंत्री अमित शाह के साथ बैठक में भाग लेते हुए। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में नशा तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अहम मुद्दों पर आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। इस बैठक में देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि मौजूद थे। जहां नशा तस्करी और सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सकारात्मक और व्यापक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गृह मंत्री अमित शाह को पंजाब की नशे के खिलाफ सख्त नीतियों और इस दिशा में राज्य द्वारा प्राप्त सफलता के बारे में जानकारी दी।

पंजाब में आप विधायक की गोली लगने से मौत

लुधियाना, 11 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब में लुधियाना की वेस्ट विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी के विधायक गुरप्रीत गोगी (57) की शुक्रवार देर रात 12 बजे गोली लगने से मौत हो गई। वह खाना खा रहे थे। अचानक उनके कमरे से गोली चलने की आवाज आई। पत्नी सुखचैन कौर और बेटा विश्वास दूसरे कमरे में थे। वह दौड़कर गए तो गोगी खून से लथपथ कमरे में गिरे हुए थे। अस्पताल पहुंचने तक उनकी मौत हो गई। शनिवार दोपहर (11 जनवरी) उनका डीएमसी अस्पताल में पोस्टमॉर्टम कराया गया। जिसमें पता चला कि गोली उनके सिर के दाईं तरफ से लगी और बाईं तरफ से बाहर निकलकर आर-पार हो गई। पोस्टमॉर्टम के बाद पार्थिव देह घर लाई गई।

यहां से दोपहर बाद करीब 4 बजे लुधियाना के केवीएम स्कूल के पास श्मशान घाट में उनका राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार किया गया। उनके बेटे विश्वास बस्सी ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस दौरान मुख्यमंत्री भगवंत मान समेत प्रदेशभर से विभिन्न पार्टियों के नेता उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए केवीएम स्कूल के पास श्मशान घाट में पहुंचे। गोगी की मौत पर सीएम मान ने कहा- "गोगी कभी भी अपना निजी काम लेकर मेरे पास नहीं आए। हमेशा वह लोगों के काम लेकर मेरे पास आते थे। उनके किए हुए कामों को हमेशा याद रखा जाएगा। उनसे फोन पर हमेशा बात होती रहती थी।"

पूरी दिल्ली जान गई केजरीवाल सबसे बड़े भ्रष्टाचारी : संदीप दीक्षित

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। नई दिल्ली से कांग्रेस प्रत्याशी संदीप दीक्षित ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर शनिवार को जोरदार निशाना साधा। संदीप दीक्षित ने आईएएनएस से बातचीत में पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी करार दिया। संदीप दीक्षित ने आईएएनएस के साथ बातचीत के दौरान कहा, पूरी दिल्ली जान गई है कि केजरीवाल सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी है। संदीप दीक्षित आम आदमी पार्टी के उस पोस्टर पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें कांग्रेस, भाजपा सहित अन्य दलों के नेताओं को बेईमान बताया गया है और केजरीवाल को ईमानदार। कांग्रेस प्रत्याशी ने कहा कि यह खुद को ईमानदार बताते हैं, जबकि यह शराब घोटाले में जेल गए।

ईमानदार हैं तो इन पर केस क्यों चल रहा है? 32 करोड़ में शीशमहल किसने बनाया? मैं समझता हूं कि सबसे बड़ा कोई भ्रष्टाचारी है तो वह अरविंद केजरीवाल हैं। नई दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के कामों को लोग याद कर रहे हैं। इस पर संदीप दीक्षित ने कहा कि कांग्रेस के लिए यह अच्छी बात है। मैं नई दिल्ली विधानसभा में चुनावी कैंपेन कर रहा हूं। मैंने देखा है कि लोग शीला जी के कामों को याद कर रहे हैं। दुख की बात यह है कि केजरीवाल, जो यहां से लगातार विधायक चुनकर गए, उन्हें यहां के लोग याद नहीं कर रहे हैं। इससे साफ होता है कि केजरीवाल की विदाई तय है।

अमित शाह की झुग्गी के लोगों से मुलाकात पर संदीप दीक्षित ने कहा कि चुनाव है तो हर नेता मिलेगा, पर क्या किया और क्या करेंगे, ये देखना होगा। कांग्रेस की स्कीम थी, जहां झुग्गी, वहां मकान। भाजपा ने नया काम क्या किया है? दिल्ली सरकार के सनातन बोर्ड पर उन्होंने कहा कि यह सिर्फ चुनावी स्टंट है। इन्हें यह लग रहा है कि धीरे-धीरे इनसे सब चीजें छूट रही हैं। इसलिए यह इस तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। बता दें कि नई दिल्ली विधानसभा से अरविंद केजरीवाल चौथी बार चुनाव लड़ रहे हैं और उनके सामने कांग्रेस से संदीप दीक्षित और भाजपा से प्रवेश वर्मा चुनावी मैदान में ताल ठोक रहे हैं।

महाराष्ट्र सीएम फडणवीस ने शरद पवार को चाणक्य कहा

शरद-अजित के एक होने की चर्चा पर बोले-राजनीति में कुछ भी मुमकिन है

मुंबई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एनसीपी (एसपी) चीफ शरद पवार की तारीफ करते हुए उन्हें राजनीतिक का चाणक्य बताया है। दरअसल, पवार ने 9 जनवरी को आरएसएस की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि 'आरएसएस की वजह से भाजपा चुनाव जीती। हमें भी उनके जैसा कैडर बनाना होगा।'

फडणवीस ने कहा-शरद पवार चाणक्य हैं। उन्होंने महसूस किया होगा कि लोकसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी की ओर से फेक नैरेटिव फैलाया गया था, जो विधानसभा चुनावों में पंचर हो गया। पवार को पता है कि यह शक्ति (आरएसएस) लगातार राजनीति नहीं करती है, ये राष्ट्र का निर्माण कर रही है। कई बार अपने विरोधी की भी तारीफ करनी पड़ती है, इसी वजह से आरएसएस की तारीफ की होगी।' उन्होंने शरद पवार और उनके भतीजे डिप्टी सीएम अजित पवार के एक होने की चर्चा पर कहा- पिछले 5 साल में महाराष्ट्र की राजनीति में जो भी घटनाएं घटी हैं, उससे ये समझना चाहिए कि राजनीति में कुछ भी मुमकिन है। उद्धव वहां (कांग्रेस के साथ) जा सकते हैं, अजित यहां आ सकते हैं। कोई अगर दावा करें कि ऐसा नहीं होगा, तब राजनीतिक परिस्थितियां तुम्हें कहां ले जाकर बिठा देंगी इसका भरोसा नहीं है।' फडणवीस शुक्रवार को नागपुर में आरएसएस के वरिष्ठ स्वयंसेवक विलास फडणवीस की स्मृति में आयोजित पुरस्कार समारोह में बोल रहे थे।

9 जनवरी को शरद पवार ने आरएसएस की तारीफ की थी

शरद पवार ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बीजेपी की भारी जीत का श्रेय आरएसएस को दिया था और उनकी तारीफ की थी। गुरुवार 9 जनवरी को पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ विधानसभा चुनावों में हार का मंथन कर रहे थे। इस दौरान शरद ने कहा, 'लोकसभा चुनाव में हमें अच्छी सफलता मिली थी। उसके बाद हमारे कार्यकर्ता गाफिल हो गए, और समझने लगे कि विधानसभा चुनाव तो हम आसानी से जीत लेंगे।' उन्होंने कहा- विधानसभा चुनाव में महायुति के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मेहनत की। उसकी मदद के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी पूरी मेहनत से जुटा। आरएसएस ने रणनीति बनाकर काम किया। घर-घर जाकर हिंदुत्व का प्रचार किया। मतदाताओं से सीधा संपर्क स्थापित किया। जिसका परिणाम हम सबके सामने है।

लाल बहादुर शास्त्री को शाह-खरगे समेत कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

कांग्रेस ने बताया महान गांधीवादी

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। आज भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 59वीं पुण्यतिथि है। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने लाल बहादुर शास्त्री को याद करते हुए उन्हें महान गांधीवादी बताया। खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "जय जवान, जय किसान" के प्रेरक, महान गांधीवादी, हमारे आदर्श, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की पुण्यतिथि पर हम उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उन्होंने देश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। भूमि सुधार से लेकर दुग्ध क्रांति की नींव रखने तक, रेलवे में थर्ड क्लास को खत्म करने से लेकर 1965 की जंग तक, अपनी सरलता एवं सादगीपूर्ण जीवन से सबके प्रेरणास्रोत बने, शास्त्री जी ने देश की उन्नति के लिए हमेशा किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लाल बहादुर शास्त्री को याद करते हुए उन्हें गुदड़ी का लाल बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री जी की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन करता हूं। सादगी और ईमानदारी के प्रतीक लाल बहादुर शास्त्री जी ने अपने कृतित्व और व्यक्तित्व से देश के राजनीतिक इतिहास में अमिट छाप छोड़ी। 'जय जवान, जय किसान' के उद्घोष से उन्होंने देश के किसानों व जवानों में नई-ऊर्जा का संचार किया। गुदड़ी के लाल शास्त्री जी का कुशल नेतृत्व और साहस सदा देशवासियों के लिए प्रेरणा स्रोत रहेगा।

महाकुंभ में दान दी गई बच्ची का संन्यास वापस

महंत 7 साल के लिए अखाड़े से निष्कासित; नाबालिग को गलत ढंग से बनाया था शिष्य

प्रयागराज, 11 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज महाकुंभ में दीक्षा लेने वाली 13 साल की लड़की का संन्यास 6 दिन में ही वापस हो गया। दीक्षा दिलाने वाले महंत कौशल गिरि को जूना अखाड़े से 7 साल के लिए निष्कासित कर दिया गया। उन्होंने नाबालिग को गलत तरीके से शिष्य बनाया था। श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा के संरक्षक हरि गिरि महाराज ने कहा- यह अखाड़े की परंपरा नहीं रही है कि किसी नाबालिग को संन्यासी बना दें। इस मुद्दे पर बैठक कर सर्वसम्मति से फैसला लिया गया है।

माता-पिता के साथ कुंभ आई थी

नाबालिग लड़की आगरा की रहने वाली है। वह 5 दिसंबर को परिवार के साथ महाकुंभ आई थी। नागाओं को देखकर उसने संन्यास लेने का फैसला किया। परिवार के साथ घर जाने से मना कर दिया था। बेटी की जिद पर माता-पिता ने भी उसे जूना अखाड़े के महंत कौशलगिरि को दान कर दिया। इसके बाद लड़की को पहले संगम स्नान कराया गया। संन्यास के बाद उसका नाम बदल दिया गया। नया नाम रखा गया। 19 जनवरी को नाबालिग का पिंडदान होना था। महामंडलेश्वर महंत कौशल गिरि ने लड़की के पिंडदान कराने की भी तैयारी कर ली थी, लेकिन इससे पहले अखाड़े की सभा ने यह कार्रवाई कर दी। दरअसल, संन्यासी बनने के दौरान खुद का पिंडदान करने की परंपरा है।

नाबालिग के पिता कारोबारी, कई सालों से संत से जुड़े हैं

नाबालिग लड़की के पिता पेठा कारोबारी हैं। पूरा परिवार आगरा में रहता है। परिवार श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के महंत कौशल गिरि से कई सालों से जुड़ा है। परिवार में माता-पिता और दो बेटियां हैं। दोनों बहनें आगरा के कान्वेंट स्कूल में पढ़ती हैं। संन्यासी बनने वाली नाबालिग नौवीं में और उसकी छोटी बहन दूसरी क्लास में पढ़ती है। संन्यास लेने के दौरान नाबालिग लड़की की मां ने कहा था-उनकी बेटी पढ़ाई में होशियार है। वह बचपन से ही भारतीय प्रशासनिक सेवा में जाने का सपना संजोए हुए थी, लेकिन कुंभ में आने के बाद उसका विचार परिवर्तित हो गया। हम कौशल गिरि की शरण में पुण्य लाभ के लिए आए थे। अब उनकी बेटी संन्यास लेकर धर्म का प्रचार करने की राह पर चल निकली है।

शिवसेना यूटीबी ने कांग्रेस से किया किनारा

बीएमसी चुनाव अकेले लड़ने का किया एलान

मुंबई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बताया कि उनकी पार्टी विभिन्न स्थानीय निकायों के चुनाव अकेले लड़ेगी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन और महाविकास अघाड़ी गठबंधन केवल लोकसभा और विधानसभा चुनाव के लिए था। उन्होंने आगे बताया कि गठबंधन में अलग-अलग पार्टियों के कई कार्यकर्ताओं को मौका नहीं मिलता है। यह संगठनात्मक विकास में बाधा डालता है। संजय राउत ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद एक बार भी इंडी गठबंधन की बैठक नहीं हुई। पत्रकारों से बात करते हुए शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा, गठबंधन में अलग-अलग पार्टियों के कार्यकर्ताओं को मौका नहीं मिलता और इससे संगठनात्मक विकास बाधित होता है। हम अपनी ताकत के दम पर मुंबई, ठाणे, नागपुर और अन्य नगर निगमों, जिला परिषदों और पंचायतों में चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने बताया कि शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पार्टी को संकेत दिए कि उन्हें अकेले चुनाव लड़ना चाहिए।

कांग्रेस पर साधा निशाना

कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार पर निशाना साधते हुए संजय राउत ने कहा कि जो लोग आम सहमति और समझौते पर भरोसा नहीं करते उन्हें गठबंधन में रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के बाद इंडी गठबंधन ने एक भी बैठक नहीं की। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा, इंडी गठबंधन के लिए हम एक संयोजक तक नियुक्त नहीं कर पाए। यह अच्छा नहीं है। गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते बैठक बुलाने की जिम्मेदारी कांग्रेस की थी। उन्होंने आगे कहा, यह कांग्रेस की जिम्मेदारी है कि वे इंडी गठबंधन को बचाए। कांग्रेस एक महान पार्टी है। यह सच है कि इंडी गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए बना था।

लॉरेंस गैंग के लिए पासपोर्ट बनाने वाले 2 गिरफ्तार, दिल्ली और यूपी से पकड़े गए

सोनीपत, 11 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) सोनीपत की टीम ने फर्जी दस्तावेजों पर पासपोर्ट तैयार करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। लॉरेंस गैंग के सदस्यों के लिए फर्जी पासपोर्ट बनवाने वाले दो अलग-अलग आरोपियों को दिल्ली और यूपी से गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों को अन्य मामलों में भी पूछताछ के लिए तीन दिन के रिमांड पर रखा गया है।

हरियाणा के सोनीपत के लॉरेंस गैंग से जुड़े दो नामी गैंगस्टर अमन भैंसवाल और अंकित नरवाल के फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर फर्जी पासपोर्ट बनवाने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर एसटीएफ सोनीपत की टीम ने बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने एक आरोपी की विदेश भागने की कोशिश को नाकाम कर दिया है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य अमन भैंसवाल और अंकित नरवाल पर फर्जी दस्तावेजों से पासपोर्ट बनवाने का आरोप है। एक आरोपी विजेंद्र जैन को दिल्ली के शाहदरा से और दूसरे आरोपी सनी को उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों को कोर्ट के आदेश पर तीन दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है। बरोदा विधानसभा क्षेत्र के कथूरा गांव के अंकित नरवाल ने दिल्ली के पते पर फर्जी पासपोर्ट बनवाया था। एसटीएफ अधिकारी ने बताया कि वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य है और आरोपी विदेश भागने की फिराक में था। आरोपी के खिलाफ अलग-अलग थानों में चार मामले दर्ज हैं।26 जुलाई 2024 को अंकित का पासपोर्ट दिल्ली कार्यालय से जारी हुआ था। मामले के बारे में एसटीएफ को पता लगा तो आरोपी के खिलाफ 14 दिसंबर को बरोदा थाना में मामला दर्ज करवाया गया। पुलिस अंकित को गिरफ्तार करके जेल भेज चुकी है। अब इसी मामले में फर्जी दस्तावेजों पर पासपोर्ट तैयार करवाने वाले दोनों आरोपियों विजेंद्र जैन व सहारनपुर निवासी सन्नी कुमार को भी गिरफ्तार किया।

खबरें जरा हटके

'आपकी हत्या नहीं करना चाहता!'

6 साल के बेटे ने कही ऐसी बात, मां के उड़े होश, फौरन डिलीट किया यूट्यूब!

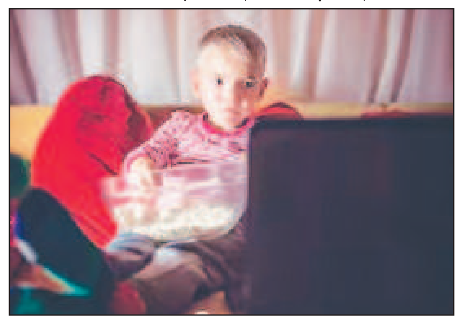

आजकल माता-पिता अपने बच्चों को इतना ज्यादा टीवी और मोबाइल फोन दिखाते हैं कि उनकी सिर्फ आंखें ही नहीं खराब होतीं, बल्कि उन्हें जरूरत से ज्यादा एक्सपोजर मिलने से वो सही-गलत के बारे में नहीं समझ पाते. इस बात का अंदाजा एक मां को तब हुआ, जब उसके बेटे ने इतनी अजीब बात बोली कि उसके होश उड़ गए. जब उसे कारण का पता लगा, तो उसने फौरन यूट्यूब डिलीट कर दिया और बच्चे को उसे कभी न देखने की हिदायत दी. चलिए आपको बताते हैं कि ये पूरा मामला क्या है.

डेली स्टार न्यूज वेबसाइट के अनुसार डोनटेला

एक इंस्टाग्राम यूजर टिकटॉक पर भी काफी एक्टिव है और अपनी फैमिली से जुड़ा कंटेंट पोस्ट करती है. हाल ही में महिला ने बताया कि उसने अपने बच्चों को यूट्यूब किड्स दिखाना बंद कर दिया है. यूट्यूब किड्स, यूट्यूब का ही एक भाग है, जिसमें सिर्फ बच्चों से जुड़े कंटेंट मौजूद होते हैं. डोनटेला ने एक दूसरी महिला का जिक्र करते हुए कहा कि उसने उस औरत की कहानी को सोशल मीडिया पर देखा और उसके बाद ही ये निर्णय लिया. डोनटेला नाम की महिला ने सोशल मीडिया पर बताया कि उसने एक दूसरी महिला से सुनकर अपने भी बच्चों के लिए यूट्यूब किड्स बैन कर दिया.

बच्चे ने कही ऐसी बात, हैरान रह गई मां

डोनटेला ने बताया कि उस महिला ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करते हुए बताया था कि उसका 6 साल का बेटा कुछ दिनों से काफी अजीब सा व्यवहार करने लगा था. वो शांत-शांत रहता था. जब मां ने बेटे से इस बारे में शांति से बात की और उससे वजह पूछी, तो बेटे ने जवाब दिया- 'मैं आपकी हत्या नहीं करना चाहता!' ये सुनकर मां के होश उड़ गए. उसे समझ नहीं आया कि आखिर इसका क्या मतलब है. फिर उसने बेटे से इसके बारे में ज्यादा जानकारी ली. तब बेटे ने बताया कि उसने ये यूट्यूब किड्स के एक कार्टून में देखा था. उस कार्टून में एक भालू होता है, जो कहता है कि जब रात में आपके माता-पिता सोएं तो आप एक चाकू लें और जाकर उनकी हत्या कर दें.

व्हीलचेयर पर घूम लिए 14 देश

कमजोरी को बना लिया ताकत, शख्स ने कर दिखाया

भारत के लोग हर परिस्थिति में हिम्मत रखना और जिंदगी को ऊर्जा के साथ जीना जानते हैं, इसी वजह से वो पर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करते हैं. भारतीय लोग अपनी कमजोरी को ताकत बनाना भी जानते हैं. इस बात का सबूत है भारत का एक ये शख्स, जो अपाहिज है, पर उसके जज्बे को पंख लगे हैं और वो उसके भरोसे दुनिया के मुश्किल से मुश्किल कामों को भी आसानी से कर जाता है. अब इस शख्स ने एक अनोखा काम किया है, जो दूसरों के लिए असंभव लगता है.

इस शख्स ने व्हीलचेयर (वर्ल्ड ऑन व्हीलचेयर) पर बैठकर 14 देशों की यात्रा कर ली. बिना किसी के सहारे उसने इस कीर्तिमान को हासिल किया है. इंस्टाग्राम यूजर साफना मोहम्मद ने हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें एक अपाहिज शख्स व्हीलचेयर पर बैठकर सफर करता नजर आ रहा है. शख्स का नाम हसन इमाम है जो सोशल मीडिया पर 'नोमाडिक डिसाबिल्ड' के नाम से फेमस हैं. ट्रिपोटो वेबसाइट के मुताबिक हसन, बिहार के गया से हैं और दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से पढ़ाई की है. वो भारत के पहले अपाहिज सोलो ट्रैवलर हैं.

भारत का सबसे पुराना कैलेंडर! 91 सालों से हर घर की रौनक

विदेशों तक बनाई पहचान, जानिए इसकी अनोखी कहानी

जबलपुर, नए साल में कुछ खरीदा जाए या ना जाए, लेकिन एक ऐसी चीज है, जिसे हर घर में खरीदा जाता है. जी हां हम बात कर रहे हैं, कैलेंडर की. दरअसल हर घर में नए साल में कैलेंडर खरीदा ही जाता है, लेकिन आज हम बात कर रहे हैं. जबलपुर के उस कैलेंडर की, जिसने कश्मीर से कन्याकुमारी तक ही नहीं विदेशों तक अपनी पहुंच बनाई है. लाला रामस्वरूप रामनारायण एंड संस मतलब 71, 72 और 73 भारत का इकलौता एक ऐसा कैलेंडर है, जो सबसे पुराना है. 1934 मतलब 91 साल पुराना... आजादी के पहले का यह कैलेंडर अब भारत के कोने-कोने तक पहुंच रहा है, जिसकी बागडोर अब जबलपुर की तीसरी पीढ़ी संभाल रही है.

पूरे शहरवासी पूछा करते थे तिथि और मुहूर्त

लाला रामस्वरूप रामनारायण एंड संस के संपादक कैलाश अग्रवाल ने बताया कि मैं दूसरी पीढ़ी हूं, जबकि मेरा बेटा अब बागडोर संभाल रहा है, जो तीसरी पीढ़ी है. उन्होंने बताया कि 1934 से पंचांग की शुरुआत हुई थी. अंग्रेजों के शासन के दौरान अंग्रेजी कैलेंडर में हिंदी त्योहारों का कोई भी जिक्र नहीं होता था, जबकि हिंदी पंचांग संस्कृत की भाषा में चलते थे. आम आदमियों के लिए ऐसे कैलेंडर को पढ़ने में कठिनाई जाती थी. लिहाजा पिता राम नारायण से बार-बार लोग पूछने आते थे. कौन सा त्यौहार और व्रत है. पिताजी अंग्रेजी कैलेंडर में सारी जानकारी अंकित कर रखा करते थे, जिसके चलते ही कैलेंडर प्रिंट करने की शुरुआत की थी. उन्होंने बताया सन 1934 में पिताजी ने 500 कैलेंडर से शुरुआत की थी, जिसमें अंग्रेजी कैलेंडर में हिंदू त्यौहार को अंकित किया गया था. वहीं अब 91 साल बाद करीब 40 लाख कैलेंडर प्रिंट किए जाते हैं, जो भारत के प्रत्येक राज्य मतलब कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक पहुंचाते हैं.

सुविचार

किसी की मीठी बोल है, किसी की नीयत में झोल है,साहब !
ये दुनिया गोल है यहां ये सबके डबल रोल है।

एससी, एसटी सब प्लान के क्रियान्वयन की पूरी जिम्मेदारी लेंगे : भट्टी

नागार्जुन सागर, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने घोषणा की है कि वे एससी, एसटी सब प्लान के क्रियान्वयन की पूरी जिम्मेदारी लेंगे और दोहराया कि इससे पीछे हटने का सवाल ही नहीं उठता। वे शनिवार को नागार्जुन सागर में आयोजित आदिवासी और जनजातीय जनप्रतिनिधियों के प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बोल रहे थे। भट्टी ने याद दिलाया कि जब वे मुख्य सचेतक थे, तब उन्होंने एससी, एसटी सब प्लान पर कांग्रेस विधायकों की बैठक की थी और हाईकमान को रिपोर्ट देकर इसे सख्ती से लागू करने का अनुरोध किया था। बाद में जब वे उपसभापति थे, तब एससी एसटी सब प्लान कानून को मंजूरी दी गई और पारित किया गया। शुरूआती दिनों से ही कानून से जुड़े व्यक्ति के रूप में मुझे कानून के बारे में पूरी जानकारी है। अब उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री के तौर पर इस कानून को लागू करने की पूरी जिम्मेदारी मेरी है। उन्होंने इस कानून को सभी बीमारियों की रामबाण दवा बताया। भट्टी ने कहा कि उन्होंने पहले ही सभी विभागों के सचिवों को बुलाकर उपयोजना के कार्यान्वयन और योजना के अनुसार धन आवंटन पर रिपोर्ट मांगी है। आरएंडबी और पंचायत राज विभाग के अधिकारियों ने पहले ही रिपोर्ट सौंप दी है और अन्य विभाग जल्द ही रिपोर्ट सौंप देंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि एससी एसटी उपयोजना कार्यान्वयन पर सभी विभागों के साथ जल्द ही एक व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा, एससी, एसटी उपयोजना के तहत 10 प्रतिशत धनराशि देना सरकार की जिम्मेदारी है। एसटी जनप्रतिनिधियों को लोगों को यह बताना चाहिए कि राज्य में इंदिराम्मा सरकार की वजह से योजना लागू हो रही है। उन्होंने कहा कि आईटीडीए को पुनर्जीवित किया जाएगा और आवश्यक बजट आवंटित किया जाएगा, बेरोजगारों को स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। देश की संपत्ति और संसाधन आबादी में उनके अनुपात के अनुसार विभिन्न श्रेणियों के लोगों के पास होने चाहिए, न कि कॉरपोरेट शक्तियों के पास। उपमुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि संविधान को कमजोर करने और संविधान द्वारा आम लोगों के अधिकारों को कुचलने की साजिश रची जा रही है।

खड़गे, राहुल गांधी 27 जनवरी को तेलंगाना का दौरा करेंगे

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के शीर्ष नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने तेलंगाना का दौरा करने की पुष्टि की है। कांग्रेस हाईकमान ने शनिवार को इस संबंध में आधिकारिक बयान जारी किया। यह स्पष्ट किया गया है कि ये नेता संविधान बचाओ प्रदर्शन में भाग लेने के लिए 27 जनवरी को तेलंगाना आएंगे। भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर कांग्रेस पार्टी ने 26 जनवरी से पूरे देश में 'संविधान बचाओ राष्ट्रीय पदयात्रा' कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। पार्टी नेतृत्व द्वारा दिए गए आह्वान के तहत तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने तेलंगाना में रैलियां करने का आह्वान किया है। आलाकमान ने मंगलवार को कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में निर्णय लिया और संविधान को बदलने की भाजपा की साजिशों के खिलाफ संविधान की रक्षा के लिए देश भर में पार्टी के नेताओं को पत्र लिखा।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि पर अपने जुबली हिल्स आवास पर पुष्पांजलि अर्पित की।

रेलवे में महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण की परिवर्तनकारी यात्रा : अरोमा सिंह ठाकुर

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गतिशीलता केवल लोगों की आवाजाही के बारे में नहीं है, यह सशक्तिकरण का एक साधन है, अधिकारों को सक्षम करने वाला और सामाजिक-आर्थिक विकास का अग्रदूत है। भारत में, जहां भारतीय रेलवे प्रतिदिन 23 मिलियन से अधिक यात्रियों को परिवहन करता है, गतिशीलता अवसरों तक पहुंच का प्रतिनिधित्व करती है- शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवा और सामुदायिक भागीदारी। इस विशाल नेटवर्क पर निर्भर रहने वाली लाखों महिलाओं के लिए, सुरक्षित गतिशीलता एक मौलिक अधिकार और सशक्तिकरण का एक साधन है।

गतिशीलता आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाती है, इस प्रकार जीडीपी वृद्धि में योगदान देती है। जैसा कि मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट ने बताया है, भारत के श्रम बल में लैंगिक अंतर को कम करने से 2025 तक जीडीपी में 770 बिलियन की वृद्धि हो सकती है।

भारतीय रेलवे और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, जो समावेश और सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं।

यात्री-केंद्रित पहल आरपीएफ के प्रयासों में सबसे आगे ऑपरेशन मेरी सहेली है, जो 2020 में महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई एक समग्र पहल है, विशेष रूप से अकेले यात्रा करने वाली, बच्चों के साथ या देखभाल करने वाली। 249 समर्पित मेरी सहेली टीमें राष्ट्रीय स्तर पर हर रोज़ लगभग 500 ट्रेनों में जाती हैं और ये महिला आरपीएफ कर्मी प्रतिदिन लगभग 13000 महिला यात्रियों से उनकी यात्रा की शुरूआत से लेकर अंत तक बातचीत करती हैं, यात्रा के दौरान संपर्क बनाए रखती हैं और गंतव्य पर उनकी सुरक्षित उतराई सुनिश्चित करती हैं। यह समावेशन प्रतीकात्मक नहीं है, महिलाएं महत्वपूर्ण नेतृत्व की भूमिका निभाती हैं जो नीति और संचालन को प्रभावित करती हैं। रेलवे बोर्ड में नीति निर्माण स्तर पर सुश्री सारिका मोहन जैसी महिला अधिकारियों द्वारा नेतृत्व, सुश्री अरोमा सिंह ठाकुर दूसरे सबसे बड़े जोनल रेलवे के सुरक्षा विभाग की प्रमुख हैं, सुश्री रुचिरा चटर्जी जीएम आरसीआईएल हैं, सुश्री रेणु छिब्बर जीजीएम डीएफएफसीसीआईएल हैं। ये सभी महिलाओं के लिए प्रभावी समाधान तैयार करने में सहानुभूति से प्रेरित नेतृत्व के एकीकरण के महत्व का उदाहरण देते हैं। भारतीय रेलवे के चार प्रमुख डिवीजनों का नेतृत्व महिला सीनियर डिवीजनल सुरक्षा आयुक्तों द्वारा किया जा रहा है और भारतीय रेलवे के 47 आरपीएफ थानों को आरपीएफ महिला निरीक्षकों द्वारा संचालित किया जाता है।

गणतंत्र दिवस समारोह देखने के लिए आमंत्रित 10 हजार लोगों में तेलंगाना के 31 छात्र शामिल

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 26 जनवरी, 2025 को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड देखने के लिए देश भर से आमंत्रित 10,000 विशेष अतिथियों में तेलंगाना के 31 लोग शामिल हैं। 'स्वर्णिम भारत' के इन निर्माताओं में वे प्रमुख व्यक्ति हैं जिन्होंने प्रधानमंत्री यशस्वी योजना, वस्त्र (हस्तशिल्प) और महिला एवं बाल विकास (हस्तशिल्प) में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। परेड देखने के लिए पूरे भारत से आमंत्रित विशेष अतिथि विभिन्न क्षेत्रों से हैं, जिनमें विभिन्न क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले और सरकार की योजनाओं का सर्वोत्तम उपयोग करने वाले लोग शामिल हैं।

बीआरएस पार्टी कार्यालय पर हमला

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को भोनगीर में बीआरएस पार्टी कार्यालय पर हमला किया। जिला अध्यक्ष कंचेरला रामकृष्ण रेड्डी द्वारा कथित तौर पर की गई टिप्पणियों से उत्तेजित होकर एनएसयूआई और युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय में फर्नीचर में तोड़फोड़ की।

पुलिस और बीआरएस कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की

आदिलाबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को बोराज गांव में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर बीआरएस पार्टी द्वारा आयोजित धरने के दौरान पुलिस और बीआरएस कार्यकर्ताओं के बीच हल्की झड़प हो गई, जिसके बाद हल्का तनाव पैदा हो गया। धरने में पार्टी के कार्यकर्ता सरकार से किसानों को प्रति एकड़ 15,000 रुपये की दर से रैतु भरोसा निवेश सहायता देने का वादा करने की मांग कर रहे थे।

पूर्व मंत्री जोगु रमन्ना के नेतृत्व में बीआरएस कार्यकर्ताओं ने सरकार द्वारा निवेश सहायता प्रदान करने में देरी के विरोध में राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात को कुछ समय के लिए अवरूद्ध कर दिया। पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को स्थानीय पुलिस स्टेशन ले जाने की कोशिश की। कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करने से रोकने के लिए पुलिस के साथ बहस की। उन्होंने पुलिस पर उन्हें गिरफ्तार करने और थाने ले जाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। रमन्ना ने कहा कि वे गिरफ्तारी और मामलों से नहीं डरेंगे। उन्होंने कहा कि खेती में घाटे के कारण किसान संकट का सामना कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार जल्द से जल्द किसानों को निवेश सहायता जारी करे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने झूठे वादे करके जनता का जनादेश हासिल किया है। उन्होंने विरोध प्रदर्शनों को दबाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल करने के लिए सरकार की आलोचना की। बीआरएस नेता इज्जागिरी नारायण, गोवर्धन, लिंगारेड्डी, गणेश, चंदला राजन्ना, गंगन्ना, प्रेमला, स्वरूपा रानी, बोजन्ना, गंगन्ना और अन्य उपस्थित थे।

राचकोंडा पुलिस ने वाहन चालकों के लिए सुझाए वैकल्पिक मार्ग

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस ने संक्रांति की छुट्टियों के मद्देनजर विजयवाड़ा की ओर जाने वाले वाहन चालकों से राष्ट्रीय राजमार्ग 65 पर भारी भीड़ के मद्देनजर वैकल्पिक मार्ग अपनाने का आग्रह किया है। पुलिस ने लोगों से ओआरआर घटकेसर निकास- भोंगिर- वलिगोंडा- रमनापेट- चित्याला जंक्शन मार्ग या ओआरआर बोंगुलुरू निकास- नागार्जुन सागर राजमार्ग- इब्राहिमपटनम, हलिया- मिर्यालागुडा- कोडाद मार्ग का उपयोग करने के लिए कहा।

पुलिस ने लोगों को सलाह दी है कि वे व्यस्त समय में यातायात से बचने के लिए अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाएं, अपना 'फास्टैग' प्राप्त करें या रिचार्ज करें, यात्रा शुरू करने से पहले यातायात अपडेट की जांच करें, यातायात नियमों का पालन करें और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यात्रा के दौरान समय-समय पर ब्रेक लें और आराम करें।

दिल राजू ने माफी मांगी, राजनीति में न घसीटने की अपील की

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना फिल्म विकास निगम के अध्यक्ष और फिल्म निर्माता दिल राजू ने तेलंगाना की संस्कृति पर अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी है और अपील की है कि उन्हें राजनीति में न घसीटा जाए। 6 जनवरी को निजामाबाद में आयोजित संक्रांतिकी वस्तुनम फिल्म के प्रचार कार्यक्रम के दौरान दिल राजू ने कहा था कि आंध्र प्रदेश के विपरीत, तेलंगाना में लोग फिल्मों की तुलना में ताड़ी और मटन के दीवाने हैं।

दिल राजू ने कहा कि हमारे (तेलंगाना) लोगों के लिए फ़िल्में पसंदीदा नहीं हैं और हमेशा ही लोगों की प्रतिक्रिया कम ही होती है। मैंने फ़िल्म निर्देशक को भी यही बताया। आंध्र में लोग सिनेमा को महत्व देते हैं, लेकिन तेलंगाना में ताड़ी और मटन को महत्व दिया जाता है। हालांकि, उनकी टिप्पणियां विभिन्न वर्गों के लोगों को पसंद नहीं आईं। शनिवार को दिल राजू ने एक वीडियो संदेश में लोगों से माफ़ी मांगी। उन्होंने यह भी कहा कि तेलंगाना के मूल निवासी होने के नाते वे हमेशा राज्य की संस्कृति और लोगों की प्रशंसा करते हैं। दिल राजू ने संदेश में कहा कि मेरा तेलंगाना की संस्कृति को नीचा दिखाने का कोई इरादा नहीं था और कई लोगों ने मेरी टिप्पणियों को गलत समझा। मैं सभी राजनीतिक दलों से भी अपील करता हूं कि वे मुझे विवादों और राजनीति में न घसीटें।

ट्रैफिक सिग्नल की बैटरी चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बेगमपेट पुलिस ने ट्रैफिक सिग्नल की बैटरी चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी व्यक्ति को एक रिसीवर के साथ गिरफ्तार किया गया, जिन्हें बेगमपेट पुलिस ने बेगमपेट पीएस (2 मामले), बोराबंडा पीएस (1 मामला), कंचनबाग पीएस (1 मामला) और काचीगुडा पीएस (1 मामला) से संबंधित (5) बैटरी चोरी के मामलों (ट्रैफिक सिग्नल) में शामिल होने के आरोप में हिरासत में लिया। गिरफ्तार आरोपियों से बैटरी चोरी करने वाले अपराधी से पूछताछ की गई, उसने स्वेच्छा से समीर के साथ अपराध करने की बात कबूल की, जो फरार है। उसके कबूलनामे के आधार पर एक लाख रुपये की 10 बैटरियां बरामद की गईं।

पुलिस के अनुसार फरार समीर ट्रैफिक कंट्रोलिंग सिस्टम बॉक्स खोलकर बैटरियां चुरा लेता था। अपराध के पीछे का मकसद आरोपी व्यक्ति की विलासितापूर्ण जीवन जीने की इच्छा है, अपर्याप्त आय के कारण उन्होंने बैटरियों की चोरी करने की योजना बनाई क्योंकि यह बाजार में उन्हें निपटाने का आसान तरीका है। अपनी योजना को खत्म करने के लिए वे रात के अंधेरे में बेगमपेट थाने की सीमा में ब्रोक बॉन्ड क्रॉस रोड और हैदराबाद पब्लिक स्कूल ट्रैफिक सिग्नल, बोराबंडा थाने के कल्याण नगर ट्रैफिक सिग्नल, कंचनबाग थाने के डीआरडीओ ट्रैफिक सिग्नल और काचीगुडा थाने की सीमा में निम्बोलिया अड्डा ट्रैफिक सिग्नल जैसे सुनसान इलाकों में जंक्शनों पर लगे ट्रैफिक सिग्नलिंग सिस्टम की बैटरियां चुराते थे। आरोपी एमडी समीर निवासी मुशीराबाद और एमडी जहांगीर निवासी भोलकपुरा, इंदिरा नगर मुशीरबाद बैटरी चोरी और खरीदने तथा बेचने में माहिर हैं।

एससीआर जनवरी में चला रहा है 366 संक्रांति विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति त्यौहार के मौसम को देखते हुए, दक्षिण मध्य रेलवे ने स्टेशनों और ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ को संभालने के लिए कमर कस ली है। इस अवधि के दौरान अतिरिक्त यात्रा की मांग को ध्यान में रखते हुए, एससीआर जनवरी में विभिन्न गंतव्यों के बीच 366 संक्रांति विशेष ट्रेनें चला रहा है ताकि रेल उपयोगकर्ताओं की यात्रा आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। इनमें से अधिकांश ट्रेनें छुट्टियों के चरम मौसम के दौरान चलाई जा रही हैं और न केवल दो तेलुगु राज्यों के बीच, बल्कि अन्य लोकप्रिय गंतव्यों के लिए भी चलाई जाएंगी। ट्रेन सेवाओं में आरक्षित कोच और अनारक्षित कोच दोनों सहित विभिन्न कोच संरचना है जो सभी प्रकार के यात्रियों की सेवा करती है। 15 ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोड़े गए हैं। 20707/20708 सिकंदराबाद-विशाखापट्टनम-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस को 13 जनवरी, 2025 से बढ़ाकर 16 कोचों के साथ चलाया जाएगा। इसी तरह, ट्रेन नंबर 20833/20834 विशाखापट्टनम-सिकंदराबाद-विशाखापट्टनम वंदे भारत एक्सप्रेस को शुरू में 16 कोचों के साथ चलाया गया था, लेकिन अब इसमें चार अतिरिक्त चेयर कार कोच जोड़कर इसे 20 कोचों के साथ चलाया जाएगा। ये विशेष ट्रेनें नरसापुर, काकीनाडा, विशाखापट्टनम, श्रीकाकुलम, मछलीपट्टनम, तिरुपति, बरहामपुर, जयपुर, गोरखपुर, कटक, मदुरै, अर्सिकेरे है। इसके अलावा, जोन से नेल्लोर, विजयवाड़ा, राजमंड्री, वारंगल और ऐसे स्टेशनों से शालीमार, संबलपुर, बरौनी और विशाखापट्टनम की ओर कुछ और विशेष ट्रेनें गुजर रही हैं। हैदराबाद शहर में चेर्लापल्ली रेलवे टर्मिनल के हाल ही में उद्घाटन को ध्यान में रखते हुए, इस स्टेशन से नरसापुर, काकीनाडा, श्रीकाकुलम की ओर 61 विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जिनमें 18 जनसाधारण ट्रेनें शामिल हैं, जो चेर्लापल्ली से विशाखापट्टनम और वापस सामान्य कोचों के साथ चलाई जा रही हैं। त्यौहारी सीजन के दौरान टिकट वितरण को मजबूत करने के लिए विशेष उपाय किए गए हैं। प्रमुख स्टेशनों पर पांच अतिरिक्त काउंटर संचालित किए जा रहे हैं। इसके अलावा, सभी प्रमुख स्टेशनों पर एटीवीएम सुविधाकर्ता उपलब्ध कराए गए हैं, जहां भारी यातायात का सामना करना पड़ रहा है। स्टेशनों पर भीड़ की निरंतर निगरानी के लिए मंडल वाणिज्यिक नियंत्रण में चौबीसों घंटे निगरानी प्रकोष्ठ संचालित किए जा रहे हैं। प्रमुख स्टेशनों पर अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की जा रही है, खासकर भीड़-भाड़ वाली प्रारंभिक/गुजरने वाली ट्रेनों के समय के दौरान प्रभावी भीड़ से निपटने के लिए। आरपीएफ कर्मचारियों के साथ समन्वय में अनुभाग वाणिज्यिक निरीक्षक/टिकट जांच कर्मचारी भारी भीड़ वाली ट्रेनों के पास उपलब्ध रहते हैं ताकि सामान्य कोचों में यात्रियों के सुचारू प्रवेश को नियंत्रित किया जा सके और आरक्षित कोचों में अनधिकृत यात्रियों के प्रवेश को प्रतिबंधित किया जा सके। स्टेशनों पर अन्य डिसप्ले बोर्ड के अलावा पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से विशेष ट्रेनों के चलने के बारे में लगातार घोषणाएं की गईं। प्रमुख स्टेशनों पर पूछताछ-सह-सुविधा काउंटर संचालित किए जा रहे हैं ताकि यात्रियों को संचालित की जा रही विशेष ट्रेनों के बारे में जानकारी दी जा सके और यात्रियों को संबंधित गंतव्यों के लिए उपलब्ध ट्रेनों के बारे में जानकारी दी जा सके। ट्रेनों के प्लेटफॉर्म नामांकन के संबंध में परिचालन विभाग और भीड़ प्रबंधन के लिए सुरक्षा विभाग के साथ घनिष्ठ समन्वय बनाए रखा जा रहा है।

रामचन्द्रपुरम-घटकेसर एमएमटीएस ट्रेन के समय में परिवर्तन

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ट्रेन संख्या 47254 रामचंद्रपुरम-घटकेसर एमएमटीएस ट्रेन के समय में 11 जनवरी से परिवर्तन किया गया है। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) द्वारा यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, संक्रांति त्यौहार के मौसम के दौरान नव विकसित चेर्लापल्ली न्यू टर्मिनल रेलवे स्टेशन से ट्रेनों में सवार होने वाले यात्रियों के लिए बेहतर संपर्क प्रदान करने के लिए, एमएमटीएस ट्रेन संख्या 47254 रामचंद्रपुरम-घटकेसर (लिंगमपल्ली, हाई-टेक सिटी, सुचित्रा, अमुगुडा, नेरेडमेट और चेर्लापल्ली स्टेशनों के रास्ते) के समय में पुनर्निर्धारण किया गया है।

स्टेशनवार नया संशोधित प्रस्थान समय है : रामचन्द्रपुरम (शाम 4.45 बजे), बीएचईएल (शाम 4.51 बजे), तेलपुर (शाम 5 बजे), लिंगमपल्ली (शाम 5.15 बजे), चांदनगर (शाम 5.21 बजे), हाफिजपेट (5.27 बजे), हाईटेक सिटी (शाम 5.32 बजे), बोराबंदा (शाम 5.37 बजे), भरतनगर (शाम 5.40 बजे), फिरोजगुड़ा (शाम 5.49 बजे), सुचित्रा सेंटर (शाम 5.58 बजे), भूदेवीनगर (शाम 6.05 बजे), अम्मुगुडा (शाम 6.12 बजे), नेरेडमेट (शाम 6.19 बजे), चेरलापल्ली (शाम 6.40 बजे) और घटकेसर (शाम 7 बजे आगमन)।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

ई-टेंडर नोटिस नं. जीएनटी/इ.19/टीआरडी/2024-25 दि.9/1/2025 PUB/0035

अधोहस्ताक्षरी द्वारा ठेकेदारों से निम्न कार्यों हेतु दि.7-2-2025 के 15-30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, निविदा संदर्भ सं.-जीएनटी/इ.19/टीआरडी/2024-25 दि.9-1-2025 निविदा शीर्षकः नम्बुरु(जीएनटी-केसीसी सेक्सन)-मंगलगिरी छोर पर सैण्ड हम्प के प्रावधान सहित चूंकि मौजूदा अनुकूल क्रासओवर्स के चलते नम्बुरु रोड नं.2 (अप लूप लाइन) को कामन लूप लाइन में परिवर्तित करना- ओएचइ में बदलाव। अनुमानित मूल्यः रु. 81,00,683/-(जीएसटी सहित), पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु. 1,62,000/- निविदा प्रपत्र मूल्य(अप्रतिदेय या गैर-वापसी) रु. शून्य

ई-बोलियों की आनलाईन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समयः दि.7-2-2025 के 15-30 बजे तक

तत्संबंधित किसी भी विस्तृत जानकारी हेतु दि.10-01-2025 को या तत्पश्चात् दि.07-02-2025 के 15.30 बजे तक, वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर लाग आन करें। कोई भी संचार/शुद्धिपत्र को केवल ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in के माध्यम से सूचित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुंटूर

ई-टेंडर नोटिस नं. जीएनटी/एसजी/36/318 दि.8/1/2025 PUB/0036

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.31-01-2025 के 12-00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

आयडी नं.318, कार्य विवरणः गुंटूर डिवीजन के नम्बुर स्टेशन पर कामन लूप लाइन के रूप में रोड नं.2(अप लूप लाइन) के परिवर्तन से संबंधित सिग्नलिंग एवं दूर संचार व्यवस्था। विज्ञापित निविदा मूल्यः रु.85,49,070.72, पूधरा/बोली सुरक्षाः रु.1,71,000.00, निविदा दस्तावेज मूल्यः रु. शून्य

ई-बोलियों की आनलाईन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समयः दि.31-01-2025 के 12-00 बजे तक तत्संबंधित किसी भी विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर लाग आन करें।

कोई भी संचार/शुद्धिपत्र को केवल ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in के माध्यम से सूचित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल एवं दूर संचार अभियंता, गुंटूर

टेंडर नोटिस नं. एन-एसजी-36-2024-25-एलएचएस-02-39 दि.7-1--2025 PUB/0037

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल एवं दूर संचार अभियंता/नांदेड डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, नांदेड द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-टेंडरिंग के माध्यम से दि.30-01-2025 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, निविदा सं. एन-एसजी-36-2024-25-एलएचएस-02-39 दि.7-1-2025 कार्य विवरणः नांदेड डिवीजनः/एनएसएल-टीआर स्टेशनों के बीच मानवनिर्मित एलसी नं.13@ किमी32/0-1 तथा एलसी नं.11 @किमी 30/1-2 के स्थान पर मर्यादित उंचाई(लिमिटेड हाइट) सब-वे का प्रावधान। अनुमानित मूल्यः रु.24,64,661/- बोली सुरक्षा राशिः रु. 49,300/- पूरा करने की अवधिः 12 महिने, निविदा प्रपत्र मूल्यः शून्य

उपरोक्त निविदा दि.30-01-2025 के 15.00 बजे बंद होगी।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल एवं दूर संचार अभियंता, नांदेड

नं.जी/सी/ई-नीलामी लिजिंग/2024/01 दि.10-01-2025 PUB/0038

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, गुंटकल डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, क्लोज्ड एन्ड ई-नीलामी पर, अठारह वर्ष से अधिक उम्र के भारतीय नागरिकों तथा भारत में पंजीकृत कंपनियों/फर्मों से https://www.ireps.gov.in के माध्यम से, ई-नीलामी आयोजित करता है।

क्रम सं.01, कैटलाग नं.-जीटीएलवीपीएच-24-25-डी2, श्रेणीःएसएलआर की लीजिंग, कैटलाग के स्थानः 34 रेल 67 एसएलआर, नीलामी तिथिः28-01-2025, नीलामी शुरु समयः 11.00 बजे

इच्छुक पार्टीज एवं ठेकेदारगण कृपया इस बात पर ध्यान दें कि, ई-नीलामी प्रक्रिया से अवगत होने तथा इसमें भाग लेने हेतु आयआरईपीएस साइट के होम पेज के बायीं ओर नेवीगेशन बार पर उपलब्ध तत्संबंधित लिंक, दि लर्निंग सेंटर(यूजर मैन्यूएल्स) से डाउनलोडेड यूजर मैन्यूएल पर जाएं। अधिक स्पष्टीकरणों हेतु बोलीदातागण, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटकल पर कार्यालय पर संपर्क करें।

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटकल

टेंडर नोटिस नं. एनडी/इ-34/2024-25 दि.8-1-2025 PUB/0040

निम्न ई-निविदाओं @www. ireps.gov.in के लिए प्रस्ताव या आफर्स आमंत्रित हैं।

क्रम सं.01, टेंडर नं. -एनडी/इ-34/2024-25, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन- बसमत(बीएमएफ) गुड्स शेड पर, शेष व्हार्फ या रिमेनिंग व्हार्फ के स्लीपर मैट्रिंग का प्रावधान, रोशनाई व्यवस्था, हमल शेल, सीसीटीवी आदि का प्रबंध करना--बिजली व्यवस्था। अनुमानित मूल्यः रु. 54,38,888/- बोली सुरक्षा राशिः रु. 1,08,800/-, प्रस्ताव की वैधताः60 दिन, पूरा करने की अवधिः 6 महिने, तत्संबंधित विवरण- नांदेड डिवीजन प्रशासन के तहत वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर उपलब्ध, बंद करने की तिथि व समयः 31-01-2025 के 15.00 बजे तक

तत्संबंधित निविदा दस्तावेज, योग्यता मानदंड, खास शर्तें आदि विवरण हेतु उपरोक्त हमारे वेबसाइट पर जाएं। यह सलाह दी जाती है, यह चेक करें कि, इन आफर्स की प्रस्तुति के पहले, आनलाईन में, यदि कोई शुद्धिपत्र प्रकाशित हुआ है।

A0043 विभागीय रेल प्रबंधक, बिजली, नांदेड

निविदा शर्तों/नियमों से जुडी अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः www.ireps.gov.in अथवा http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

बजट में बिहार को क्या-क्या मिल सकता है ?

पटना, 11 जनवरी (एजेंसियां)। आर्थिक विकास को गति देने के साथ बिहार सरकार की प्राथमिकता में लोक-कल्याण शुरू से ही रहा है। ऐसे में बिहार के अगले बजट का जनोन्मुखी होना अप्रत्याशित नहीं होगा, क्योंकि इस वर्ष विधानसभा का चुनाव भी है। वित्त विभाग में कुछ इसी लक्ष्य के साथ वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट की तैयारी चल रही है। कल्याणकारी योजनाओं के साथ आधारभूत संरचना, ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य व शिक्षा प्रक्षेत्र के लिए उदार हृदय से आवंटन की संभावना जताई जा रही। महिलाओं के साथ युवा वर्ग के लिए सरकार पहले से ही प्रतिबद्ध है। ऐसे में संभव है कि बजट का आकार तीन लाख करोड़ से अधिक का हो सकता है। चालू वित्तीय वर्ष (2024-25) का बजट 2.78 लाख करोड़ का रहा है। विभिन्न विभागों से प्रस्ताव मिल जाने के बाद अब वित्त विभाग द्वारा बजटीय प्रविधान को

अंतिम रूप दिया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, महिलाओं और युवाओं के लिए विशेष योजनाओं की घोषणा हो सकती है। शहरी क्षेत्रों में महिला स्वयं सहायता समूहों के गठन के लिए जीविका का विस्तार होना है। इस मद में राशि का आवंटन स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं के पहले चरण में सफल रहने वाले पिछड़ा-अति पिछड़ा वर्गों के अभ्यर्थियों को एकमुश्त नकद हस्तांतरण होता है। इस योजना के अंतर्गत और अधिक प्रतियोगी परीक्षाओं को सम्मिलित किया जा सकता है। गरीब परिवारों को छोटे व्यवसाय के लिए दो लाख रुपये तक अनुदान देने की योजना आगे भी जारी रहेगी और इसके लिए अतिरिक्त राशि का भी प्रवधान होना है। दूसरे प्रदेशों में महिलाओं, गरीबों, वृद्धों व दिव्यांगों के लिए नकदी हस्तांतरण व प्रत्यक्ष लाभ की योजनाओं का भी अधिकारियों द्वारा अध्ययन किया गया है। महिलाओं के लिए नकदी हस्तांतरण व सामाजिक पेंशन में वृद्धि विपक्ष के वादे से राजनीतिक दबाव भी है। ऐसे में बजट में सरकार की ओर से खुले हाथ वाली घोषणा की संभावना बनी हुई है।

कल्याण की बातें जनसंख्या के अनुपात में

चालू वित्तीय वर्ष में अनुसूचित जाति-जनजाति, अल्पसंख्यक, पिछड़ा-अति पिछड़ा वर्ग व समाज कल्याण से संबंधित विभागों द्वारा 12377.26 करोड़ रुपये का व्यय प्रस्तावित है। इस वर्ग की जनसंख्या में वृद्धि के समानुपातिक बजटीय आवंटन में भी बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही। शिक्षा का हिस्सा बड़ा, स्वास्थ्य पर बल स्थापना व प्रतिबद्ध व्यय के कारण शिक्षा विभाग को शुरू से ही बजट का बड़ा हिस्सा मिलता रहा है। इस बार यह हिस्सेदारी बढ़कर 20 प्रतिशत हो सकती है। मेडिकल कॉलेज व अस्पताल आदि के निर्माण के कारण स्वास्थ्य विभाग को विकासात्मक व्यय के मद में अधिक आवंटन होना है। फोकस में है सामाजिक-आर्थिक न्याय 2024-25 के बजट का 38.89 प्रतिशत (108384 करोड़) आवंटन गरीबों व वंचितों के लिए हुआ। इस वर्ग की उन्नति के साथ सरकार का जोर अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने पर भी है। ऐसे में सामाजिक आर्थिक न्याय के उद्देश्य से इस बार बजटीय प्रविधान 62 से 65 प्रतिशत के बीच हो सकता है।

कानपुर में तैनात पीसीएस अधिकारी सस्पेंड:वीडीओ भर्ती परीक्षा कराने में बरती थी लापरवाही

कानपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। शासन ने ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी के आरोप में कानपुर की अपर जिलाधिकारी (भूमि अध्याप्ति) रिंकी जायसवाल को निलंबित कर दिया है। परीक्षा कराने वाली एजेंसी ने रिंकी की शिकायत की थी। इस पर मामले की जांच एसआईटी को सौंपी गई थी। एसआईटी ने जांच रिपोर्ट में आयोग की तत्कालीन उपसचिव रिंकी जायसवाल पर लापरवाही की बात कही है। इसके बाद शासन ने कार्रवाई की है। आयोग में तैनात कुछ अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों पर भी गाज गिरना तय है। रिंकी जायसवाल कानपुर में डेढ़ वर्ष से एडीएम लैंड के पद की जिम्मेदारी संभाल रहीं हैं। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने ग्राम विकास अधिकारी के 1953 पदों पर भर्ती के लिए वर्ष 2018 में विज्ञापन निकालते हुए इसकी परीक्षा कराई थी। इसमें गड़बड़ियां सामने आने पर परीक्षा कराने वाली एजेंसी की तरफ से शासन में शिकायत की गई थी। शासन से इस मामले की जांच एसआईटी को सौंपी गई थी। पांच साल बाद जांच पूरी हुई। एसआईटी ने जांच रिपोर्ट में आयोग की तत्कालीन उपसचिव रिंकी जायसवाल को लापरवाही के लिए जिम्मेदार ठहराया। इसके अलावा उस समय तैनात दो अन्य पीसीएस अधिकारियों के ऊपर भी अनदेखी के आरोप हैं। साथ ही इसमें अन्य कर्मियों के शामिल होने की बात कही है। नियुक्ति विभाग ने एसआईटी की रिपोर्ट की आधार पर रिंकी जायसवाल को निलंबित कर दिया है। बताया जा रहा है कि एसआईटी की जांच रिपोर्ट के आधार पर कुछ और अधिकारियों और कर्मचारियों पर जल्द ही कार्रवाई हो सकती है।

गोल्ड डायमंड होटल के रूम में रंगरेलियां मनाते मिले युवक-युवतियां

खतौली/मुजफ्फरनगर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। एसडीएम ने दिल्ली-देहरादून हाईवे पर अवैध रूप से संचालित एक होटल पर छापा मारा था। यहां से पांच लड़कियां, इनमें एक नाबालिग और चार युवकों के अलावा होटल संचालक को पकड़ा गया। आपत्तिजनक सामग्री भी होटल में मिली। पुलिस सभी को थाने ले आई। इस कार्रवाई से होटल संचालकों में हड़कंप मचा रहा। अब युवकों को जेल भेजा है। एसडीएम मोनालिसा जौहरी ने बताया कि लगातार उनको सूचना मिल रही थी कि दिल्ली-देहरादून हाईवे पर अवैध रूप से संचालित होटलों में अनैतिक कार्य हो रहा है। उन्होंने पुलिस को साथ लेकर शाहबाजपुर तिगाई के निकट गोल्ड डायमंड होटल पर छापेमारी की। यहां पांच लड़ियों, जिनमें एक नाबालिग है और चार युवक पकड़े। मौके से आपत्तिजनक सामग्री भी मिली। छापेमारी के दौरान एंट्री रजिस्टर की जांच की गई, जिसमें सही एंट्री नहीं मिली। लड़कियों के स्वजन को जानकारी दी गई है। होटल के संचालक को पुलिस ने हिरासत में लिया और उससे पूछताछ की।

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की सेहत को लेकर चंद्रशेखर आजाद चिंतित केंद्र सरकार के लिए मांगी सद्बुद्धि

नागीना, 11 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल पिछले 40 से अधिक दिनों से अनशन पर बैठे हैं। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की सेहत भी बिगड़ती जा रही है और उनकी बिगड़ती सेहत पर नगीना सांसद और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद की प्रतिक्रिया सामने आई है। नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा- आमरण अनशन करते हुए वयोवृद्ध किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को आज 47वां दिन हो चुका है। उनकी लगातार बिगड़ती सेहत को लेकर मैं अत्यंत चिंतित हूँ। प्रकृति से प्रार्थना है कि वह उन्हें हिम्मत, साहस और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें, साथ ही केंद्र की भाजपा सरकार को सद्बुद्धि प्रदान करें ताकि वे किसानों की समस्याओं को सुनने और समाधान करने के लिए कदम उठाएं। इससे पहले बीजेपी की पंजाब इकाई के एक प्रतिनिधिमंडल ने बृहस्पतिवार को अकाल तख्त जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह से डल्लेवाल का अनशन समाप्त कराने के लिए हस्तक्षेप करने की अपील की थी। बीजेपी प्रतिनिधिमंडल में सुखमिंदर पाल सिंह ग्रेवाल और सरचंद सिंह शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने डल्लेवाल के बिगड़ते स्वास्थ्य पर चिंता व्यक्त की। वहीं बीजेपी नेताओं के प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात को लेकर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की पंजाब इकाई ने अकाल तख्त से अपील तो की है लेकिन यदि वे वाकई में चाहते हैं कि वह (डल्लेवाल) अपना आमरण अनशन खत्म करें तो उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलना चाहिए।

लव मैरिज के 10 दिन बाद दूल्हे ने की सुसाइड

मुजफ्फरपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां के ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र के चांदनी चौक के पास एक युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई है। शादी के महज 10 दिन के बाद युवक ने फांसी लगाकर सुसाइड कर ली है। मिली जानकारी के मुताबिक, युवक ने लव मैरिज की थी। युवक का शव घर के बंद कमरे में मिला है। युवक की सास का कहना है कि हम लोगों ने दोनों की शादी राजी-खुशी से करा दी थी। युवक दुकान चलाता था। सास का कहना है कि पता नहीं क्यों दामाद ने फांसी लगाकर सुसाइड की। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि युवक ने फांसी लगाकर सुसाइड की है। फिलहाल, युवक के परिजनों की तरफ से कोई आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महाकुंभ में पहुंची योगमाता कीको ऐकावा जापान से है उनका ताल्लुक, बनीं चर्चा का केंद्र

प्रयागराज, 11 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में महाकुंभ की तैयारियां जोरों-शोरों से की जा रही हैं। करोड़ों लोगों के प्रयागराज के महाकुंभ में आने की संभावना जताई जा रही है। इस बीच महाकुंभ में साधु-संतों और श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगने लगा है। सभी साधु अपने आप में अनोखे हैं और चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। वहीं जापान से महाकुंभ में आईं योगमाता कीको ऐकावा के नाम पर भी खूब चर्चा हो रही है। बता दें कि योगमाता कीको ऐकावा पहली महिला सिद्ध गुरु और शांति आध्यात्मिकता की प्रतीक हैं। महाकुंभ में उनकी उपस्थिति महायोग पायलट बाबा की विरासत के आगे ला जाने का काम कर रही है।

महाकुंभ में पहुंची योगमाता कीको ऐकावा

बता दें कि अगस्त 2024 में महायोगी पायलट बाबा ने महासमाधि ले ली थी। इसके बाद योगमाता कीको ऐकावना ने उनके आध्यात्मिक मिशन की जिम्मेदारी को संभाला और उसे आगे बढ़ाने का काम किया। उनकी यौगिक चेतना के कारण दुनियाभर में उन्हें अद्वितीय उपलब्धि मिली है। अगर उनकी उपलब्धियों की बात करें तो वह पहली महिला हैं जिन्होंने 96 घंटे तक बंद भूमिगत कक्ष में सार्वजनिक समाधि धारण की। साल 2007 में जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर के रूप में उनके उत्थान ने वैश्विक ख्याति के आध्यात्मिक नेता के रूप में उनकी पहचान को विकसित किया।

पीएम नरेंद्र मोदी से योगमाता की मुलाकात

बता दें कि ऐसे कई मौके रहें जब योगमाता कोकी ऐकावा और पीएम नरेंद्र मोदी की मुलाकात की भी हुई। संयुक्त राष्ट्र में साल 2023 में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी को उनका आशीर्वाद मिला और साल 2016 में भी पीएम नरेंद्र मोदी से उनकी मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भारत और जापान के बीच सामंजस्यपूर्ण रिश्ते के लिए प्रार्थना की। महाकुंभ 2025 में योगमाता की उपस्थिति आध्यात्मिक मार्गदर्शन का प्रतीक है। वह महाकुंभ में ध्यान सत्रों का आयोजन व उनका नेतृत्व करेंगी। इसके अलावा भक्तों व श्रद्धालुओं के साथ हिमालयी सिद्ध परंपरा की शिक्षाओं का भी प्रचार-प्रसार करेंगी।

21.5 किलो गांजा के साथ महिला समेत 2 तस्कर गिरफ्तार

कटिहार, 11 जनवरी (एजेंसियां)। कटिहार पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी कर रही एक महिला समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से 21.5 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ है। पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा के बताया कि 9 जनवरी को कुरसेला थाना को गुप्त सूचना मिली थी कि बलथी महेशपुर के रास्ते से एक पुरुष और एक महिला भारी मात्रा में गांजा लेकर भागलपुर जाने वाले हैं। सूचना के आधार पर एसडीपीओ धर्मेंद्र कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने एनएच-77 पर वाहन जांच अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान लाल ट्रॉली बैग और काले पिट्ठू बैग के साथ दो संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिए, जो पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया। तस्करों की पहचान भागलपुर के एकचारी थाना क्षेत्र के छोटी मोहनपुर निवासी ऋषि गौतम और नवगछिया थाना क्षेत्र के श्रीपुर निवासी अनीता देवी के रूप में हुई है। तलाशी में ट्रॉली बैग से 14.720 किलोग्राम और पिट्ठू बैग से 6.330 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। साथ ही आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

आजम और उनके समर्थकों को सबक सिखाऊंगी, जया प्रदा ने क्यों कही ये बात ?

मुरादाबाद, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अभिनेत्री और पूर्व सांसद जया प्रदा मुरादाबाद कोर्ट पहुंची। यहां उनकी पेशी एमपी-एमएलए कोर्ट में थी। जहां उन्होंने अपना पक्ष रखा। इसके पहले कोर्ट ने उनके खिलाफ वारंट जारी किया था। जिसके बाद जया कोर्ट में पेश हुई हैं। इस दौरान उन्होंने आजम खान और उनके समर्थकों पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि वह आजम और उनके समर्थकों को सबक सिखाएंगी, कि कैसे महिलाओं का सम्मान कैसे किया जाता है। मुरादाबाद कोर्ट ने पूर्व सांसद और सपा नेता एसटी हसन के खिलाफ एक मामले में बयान दर्ज कराने के लिए जया प्रदा को बुलाया था। इस केस की सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रही है। इस मामले में तत्कालीन सांसद डॉ। एसटी हसन, आजम खां, आजम के बेटे अब्दुल्ला आजम और उनके 6 समर्थकों को नामजद किया गया था।

अब समय बदल गया है- जया प्रदा

जया प्रदा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि महिलाओं को न्याय के लिए इंतजार करना पड़ता है। इसके साथ ही लंबे संघर्ष और कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, लेकिन मैं हार नहीं मानूंगी। अब समय बदल चुका है। लेकिन आज भी महिलाओं को सम्मान के लिए लड़ना पड़ता है। उन्होंने कहा कि मैं यह लड़ाई इसलिए लड़ना चाहती हूं, क्योंकि यह महिलाओं के कल्याण के लिए है। पहले जैसा नहीं रहा है । एक दिन जरूर न्याय मिलेगा। जया प्रदा ने कहा कि आजम खान को खुश करने के लिए इस तरह की टिप्पणी करने वाले शिक्षित लोगों को सबक सिखाने की जरूरत है। मैं ऐसे लोगों को महिलाओं का सम्मान करने का महत्व सिखाने के लिए लड़ रही हूं। ये लोग जानबूझकर इस तरह महिलाओं को लेकर अपशब्द बोलते हैं, ताकि उनके नेताओं के साथ संबंध मजबूत हों। पूरा मामला 2019 के लोकसभा चुनाव के समय का है, आरोप है कि एसटी हसन ने जयाप्रदा पर मंच से अभद्र टिप्पणी की थी। जयाप्रदा ने रामपुर से आजम खां के खिलाफ चुनाव लड़ा था, लेकिन वे हार गई थीं। आजम खां चुनाव जीतकर सांसद बने थे। उस दौरान मुरादाबाद लोकसभा सीट से सपा के टिकट पर डॉ। एसटी हसन चुनाव जीते थे। इस पर उन्होंने न्याय की मांग की और इसके खिलाफ केस दर्ज कराया। कोर्ट की तरफ से इस मामले में जया प्रदा को कई बार बुलाया था। ताकि वे अपना बयान दर्ज करा सकें। अदालत में पेशी के दौरान मौजूद न होने पर जया प्रदा के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था।

झाड़-फूंक के बहाने मौलवी और उसके साथी ने महिला से किया रेप, बेहोश कर दिया घटना को अंजाम

बागपत, 11 जनवरी (एजेंसियां)। झाड़ फूंक के बहाने महिला से सामूहिक रेप की वारदात सामने आई है। एक मौलवी व उसके साथी ने झाड़ फूंक करने के बहाने उसे बेहोश कर उसके साथ सामूहिक रेप किया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने दो तांत्रिक मौलवियों सहित चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया गया है। जबकि एक आरोपी अभी फरार है। पीड़िता ने पुलिस से शिकायत करते हुए बताया कि उसका पति दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। वहीं उसका मुंह बोला फूफा भी जेल में ही बंद था। जो छूटकर बाहर आ गया तो महिला ने जब उससे जेल छूटने का तरीका पूछा तो उसके फूफा ने बताया कि उसने झाड़ फूंक व तंत्र विधा करवाई है। जिस कारण वह जेल से बाहर आ गया। उसकी बात पर विश्वास करते हुए महिला भी तांत्रिक से झाड़ फूंक करवाने आई थी। तभी तांत्रिक मौलाना नसीम ने अपने साथी महबूब के साथ मिलकर उसके साथ रेप किया।

पीएम मोदी के मंत्री का कुंभ मेले पर टिप्पणी करने वालों पर हमला, बताया क्यों ऐसा कर रहे

पटना/ बेगूसराय, 11 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के फायर ब्रांड गिरिराज सिंह ने महाकुंभा मेला को लेकर विपक्ष पर जमकर हमला बोला है। गिरिराज सिंह ने कहा कि महाकुंभ मेला के बारे में कुछ लोग अनाप-शनाप बोल रहे हैं। कुछ खास वर्ग के वोटों के ठेकेदारों द्वारा यह बात कही जा रही है कि जो लोग 'पापी होंगे वही कुंभ स्नान को जाएंगे'। उन्हें मालूम होना चाहिए कि महाकुंभ सनातनियों के लिए सबसे बड़ा धार्मिक पर्व है। सनातन के लोग बड़ी संख्या में कुंभ स्नान को जाएंगे। यह देश का दुर्भाग्य है कि कुछ नेता मुसलमानों का वोट पाने के लिए उन्हें खुश करना चाहते हैं। लालू यादव, अखिलेश यादव या राहुल गांधी की पार्टी के नेता महाकुंभ में हिन्दुओं को गाली देकर मुसलमानों को खुश करना चाहते हैं। उनका वोट बटोरना चाहते हैं। लोगों को मालूम है कि नादिर शाह कैसे आया था। लेकिन, सनातन की संस्कृति इतनी मजबूत है कि जितना इसपर हमला करेंगे, उतनी ही मजबूत होगी। मैं अपील करता हूं कि भारत के सनातनी एक हो जाएं। अगर, आप बंटोगे तो कटोगे। केंद्रीय मंत्री ने लालू परिवार पर हमला करते हुए कहा कि लालू प्रसाद यादव अपनी राजनीतिक पार्टी राजद के सीएमडी हैं। लालू प्रसाद की राजद कोई पार्टी नहीं बल्कि जंगलराज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है। जैसे रतन टाटा अपनी कंपनी के सीएमडी थे। उन्होंने किसी को एमडी नियुक्त कर रखा था। वैसे ही लालू प्रसाद ने तेजस्वी यादव को एमडी को नियुक्त कर रखा था। लालू जी सीएमडी खुद ही रहेंगे। आप बताएं कि क्या यादव में सब लोग बेकार हैं? क्या केवल लालू परिवार में ही योग्यता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। यह परिवारवाद की परिकाष्ठा है।

पुलिसवाले ही उड़ा रहे शराबबंदी कानून का मजाक

जहानाबाद, 11 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में शराबबंदी कानून लागू है, यानी यहां पर शराब पीना और शराब की बिक्री करना दोनों अपराध है। लेकिन फिर भी अवैध रूप से शराब की तस्करी जारी है और खुद पुलिसकर्मी ही इस कानून को तोड़ते हुए नजर आ रहे हैं। ताजा मामला सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो से जुड़ा है, जिसमें एक दारोगा शराब का सेवन करते हुए नजर आ रहे हैं। मामला बिहार के जहानाबाद का है। यहां एक दारोगा का शराब पीते हुए वीडियो वायरल हो रहा है। हालांकि इंडिया टीवी इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता। दारोगा का शराब पीते हुए वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में खलबली मच गई है। दारोगा की पहचान सिकरिया थाना में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर फकीरा प्रसाद के रूप में हुई है। वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि एसआई फकीरा प्रसाद के सामने टेबल पर शराब से भरे गिलास और प्लेट में चखना रखा है। चखने को खाते हुए दारोगा, सामने वाले इंसान से बातचीत कर रहे हैं। बताया जाता है कि ये वीडियो विशुनगंज थाने का है।

'खुद को निष्पापी समझते हैं तो वो हमें भी दर्शन दें', चंद्रशेखर आजाद के बयान पर भड़के स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

प्रयागराज, 11 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में 13 जनवरी से महाकुंभ को लेकर नगीना सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद के बयान पर विवाद तेज हो गया है। तमाम हिन्दू संगठनों ने उनके बयान पर आपत्ति जताई है। इस बीच ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की प्रतिक्रिया सामने आई है। चंद्रशेखर के बयान पर उन्होंने कहा कि अगर वो खुद को निष्पापी समझते हैं तो वो हमें भी दर्शन दें। उनके बारे में शोध होना चाहिए। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने महाकुंभ को लेकर नगीना सांसद के बयान पर जवाब देते हुए कहा कि कुंभ में जो आया वो पापी और जो नहीं आया वो पुण्यआत्मा। निश्चित रूप से हम यहां आए हैं कि अगर जाने अनजाने में कोई पाप हुआ है तो नष्ट हो जाएं अगर वो यहां आकर खत्म हो जाएं। अगर वे खुद को निष्पापी समझते हैं तो वे हमें भी दर्शन दें। उनके बारे में तो शोध किया जाना चाहिए। उनके बारे में चर्चा की जानी चाहिए। शंकराचार्य ने इस दौरान राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर भी प्रतिक्रिया दी और कहा कि धर्म शास्त्र की दृष्टि से अभी मंदिर की प्रतिष्ठा नहीं हुई है। अभी आयोजन की वार्षिकी मनाई जा रही है। जिन लोगों ने आयोजन किया था वही लोग वार्षिकी भी मना रहे हैं। दरअसल चंद्रशेखर आजाद से जब महाकुंभ की तैयारियों को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि कुंभ मेले में वहीं लोग जाएंगे जिन्होंने पापा किए हैं। उन्हीं लोगों का जाना चाहिए। लेकिन, क्या कोई ये बताता कि कोई कब पाप करता हैं? यहीं नहीं उन्होंने योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में जंगलराज की स्थिति बन चुकी है और मुख्यमंत्री का तानाशाही रवैया बढ़ता जा रहा है।

बरेली में सीएम योगी का सिर कलम करने की धमकी देने वाला युवक गिरफ्तार, कहा था- महाकुंभ नहीं होने देंगे

बरेली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। सीएम योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी मिली है। आरोपी ने फेसबुक पर लिखा- हिंदुओं यह जो तुम्हारा महाकुंभ आ रहा है, हम मुसलमान चैलेंज करते हैं कि नहीं होने देंगे। चाहे कितने भी सिर कलम करने पड़ जाएं। मुसलमानों जिहाद करो। ये 2025 राम मंदिर का आखिरी साल होगा। बरेली के विहिप नेता केके शंखधार ने फेसबुक पर धमकी भरा पोस्ट देखा। इसके बाद एडीजी बरेली और यूपी पुलिस को टैग कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस और खुफिया विभाग की टीम अलर्ट हो गई। रात बरेली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मैजान रजा बरेली का रहने वाला है। उम्र 30 साल है। उसने बरेली के जीआरएम स्कूल से पढ़ाई की। 10 जनवरी को आरोपी की पोस्ट को बरेली के विहिप नेता पंडित केके शंखधार ने फेसबुक पर देखा। दोपहर 2.10 बजे उन्होंने पोस्ट का स्क्रीशॉट्स लेकर शेयर करते हुए एडीजी बरेली, यूपी पुलिस को टैग किया। विहिप नेता ने लिखा- यह भड़काऊ पोस्ट बहुसंख्यक समाज की आस्था को ठेस पहुंचाने वाला है। अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने वाले जिहादी को इसकी सही जगह पहुंचाने की कृपा करें।

हर वक्त सीएम की सुरक्षा में 25 कमांडो रहते हैं

सीएम योगी के साथ हर समय एनएसजी (नेशनल सिक्योरिटी गार्ड्स) के 25 कमांडो रहते हैं, यानी यदि इनकी शिफ्ट 8 घंटे की है तो कुल मिलाकर 75 कमांडो तैनात हैं। यह ब्लैक यूनिफॉर्म में रहते हैं। सीएम योगी को मिली जेड प्लस सुरक्षा में 5 बुलेटप्रूफ गाड़ियां भी शामिल रहती हैं। देश की चुनिंदा शख्सियतों को ऐसी सुरक्षा दी जाती है।

योगी की सुरक्षा में हर महीने 1 करोड़ 39 लाख खर्च

2017 में सपा के शतरुद्र प्रकाश ने योगी की सुरक्षा पर हो रहे खर्च को लेकर सवाल किया। सरकार की तरफ से जवाब आया कि हर महीने 1 करोड़ 39 लाख रुपए खर्च हो रहे हैं। सुरक्षा में एक अपर पुलिस अधीक्षक, सात पुलिस उपाधीक्षक, 52 निरीक्षक, 21 उप निरीक्षक, 23 मुख्य आरक्षी और 127 आरक्षी तैनात किए गए हैं। हालांकि इसमें एनएसजी पर होने वाला खर्च शामिल नहीं है।

लेखपाल गैंग के काले कारनामों का कच्चा चिट्ठा खोलेगी एसएसपी की एसआईटी, ट्रांसपोर्टर समेत बड़े नाम आएंगे सामने

बरेली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। बरेली। जमीन के फर्जी बैनामे और अवैध कब्जे में लिप्त निलंबित लेखपाल सावन कुमार जायसवाल के गैंग का काला चिट्ठा अब एसएसपी अनुराग आर्य की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) खोलेगी। लेखपाल और उनके साथियों के फर्जीवाड़े के कई मामले सामने आ चुके हैं। तीन मुकदमे दर्ज हो चुके हैं और दो नई शिकायतों की जांच जारी है। इसमें शहर के एक ट्रांसपोर्टर समेत कई बड़े नाम सामने आ सकते हैं। एसएसपी अनुराग आर्य ने लेखपाल गैंग के फर्जीवाड़े की जांच के लिए एसपी सिटी की अध्यक्षता में एक पांच सदस्यीय एसआईटी का गठन किया है। इसमें बारादरी थाने के इंस्पेक्टर क्राइम अरविंद कुमार, एसएसआई रोहित शर्मा, भोजीपुरा थाने के दरोगा हितेश देवल, कैंट थाने के दरोगा सचिन और नितिन को शामिल किया गया है। यह टीम सभी शिकायतों और मुकदमों की एक साथ जांच करेगी और विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगी।

दिल्ली में कब होने वाली है बारिश?

यूपी-बिहार को लेकर भी आया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली समेत पूरा उत्तर भारत इस वक्त कड़ाके की ठंड और शीतलहर का सामना कर रहा है। सुबह और शाम को घना कोहरा और सर्द हवाएं लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गई हैं। रविवार को दिल्ली में बारिश की संभावना जताई गई है। इसके अलावा कोहरे ने दिल्ली की स्थिति को और भी कठिन बना दिया है, जिससे ट्रेनों और फ्लाइट्स का संचालन प्रभावित हो रहा है। उत्तर प्रदेश और बिहार में भी मौसम में बदलाव आने की संभावना है। पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी हो रही है, और कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान माइनस डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है, जिससे लोग जबरदस्त ठंड का सामना कर रहे हैं। आइए अब जानते हैं कि आज देशभर में मौसम का हाल क्या रहने वाला है।

कल हो सकती है बारिश

रात गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। बारिश के बाद अधिकतम तापमान में गिरावट आ सकती है। दिन में कुछ दिनों तक कंपकंपी महसूस हो सकती है। आज दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में मध्यम कोहरा और स्मॉग छाए रहने की संभावना है, और कुछ इलाकों में घना

कोहरा भी छा सकता है। अधिकतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। हल्की बारिश के साथ तेज हवाएं भी चल सकती हैं।

12 जनवरी को दिल्ली में मध्यम कोहरा छा सकता है और सुबह के समय हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। 13 से 16 जनवरी तक दिल्ली में मध्यम कोहरा बना रह सकता है। इस दौरान अधिकतम तापमान 19-20 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

कैसा रहेगा पंजाब और हरियाणा का मौसम

पंजाब में आज मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, यहां गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है और घना कोहरा छाए रहने का अनुमान है। 12 से 14 जनवरी तक घना कोहरा प्रदेश के कई हिस्सों को परेशान करेगा। हरियाणा में भी आज घने कोहरे का येलो अलर्ट है और 12 से 14 जनवरी तक कोहरे का ऑरेंज अलर्ट रहेगा। चंडीगढ़ में भी हल्की बारिश हो सकती है।

पहाड़ी राज्यों में भी बारिश की संभावना

जम्मू-कश्मीर में आज गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है और यहां के पहाड़ी क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान माइनस डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। ऐसे में सूबे के लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ सकता है।

उत्तराखंड की बात करें तो इस पहाड़ी सूबे में भी आज और कल बारिश की संभावना है, साथ ही गरज-चमक का भी अलर्ट है। हिमाचल प्रदेश में ठंड और बारिश का डबल अटैक देखने को मिलेगा, और कल से ठंड बढ़ने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश और बिहार में भी बरसेंगे बादल

गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़ समेत सूबे के 36 जिलों में बादल गरजने के साथ हल्की बारिश हो सकती है। बारिश की वजह से सूबे के कई इलाकों में लोगों को कड़ाके की सर्दी का सामना करना पड़ सकता है। बिहार की बात करें तो यहां मकर संक्रांति तक ठंड में थोड़ी राहत मिल सकती है। इसके अलावा 12 जनवरी को बिहार के बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद और अरवल जिलों के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है।

राजस्थान में बारिश के साथ ओलावृष्टि

राजस्थान में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से राज्य के कुछ हिस्सों में बारिश और ओलावृष्टि हो सकती है। हालांकि, सूबे के कई इलाकों में अभी भी कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ रहा है। मौसम केंद्र जयपुर के मुताबिक, 11 जनवरी को इस पश्चिमी विक्षोभ के कारण राजस्थान के कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है, जिससे ठंड बढ़ सकती है।

कोयला खदान में फंसे एक और मजदूर का शव बरामद, छठे दिन भी बचाव अभियान जारी

गुवाहाटी, 11 जनवरी (एजेंसियां)। असम के दीमा हसाओ जिले में कोयला खदान में फंसे एक और मजदूर का शव शनिवार को बचाव अभियान के दौरान खदान से बरामद किया गया। अब तक दो मजदूरों के शव बरामद हो चुके हैं। पहला शव बुधवार को खदान से निकाला गया था। जिन मजदूरों के शव बरामद किए गए हैं, वे उन नौ मजदूरों में शामिल थे, जो सोमवार को उमरंगसू में खदान में अचानक पानी भर जाने के चलते फंस गए थे। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि खदान में फंसे हुए खनिकों की तलाश में बचाव अभियान सुबह फिर से शुरू हुआ। तलाश के छठे दिन एक और मजदूर का शव बरामद किया गया है। मृतक की पहचान दीमा हसाओ को कलामाटी के गांव नंबर एक के निवासी 27 वर्षीय लिजेन मगर के रूप में हुई है। नेपाल के रहने वाले एक मजदूर का शव पहले ही बरामद किया जा चुका है। खदान में अचानक पानी भरने से नौ मजदूर खदान में फंस गए थे।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'उमरंगसू में बचाव कार्य निरंतर जारी है। दुखद रूप से, आज सुबह एक और शव बरामद किया गया। हम इस कठिन समय में आशा और शक्ति के साथ शोक संतप्त लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं।' बचाव कार्य में जुटे एक अधिकारी ने बताया कि 340 फीट गहरी खदान से पानी निकालने का काम जारी है और अब इस काम में ओएनजीसी और कोल इंडिया द्वारा लाई गई मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। अभी भी सात मजदूर अवैध कोयला खदान में फंसे हुए हैं। हालांकि उनके बचने की उम्मीद बेहद कम है। इस बीच पुलिस ने अवैध खदान में फंसे मजदूरों के सरदार को गिरफ्तार कर लिया है। सरदार हादसे के बाद से फरार था और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

गौरी लंकेश केस: आखिरी आरोपी को भी जमानत, सभी 17 जेल से बाहर

बेंगलुरु, 11 जनवरी (एजेंसियां)। पत्रकार गौरी लंकेश हत्याकांड में शामिल सभी आरोपियों को जमानत मिल चुकी है। कोर्ट ने पहले ही 16 आरोपियों को जमानत दे दी थी, बीते दिन जेल में बंद आखिरी आरोपी को भी जमानत मिल गई है। इस हत्याकांड में शामिल सभी आरोपी अब जेल से बाहर हैं। मामले में कुल 18 आरोपी हैं। एक अन्य आरोपी विकास पाटिल अभी भी फरार है, जिसे अब तक गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। मामले की सुनवाई करते हुए बेंगलुरु में प्रिंसिपल सिटी सिविल और सेशन कोर्ट के न्यायमूर्ति मुरलीधर पई बी ने जमानत दी है। यह देखते हुए कि वह सितंबर 2018 से हिरासत में है और मुकदमा जल्द ही समाप्त होने की संभावना नहीं है।

क्या दिया अभियोजन पक्ष ने तर्क

अभियोजन पक्ष ने याचिका का विरोध किया। इसके साथ ही तर्क दिया कि जेल में बंद आरोपी पहले नरेंद्र दाभोलकर की हत्या में आरोपी है। उसकी रिहाई से फिर से अपराध करने का खतरा है। इसलिए इसे जमानत न दी जाए। अदालत ने कहा कि यह अदालत पहले ही 164 गवाहों की जांच कर चुकी है। लगभग इतनी ही संख्या अभियोजन पक्ष की तरफ से पेश की गई है। पिछले साल जुलाई महीने में कर्नाटक हाईकोर्ट ने गौरी लंकेश हत्याकांड के 3 आरोपियों को जमानत दी थी। इसके एक महीने बाद ही अन्य चार आरोपियों को भी जमानत दी गई थी। कोर्ट ने इन्हीं का हवाला देते हुए जमानत दी है।

2017 में हुआ था गौरी लंकेश हत्याकांड

पत्रकार गौरी लंकेश की 5 सितंबर 2017 को बेंगलुरु में उनके घर के बाहर तीन बंदूकधारियों ने हत्या कर दी थी। यह मामला लंबे समय से कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा बना हुआ है। इस हत्याकांड के बाद पूरे देश में विरोध देखने को मिला था। 2023 दिसंबर में, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गौरी लंकेश हत्या मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए एक विशेष अदालत स्थापित करने का निर्देश दिया था।

कौन था हत्या का मास्टर माइंड?

इस केस का मास्टरमाइंड अमोल काले था। सारे आरोपियों की एक दूसरे से मुलाकात साल 2010 में हुई थी, जिसके बाद वो लगातार मिलते रहे। एक स्पीच की वीडियो देखी और यहीं से गौरी लंकेश की हत्या की साजिश का प्लान बनाना शुरू किया गया। साल 2017 में एक बार जब सारे आरोपी मिले तो उन्होंने गोली लंकेश की बेंगलुरु में दी। जहां अमोल काले इस हत्या के पीछे का मास्टरमाइंड है। परशुराम वाघमारे शूटर और गणेश मिस्किन ड्राइवर था। वहीं, बाकी के आरोपियों ने दूसरे काम किए उन्होंने गौरी लंकेश की रेकी की, गौरी लंकेश के आवास तक पहुंचने के लिए वाहन जुटाया।

नई आफत! रहस्यमयी बीमारी से टकले हो रहे लोग, दशहत में 11 गांव; मचा हड़कंप

बुलढाणा, 11 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के शेगांव तहसील में एक रहस्यमयी बीमारी इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। इस बीमारी की वजह से लोगों के बाल झड़ने शुरू हो गए हैं। आलम यह है कि इस बीमारी से 11 गांवों के लोग पीड़ित हैं। शुरुआत में 3 गांव के लोगों के बाल अचानक झड़ने की घटना सामने आई। बाद में ये बीमारी धीरे-धीरे बढ़ती गई और अब 11 गांवों के लोग इससे पीड़ित हैं। हालांकि ये कौन सी बीमारी है इसका अभी तक पता नहीं चल सका है। इन 11 गांवों में अब तक 127 मरीज सामने आ चुके हैं, जिनके बाल झड़ने लगे हैं। इस बीमारी को लेकर नागरिकों में चिंता और डर का माहौल दिखाई दे रहा है। इसका असर सिर्फ पुरुषों ही नहीं बल्कि महिलाओं और बच्चों में भी देखने को मिल रहा है। गांव के सरपंच ने बताया कि एक बार बार झड़ना शुरू हुए तो फिर 6-7 दिन के अंदर सिर के पूरे बाल झड़ जाते हैं। इस बीमारी की वजह से लोग पूरी तरह से टकले हो जा रहे हैं। शुरुआत में बोंडगाव, कालवाड़ और हिंगणा गांवों में इस बीमारी के मामले सामने आए। ये गांव शेगाव तहसील में आते हैं। वहीं बुलढाणा जिले का स्वास्थ्य विभाग इस बारे में जांच करने के लिए गांव में पहुंचा है और मरीजों की जांच की जा रही है। एक युवक ने बताया कि उसके बाल पिछले 10 दिनों से झड़ रहे हैं। युवक ने बताया कि उसकी दाढ़ी के बाल भी झड रहे हैं।

'बीजेपी के मंत्री ईसी की आंखों में झोंक रहे हैं धूल?' संजय सिंह का बड़ा आरोप

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शनिवार को पीएम मोदी सरकार के मंत्रियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया है कि केंद्रीय मंत्री चुनाव आयोग के आंख धूल झोंक रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रवेश वर्मा पूर्व सांसद हैं। फिर भी मई से लेकर जनवरी तक 8 महीने से सांसद का बंग्ला कब्जा करके बैठे हैं। उन्होंने अपने इस बंग्ले पर 33 वोट बनवाने की एप्लिकेशन दी है। इसके अलावा, बीजपी सांसद सीपी जोशी ने 14 विंडसर प्लेस नई दिल्ली के पते पर 28 वोट अपने घर पर बनवाने की एप्लिकेशन चुनाव आयोग को दी है। बीजेपी की ओर से गोल मार्केट पोस्ट ऑफिस के पास से 44 वोट, वीपी हाउस के 1 फ्लैट पर 24 वोट, मीना

बाग में 24 वोट, महादेव रोड में सासंद के आवास पर 22 वोट, और नवरंग हाउस के छोटे से पते पर 23 वोट बनाने की एप्लीकेशन दिलवाई गई है। संजय सिंह के मुताबिक बीजेपी वोटर लिस्ट में घोटाला कर रही है। बीजेपी के केंद्रीय मंत्री और सांसद इस घोटाले में शामिल हैं। मंत्री चुनाव आयोग की आंखों में धूल झोंक रहे है।

फर्जी डिग्री मामले में आरोपी अशोनी की 5.80 करोड़ की संपत्तियां अटैच

शिमला, 11 जनवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) शिमला ने मानव भारती विश्वविद्यालय सोलन से जुड़े फर्जी डिग्री मामले में आरोपी अशोनी कंवर की 5.80 करोड़ रुपये की सात अचल संपत्तियों को अटैच किया है। ये संपत्तियां हिमाचल, हरियाणा और दिल्ली में स्थित हैं। ईडी ने सोलन के धर्मपुर थाने में दर्ज तीन एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। जांच में पता चला है कि मानव भारती विश्वविद्यालय के अध्यक्ष आरोपी राजकुमार राणा ने पत्नी अशोनी कंवर और बेटे मंदीप राणा सहित अन्य सह आरोपियों की मदद से एजेंटों/विद्यार्थियों से पैसे लेकर फर्जी डिग्रियां मानव भारती विश्वविद्यालय सोलन के नाम पर बेचीं। इससे आरोपियों ने 387 करोड़ रुपये कमाए। इन पैसों से राणा, अशोनी और मंदीप ने अपने नाम पर और अन्य संबंधित संस्थाओं के नाम पर विभिन्न राज्यों में विभिन्न चल और अचल संपत्तियां खरीदीं। इंडी ने राणा, अशोनी, मंदीप समेत 14 व्यक्तियों और दो विशेष कोर्ट (पीएमएलए) शिमला के समक्ष अभियोजन शिकायत दायर की थी।

घर-जिंदगियां खाक होने पर कैसा दर्द होता है

महबूबा मुफ्ती ने अमेरिका की आग को गाजा जंग से जोड़ा

जम्मू, 11 जनवरी (एजेंसियां)। कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने अमेरिका की आग को लेकर बड़ा बयान दिया है। मुफ्ती ने लॉस एंजिलिस के जंगल में लगी इस इस भीषण आग गाजा की जंग से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि यह त्रासदी बताती है कि घर, जिंदगी खाक होना कितना दुखद होता है। गाजा में तबाही पर बड़ी हस्तियां भी उदासी थीं। इस त्रासदी से गाजा में हुए विनाश पर चिंतन जरूरी है। पीडीपी चीफ ने बताया कि अब गाजा का दर्द गहराई से समझ में आएगा। महबूबा ने कहा कि आग को बेहतर रोकथाम के साथ टाला जा सकता था। उन्होंने कहा कि गाजा में तबाही इजराइल सरकार के एक्शन का नतीजा है। विनाश देखने वालों को अब गहराई से समझ में आएगा कि गाजा का दर्द क्या होता है। वो दर्द जो घरों और जिंदगियों के खत्म होने पर होता है। महबूबा ने कहा कि गाजा को जलाने का परिणाम है अमेरिका की आग। अमेरिका ने गाजा में अस्पताल- रिफ्यूजी कैंप जलाए। अमेरिका में लगी यह भीषण आग पर्यावरण संबंधी लापरवाही के परिणामों की एक कठोर याद दिलाती है। दरअसल, सोशल मीडिया पर महबूबा का यह एक तरह से अमेरिका के खिलाफ गुस्सा है। लॉस एंजिलिस में जंगल की आग ने अमेरिका में भीषण तबाही मचाई है। अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। हजारों इमारतें खाक हो चुकी हैं। अमेरिका को इस तबाही से अरबों का नुकसान हुआ है। पिछले 4 दिन से लगी यह आग लगभग 40 हजार एकड़ में फैली चुकी है। 29 हजार एकड़ का इलाका पूरी तरह जल चुका है। कई एक्टर और नेताओं के घर जलकर खाक हो चुके हैं। कैलिफोर्निया के लॉस एंजिलिस में आग से कम से कम 10 हजार घर जलकर खाक हो चुकी हैं। अकेले लॉस एंजेलिस के पैलिसेड्स में 5300 से अधिक मकान नष्ट हो गए। 60 हजार से ज्यादा इमारतों पर अभी खतरा है।

गाजा में 15 महीने की तबाही में 40 हजार से ज्यादा हमले हुए। 46,000 से ज्यादा नागरिकों की मौत हो गई। 1 लाख के करीब लोग घायल हुए। 10 हजार से ज्यादा लोग लापता हो गए। हजारों इमारतें तबाह हो गईं। 21 लाख की आबादी वाले गाजा में 90 फीसदी लोग बेघर हो गए। 7 अक्टूबर 2023 अटैक के बाद गाजा पर इजराइल ने हमला किया था।

11 केस दर्ज, बड़े भाजपा नेताओं के खास

इंदौर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर में भाजपा के दो पार्षदों के विवाद ने बड़ा रूप ले लिया है। पार्षद कमलेश कालरा ने पार्षद जीतू यादव पर गंभीर आरोप लगाए हैं और पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कड़ी जांच का कहा है जिसके बाद पुलिस ने पार्षद जीतू यादव की अपराध कुंडली खंगालनी शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि 36 वर्षीय जीतू यादव ने 11 साल की उम्र में अपराध की दुनिया में कदम रखा। 1999 में परदेशीपुरा इलाके में दोस्त के साथ मिलकर घर में घुसकर चाकूबाजी की थी। यही से उनका अपराध का सफर शुरू हुआ। जीतू यादव अब तक तीन बार गिरफ्तार हो चुके हैं। इसी साल उन्हें जुआ खेलते हुए पकड़ा गया था। हालांकि, 2019 से अब तक उनके खिलाफ कोई नया केस दर्ज नहीं हुआ है, लेकिन कई लिखित शिकायतें पुलिस के पास पहुंच चुकी हैं, जिनकी जांच की जा रही है। जीतू को छह वर्ष के लिए पार्टी से निकाल दिया गया है। जीतू अब भाजपा के बड़े नेताओं के खास माने जाते हैं।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक रमेश मेंदोला और महापौर पुष्यमित्र भार्गव के साथ पूरे शहर में उनके होर्डिंग पोस्टर लगते रहते हैं। पिछले 15 दिनों से विवाद और गरमा गया जब वार्ड 65 के पार्षद कमलेश कालरा और नगर निगम कर्मचारी के बीच विवाद में वार्ड 24 के पार्षद जीतू यादव का नाम आया। विवाद के बाद वायरल हुए ऑडियो और 50 से ज्यादा बदमाशों के कालरा के घर पर हमले ने मामले को और पेचीदा बना दिया। कालरा ने आरोप लगाया कि यह हमला जीतू यादव ने करवाया है। जूनी इंदौर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर 12 बदमाशों की पहचान की है, जिसमें से 8 को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि अब तक किसी भी आरोपी ने जीतू यादव का नाम नहीं लिया है, और न ही उनके खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज हुई है।

अरविंद केजरीवाल ने पोस्टर शेयर कर विरोधियों को बताया निकम्मा, शोएब जमई बोले- तिहाड़ की खिचड़ी खाकर आए हैं

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीख घोषित हो चुकी है। 5 फरवरी को मतदान होगा और 8 फरवरी को चुनाव के परिणाम घोषित किए जाएंगे। इस आम आदमी पार्टी, भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने आ चुकी है। इस बीच आम आदमी पार्टी द्वारा एक पोस्टर सोशल मीडिया साइट एक्स पर जारी किया गया है। इस पोस्टर में अरविंद केजरीवाल ने विरोधी पार्टियों के नेताओं की तस्वीर को लगाते हुए लिखा, 'एक तरफ निकम्मों की कतार, दूसरी ओर अकेला खड़ा ईमानदार।' इस तस्वीर पर अब एआईएमआईएम दिल्ली के अध्यक्ष शोएब जमई ने बयान देते हुए अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। शोएब जमई ने वीडियो जारी करते हुए कहा, 'निकम्मों की कतार कौन है मैं बताता हूं। अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन ये सब तिहाड़ जेल की खिचड़ी खाकर आए हैं। किसी क्रांतिकारी काम के लिए ये अंदर नहीं गए। बल्कि भ्रष्टाचार, शराबखाने खोलने और करोड़ों रुपये डकारने के आरोप में अंदर गए। दूसरी ओर असदुद्दीन ओवैसी हैं, जिन्होंने हैदराबाद में विकास कार्य किए। उनके ऊपर कौन से भ्रष्टाचार के आरोप हैं, कुछ भी नहीं। कौन है निकम्मा, किसकी है निकम्मों की कतार। निकम्मों की कतार में आम आदमी पार्टी के आधे नेता तो लाइन में लगे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'तुम्हारे निकम्मेपन की वजह से दिल्ली का यह हाल है कि दिल्ली गैस चेंबर बन गया। अरविंद केजरीवाल तुम्हारे निकम्मेपन की वजह से दिल्ली की बेटियां सुरक्षित नहीं है। आपके निकम्मेपन की वजह से दिल्ली के अंदर सड़के टूटी पड़ी हैं और अवसंरचना खत्म हो गया है। आपके निकम्मेपन की वजह से मुसलमान बस्तियों में गंदगी का ढेर पड़ा है। अरविंद केजरीवाल के निकम्मेपन की वजह से वक्फ बोर्ड की जमीनें दिल्ली के अंदर लूट ली गई। अरविंद केजरीवाल के निकम्मेपन की वजह से शाही ईदगाह की जमीनों को लूट ली गई। असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ बोलने से पहले जुबान संभाल के रखिएगा। हैदराबाद जाकर देख लीजिए कि वहां कितना काम किया जाता है। इसलिए तुलना बिल्कुल भी नहीं हो सकता। जनता इस बार अरविंद केजरीवाल के निकम्मेपन का जवाब दिल्ली की जनता देगी।'

लापता बुजुर्ग को बाघ ने मार डाला, वनकर्मियों ने 20 घंटे चलाया सर्च अभियान; छह किमी दूर मिला शव

नैनीताल, 11 जनवरी (एजेंसियां)। रामनगर वन प्रभाग के क्यारी गांव से सटे जंगल में एक बाघ ने बुजुर्ग की जान ले ली। लापता बुजुर्ग की तलाश की जा रही थी। वन कर्मियों को 20 घंटे तक चले सर्च अभियान के बाद उनका शव घटनास्थल से छह किलोमीटर दूर मिला। गांव में ही पोस्टमार्टम किया गया। उसके बाद पैतृक घाट पर उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। जंगल में घास लेने गए क्यारी गांव निवासी पत्रकार दीप बेलवाल के पिता भुवन चंद्र बेलवाल (60 वर्ष) को बाघ ने अपना निवाला बनाया। लापता होने के बीच उन पर बाघ का हमला होने की आशंका के बीच बृहस्पतिवार शाम ही सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। रात में अभियान रोक दिया गया था। शुक्रवार सुबह सात बजे वन विभाग ने ग्रामीणों की मदद से फिर से सर्च अभियान चलाया। घटना स्थल से करीब छह किलोमीटर दूर पहाड़ी पर भुवन चंद्र का शव बरामद हो गया। उसी वक्त बाघ शव से कुछ दूर पर ही था, लिहाजा वन विभाग और ग्रामीणों ने शोर मचाकर उसे भगाया। सुबह नौ बजे बरामद शव को गांव तक ले जाने में डेढ़ घंटे से ज्यादा का समय लगा।

कोच, क्लासमेट और 64 हैवान पड़ोसी, 4 साल तक लड़की से दरिंदगी, रुह कंपा देगी कहानी

कोच्चि, 11 जनवरी (एजेंसियां)। केरल से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला खिलाड़ी ने अपने साथ हुई दरिंदगी की घटना का दावा किया है। पीड़िता का आरोप है कि 4 साल में उसके साथ 64 लोगों ने यौन उत्पीड़न किया। 2 महीने पहले ही पीड़िता 18 साल की हुई है। उसके आरोपों से राज्य में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने युवती के आरोपों पर केस दर्ज किया है। ये मामला केरल के पथानामथिट्टा का है। पुलिस ने इस मामले में पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। छठा आरोपी पहले से ही जेल में है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित लड़की नाबालिग थी और दो महीने पहले वह 18 साल की हो गई। पथानामथिट्टम की बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष राजीव एन ने कहा है कि लड़की ने पहली बार स्कूल परामर्श सत्र के दौरान यौन शोषण के बारे में बात की थी। बाल कल्याण समिति के हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

परामर्शदाताओं ने बाल कल्याण समिति से संपर्क किया है। टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के मुताबिक, पीड़ित लड़की एक खिलाड़ी है और पथानामथिट्टा में खेल शिविरों सहित विभिन्न स्थानों पर उसका यौन शोषण किया गया। उसका आरोप है कि कोचों, सहपाठियों और स्थानीय निवासियों ने उसका यौन शोषण किया। जिले के विभिन्न थानों में पॉस्को एक्ट के तहत अपराध दर्ज किये गये हैं। पथानामथिट्टम के जिला पुलिस प्रमुख इन सभी मामलों की जांच पर नजर रखे हुए हैं। पुलिस ने बताया कि पीड़ित लड़की के पास अपना मोबाइल फोन नहीं है। वह अपने पिता का मोबाइल फोन इस्तेमाल कर रही थी। पुलिस ने बताया कि उसने इस फोन में उसे परेशान करने वाले 40 लोगों के नंबर सेव कर रखे थे। पीड़ित लड़की ने जो बताया उसे सुनकर बाल कल्याण समिति के सदस्य सन्न रह गये। क्या आरोप सच हैं? यह जानने के लिए लड़की ने एक मनोचिकित्सक के साथ काउंसलिंग सेशन किया।

केरल का चौंकाने वाला मामला

इस मामले में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें एहसास हुआ कि यह एक अलग मामला है। इसमें एसपी से जांच पर नजर रखने को कहा है। केरल का ये मामला चौंकाने वाला है। पुलिस की जांच में और भी कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आ सकते हैं। महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को रोकने के लिए सख्त कानून बनाए गए हैं। हालांकि, अभी भी ऐसी घटनाएं कम नहीं हुई हैं।

आस्था और संस्कृति का प्रतीक : महाकुंभ

अतुल कुमार

महाकुंभ को भारतीय अध्यात्म का महत्वपूर्ण भाग माना गया जो 12 वर्षों में एक बार आता है . यह गहरी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर है जिसमें भाग लेना सौभाग्य माना गया . इसे सबसे प्राचीन और विशाल संख्या में भक्तों के समागम का पावन अवसर माना गया . जिसमें देश विदेश से श्रद्धालु पधार अपनी भक्तिमय श्रद्धा को अर्पित करते हैं .

महाकुंभ सिर्फ एक भौतिक स्नान के रूप में नही बल्कि आध्यात्मिक उत्सव के रूप में देखा जाता है जिसमें स्नान करने से सारे पाप धुलने और आत्मिक शुद्धता की प्राप्ति होती है . जिससे अमृत जैसा अनुभव होता है . देश में 4 कुंभ यानी प्रयागराज , हरिद्वार , नासिक और उज्जैन में होते हैं . 12 साल के अंतराल में इनका आयोजन होता है .इन चार स्थानों पर प्रत्येक तीन वर्ष के अंतराल मे होता है 12 बार कुंभ का आयोजन होता है तब महाकुंभ का आयोजन होता है जिसे सबसे पवित्र माना गया जो 45 दिनों तक चलता है . महाकुंभ में आने वाले तीर्थ यात्रियों की बोलियां ,पहनावा और खान पान भले ही अलग अलग हों लेकिन सभी का उद्देश्य सिर्फ एक पुण्य से भरी डुबकी लगाना होता है .मान्यतानुसार इस एक डुबकी के कारण सारे पूर्व और इस जन्म के पाप नष्ट हो जाते हैं .

कुंभ मेला दो शब्दों के मेल से बना है कुंभ नाम अमृत के अमर कलश से लिया गया . जिसके लिये देवताओं और राक्षसों के बीच लडाई हुई मेला जैसा कि विदित है संस्कृत शब्द है जिसका मतलब है एकत्रित होना या मिलना है .कुंभ मेले का स्थान उस अवधि में विभिन्न राशियों में सूर्य ,चंद्रमा और बृहस्पति की स्थिति के अनुसार तय किया जाता है . मेले का पहला लिखित प्रमाण भागवत पुराण में और बाद में चीनी यात्री व्हेन त्सांग के वर्णनों में मिलता है ,जो हर्षवर्धन के शासन काल 629 – 645 में भारत आये थे .

कुंभ मेला समाज में शुद्धता ,समानता भाई चारे और दिव्यता की भावना को बढावा देता है .वास्तव मे यह सामाजिक एकता का प्रतीक है इस एकता में सामाजिक समरसता की भावना होती है बल्कि इसमें भारतीय संस्कृति के मूल्यों की अभिव्यक्ति समायी होती है . कहा भी गया है कि जीवन सिर्फ मटेरियलिस्टिक सुखों के लिये नहीं है बल्कि आत्मा के शुद्धिकरण और ज़िंदगी के ऊंचे आदर्शों पर जीने के लिये है . यहां सभी भौतिक चिंताओं को त्याग आत्मा के उत्थान और मानवता की सेवा के लिये आते हैं . महाकुंभ सब समान सबका सम्मान का पर्व है ध्यान रहे ! हम सभी एक ही ब्रह्मांड के अंग हैं और हमारी ज़िम्मेदारी है कि एक दूसरे का सहयोग करें और सुख दुख में भागीदार बनें महाकुंभ की सबसे बडी शिक्षा है कि सच्ची पूजा वही है जो एक दूसरे के कल्याण के लिये काम करे. यह सिखलाता है कि हज़ारों साल से चली आ रही पुरानी आस्थाएं सामाजिक ,सांस्कृतिक और पर्यावरणीय जीवन को भी प्रभावित करती हैं . पौराणिक प्रसंगानुसार देवताओं और राक्षसों के बीच समुद्र मंथन हुआ हुआ ये कि ऋषि दुर्वासा ने देवताओं को श्राप दिया जिससे वह कमज़ोर हो गये राक्षसों ने इसका फायदा उठा कर देवताओं को पराजित कर दिया जिसके बाद सभी देवता भगवान विष्णु के पास मदद मांगने गये भगवान विष्णु ने कहा कि अमृत पाने के लिये समुद्र

मंथन करना होगा.अमृत अर्थात ऐसा पेय जिसको पीने से देवता फिर से शक्तिशाली हो जाएंगे . तब देवताओं ने राक्षसों को मना लिया कि चलो फिर मिल कर समुद्र मंथन करते हैं . राक्षस पहले मिले अमृत की अकड व इसे और अधिक पाने के लालच में मान गये जब समुद्र मंथन हुआ तो कई चीज़ें निकलीं जैसे कामधेनु गाय , भयानक विष जिससे सृष्टि का विनाश हो सकता था तब भगवान शिव ने उस विष को कंठ में रख संसार की रक्षा की .

अंत में अमृत कलश निकला राक्षस और देवता दोनों इसे पाने के लिये झगडने लगे इस बीच भगवान इंद्र के बेटे जयंत ने अमृत कलश उठाया और वहां से भाग गये राक्षसों ने जयंत का पीछा किया इस दौरान राक्षसों और देवताओं के बीच 12 दिनों तक युद्ध हुआ जयंत अमृत कलश को ले भागते रहे और इसी दौरान अमृत की कुछ बूंदें पृथ्वी के चार स्थानों प्रयाग राज , हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में गिरीं अतः इन स्थानों को पवित्र मान वहां कुंभ मेले का आयोजन किया जाता है अब सवाल है कि यह हर 12 साल में ही क्यों होता है ? शास्त्रानुसार जयंत को अमृत कलश ले कर स्वर्ग पहुंचने में 12 दिन लगे देवताओं का एक दिन पृथ्वी के एक साल बराबर होता है इसलिये कुंभ मेला 12 साल के अंतराल पर होता है जो आस्था संस्कृति और परंपरा का संगम है . कुंभ का शाब्दिक अर्थ होता है घडा लोक जीवन के प्रत्येक शुभ काम में कुंभ की स्थापना होती है कलश के मुख में विष्णु ,ग्रीवा में शंकर और मूल में ब्रह्मा को माना गया . अमृत की जिजीविषा के चलते महाकुंभ के आयोजन होते हैं जिससे विविधता और लोकतंत्र मूर्तिमान होते हैं . स्वयं विष पी दूसरों को .अमृत देने की कितनी भव्य मिसाल भगवान शिव ने रखी सोचिये ! इसलिये दूसरों को अमृत देने का मार्ग प्रशस्त करने को शिव परंपरा कहा गया . यही जीवन का सत्य ,यही शिव और यही सुंदरम भी है .गंगा ,यमुना और सरस्वती के पवित्र जल में डुबकी को शरीर , और आत्मा की शुद्धि माना गया .ज्ञान और सद्विचार को मन की शुद्धि और दान को धन की शुद्धि माना गया .

कुंभ मेला 4 प्रकार का होता है . कुंभ मेला, अर्धकुंभ,पूर्ण कुंभ और महाकुंभ अर्ध कुंभ 6 वर्षों में एक बार होता है यह केवल हरिद्वार और प्रयागराज में होता है पूर्ण कुंभ 12 साल में एक बार वहीं प्रयागराज में 12 पूर्ण हो जाते हैं तब महाकुंभ का आयोजन प्रयाग राज में होता है . इस बार होने वाला महाकुंभ 144 वर्षों के बाद हो रहा है . शास्त्रों द्वारा महाकुंभ को मोक्ष प्राप्ति का अवसर भी माना गया .यह आध्यात्मिक उन्नति का अवसर प्रदान करता है . शास्त्रानुसार महाकुंभ के दौरान पवित्र नदियों का जल अमृत बन जाता है.

इसलिये इसमें डुबकी लगाने को पवित्र ,पावन और पुण्य माना गया . जल को जीवन का ज़रूरी स्रोत ही नहीं बल्कि जीवन का अमृत तुल्य पेय माना गया यह जीवन को तृप्ति और प्यास बुझाने का मुख्य आधार है . शरीर में 70 % जल है जिससे जीवन संचालित होता है . महाकुंभ की डुबकी मन के मैल को दूर करती है . जिससे मन की शांति होती है . मान्यता है कि त्रिवेणी संगम के जल को लाने से घर में खुशियां आती हैं और नकारात्मक ऊर्जा खत्म होती है और पासिटिव एनर्जी बढती है जिससे मनुष्य कल्याण , सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक चिंतन को प्रबलता प्राप्त होती है यही महाकुंभ का निहितार्थ है जो हमारी आस्था और संस्कृति का प्रतीक है .

काव्य कुंज

मज़बूरी

डॉ डी डी देसाई

उगती हुई सूरज की किरणों ने
आज एक किसान के पैर छुए हैं।
खेतों में मेहनत कश मजदूर के नहीं,
पेड़ पर लटकी लाश के पैर छुए हैं।
फंदे में लटकते ज़बानदार चेहरे से,
दर्द को भाम्पना आसान न था।
बुढ़ापे का नहीं मजबूरियों का दर्द,
मेहनत का नहीं...अकाल का दर्द।
फटेहाल जिंदगी को सीते सीते...
लहूलुहान हथेलियों का उभरा दर्द था।
बदहवासी में पसरा बालक एक ओर,
दूसरी ओर एडियाँ घिसती पत्नी के आँसू सूखे थे।
पति की मौत का गम एक तरफ..
दूसरी ओर परिवार के उदर निर्वाह की चिंता..
शायद जादा दर्दनाक रहेगी।
बच्चों के भरण पोषण की चिंता चुभेगी..
कर्जे की तलवार लटकती रहेगी।
अब मुश्किलों भरी दिशाएँ भाग्य में
गर्दन उठाऊँ तो कैसे...?
किसान को उसकी किसानी ने तोड़ा..
मेहनतकश को अकाल ने तोड़ा।
किसी मज़बूरी ने एक मजदूर को तोड़ा
भूखे नंगे को क्या मान और क्या अपमान...?
किसान को न जाने किस सोच ने तोड़ा हैं।
संसार की मोहमाया से दूर...
पल भर में मुक्ति पाने को अधीर हुए हैं।
उगती हुई सूरज की किरणों ने
आज एक किसान के पैर छुए हैं।
खेतों में मेहनत कश मजदूर के नहीं,
पेड़ पर लटकी लाश के पैर छुए हैं।

वे आजाद हैं

डॉ टी महादेव राव

वे हर मौके को भुनाने को आजाद हैं
मैयत में भी फायदा उठाते उस्ताद हैं
कुछ किए बिना कल्याण किसी का भी
बातों का मायाजाल फेंक फेंक आबाद हैं
परिवारवाद का बाण उन्हीं पे चल गया
गाली उल्टी पड़ी तो उन्हें बहुत खल गया
सच के आईने में देखने से कतराते हैं वो
उनके सिवा सारे झूठे हैं नारा बदल गया
मुंह से गालियां मोतियों सी झरती हैं
वे अकेले आसमा बाकी सारे धरती हैं
हर जगह हर पल उन्हें ही देखना होगा
सारे कड़वे केले और सिर्फ वे इमरती हैं
आना उनका बस सारा नया इतिहास हो गया।
उनकी बात हर एक जुमला उपन्यास हो गया।
उंगलियां उठा उठा के कोसते हैं तैश में आकर
झूठ की ऐसी पेशकश कि सच का सन्यास हो गया।।

हौसलों के इरादों को बनाए रखना

संजीव ठाकुर, रायपुर

दिमाग कहता दुनियादारों से बनाए रखना,
दिल कहता फकीरों से बनाए रखना।
लोग सफलता को पचा नहीं पाते है ।
बस दूरी तुम अमीरों से बनाए रखना।
धूप बहुत तेज होती है सफर में हमारे,
तुम छायादार सजरों को सजाये रखना।
हादसों से हौसले पस्त तो होंगे ही
हौसलों के इरादों से बनाए रखना,
जिंदगी एक ख्वाब की तरह है दोस्त,
रिश्ता गम के किरदारों से बनाए रखना।
जो वादा करके भूल जाते हैं हमेशा,
दूरियां ऐसे नक्कारों से बनाए रखना।
दुनिया भी एक बड़ा रंगमंच है प्यारे,
तुम मंच के किरदारों से बनाए रखना।
गमों को जो भुला दे पल भर में संजीव,
तुम भी ऐसे मयखानों से बनाए रखना।

संक्रांति

टी तारासिंह
हैदराबाद

बादल तो रोज रहते सफेद, लाल ओर निला
आज बादल भरा पडा है रंग बिरंगी पतंगो से
भारतवासी आज मना रहे है पोंगल के त्योहारे
पहला दिन होता भोगी त्योहार का
दूसरा दिन संक्रांति को मनाते ओर
तीसरे दिन कनूमू को मनाते
संक्रांति को नया फसल निकालते
फसल की , अन्नपूर्णा की पूजा करते
पूजा मे अपने ओर मित्रो को बुलाते
घर मे तरह-तरह व्यंजन बनाकर
त्योहार का भरपूर आनंद लेते ।।

पर्व संक्रांति

दर्शन सिंह
हैदराबाद

आशा व विश्वास से सिंचित है
पर्व संक्रांति
हर्ष व उल्लास से अमोदित
पर्व संक्रांति
ऐश्वर्य व अभ्युदय से आह्लादित है
पर्व संक्रांति
वैभव व सम्पन्नता से उल्लासित है पर्व संक्रांति
आभा से आलोकित है पर्व संक्रांति
अदभुत गुरूता से अनुग्रहित है पर्व संक्रांति
इंसानियत से प्रफुल्लित है पर्व संक्रांति
हैवानियत से विस्मृत है पर्व संक्रांति
रंगोली से पुलकित है पर्व संक्रांति
इंद्रधनुषी पतंगों से प्रहर्षित है पर्व संक्रांति
रंग बिरंगे परिधानों से आभूषित है पर्व संक्रांति
विविध व्यंजनों से सुसज्जित है पर्व संक्रांति
रमणीय व अद्वितीय है पर्व संक्रांति
विस्मित व प्रशंसनीय है पर्व संक्रांति
प्रेरणीय व उल्लेखनीय है पर्व संक्रांति
संस्मरणीय व अविस्मरणीय है पर्व संक्रांति ।।

स्वामी विवेकानंद

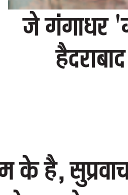

जे गंगाधर 'गंध'
हैदराबाद

सादर वंदे,
स्वामी विवेकानंद,
जयंती पर।
विवेकानंद
भारत की है शान
औ' पहचान।
विवेकानंद
सत्य सनातन संत
ख्याति अनंत।
विवेकानंद धर्म अध्यात्म के है, सुप्रवाचक।
विवेकानंद युवाओं के प्रणेता सुबोध दाता।
विवेकानंद सभ्य समाज पथ दिया सुपंथ।

काव्य

हेमंत सुराना,
उदयपुर

अमीरों के चेहरे पर मुस्कान नहीं
गरीबों के चेहरे पर थकान नहीं
मुस्कान किसी की गुलाम नहीं
मांगी हुई खुशियों से
किसी का भला नहीं
अपनी नजर में सही हो,
दुनिया की परवाह नहीं
चाहे दुश्मन हजार हो, तुम सही तो झुकना नहीं
विश्वास का दर्पण तोड़ो तो पहले जैसा रूप नहीं
दर्पण फिर से जोड़ो तो पहले जैसा अक्स नहीं
आपको कौन चाहता है यह कोई मायने नहीं
अहमियत और सम्मान के बिना चाहत नहीं
दूसरों की बात सुनकर रिश्ते करो खराब नहीं
रिश्ते अपने होते हैं दूसरों के नहीं
ना मिले जीत तो कोई बात नहीं
लक्ष्य से विचलित होना नहीं
जिंदगी में रूकावटों से डरना नहीं
जीवन एक परीक्षास्थल से कम नहीं
'रुतबा' रियासत और जायदाद से नहीं
स्वाभिमान और ज़मीर के बिना 'रुतबा' नहीं ।

संक्रांति: एक खनक- एक धनक

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

उसकी आवाज़ में है चूड़ियों की खनक,
उसकी चाल में है,पायल की झनक,
धानी चुनर का आंचल है हरियाली,
हर मन को मोह ले,वो ऐसी है निराली।
मकर राशि में प्रवेश करते ही,
सूर्यदेव से होती है जिसकी संक्रांति।
पंछियों का कलरव है, उसका संगीत,
बिजली सी चंचला, मेघों सी अधीर,
उसकी हर बूंद अमृतसम,
जैसे सीप में छुपे मोती की सरगम।।
चांद और सूरज है उसके आभूषण,
समंदर सा घना है उसका आकर्षण,
झरनों -नदियों का कल-कल है घर्षण,
है उससे सृष्टि का , अमूल्य कण-कण।।
नाम है सुंदर 'प्रकृति'जिसका,
है अनुपम, अद्वितीय, मनभावन,
जीवन का है, ये अद्भुत स्पंदन,
प्रेरणास्रोत है, हर पल- हर क्षण,
संक्रांति से मुखरित होकर,
मुखरित करती जनमानस का तन मन।।

पूस का महीना

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

ये पूस का महीना।
बड़ा जालिम है ना।
कड़ाके की ठंड में,
घुसे रजाई में ना।
मन न करे नहाने को।
न पलंग से उतरने को।
अदरक वाली चाय।
कोई पिलादो रे भाई।
स्कूल जाना नहीं है। ऑफिस जाना नहीं है।
घर में ही बैठकर, खाना पीना यहीं है।
नरमा नरम धूप में। सिंकाई है करनी।
छत पर बैठकर ही, पढ़ाई है करनी।
गरमा गरम पकौड़े। दे दो मां छत पे लाके।
खुश होंगे बहन भाई, मिलजुल सब खाके।
ये गूंद के लड्डु। ये गाजर का हलवा।
ये खोपरा की चक्की। सब दिखाए है जलवा।
घेवर फिनि की मिठाई। मुंह में पानी है लाई।
ये हरी हरी बूट। ये पापड़ी मलाई।
ये छिलकों वाली फली। ये मीठे मीठे रतालू।
ये पण्डु मिर्ची और इमली। चटनी बनाने दादी चली।
ड्राई फ्रूट खाओ। सेहत बनाओ।
पसीने से बाहर निकले। तिल के लड्डू चबाओ।
***

विषय भयभीत करते...

ओमकार सर्डिवाल,
हैदराबाद

परीक्षा का भय मुझ को लगता,
कुरुक्षेत्र का दंगल लगता।
भयभीत करते विषय योद्धा,
बिन हथियार मैं मुझको पाता।।
दुर्योधन जैसा गणित लगता,
कुछ समझ में मुझको ना आता।
समझने की कोशिश करता,
हर दाव नया नित लगता।
भाषा तो विधुर का ज्ञान लगता,
सब कुछ समझ तो आ जाता।
किंतु,परंतु के सवालों में उलझ जाता,
जितना याद किया उतना भूल जाता।।
समाजशास्त्र का तो क्या है कहना,
भीष्म पितामह जैसी विवशता का लगना।
सब अपने होते ना कोई पराया,
समय पर सारा ज्ञान धरा रह जाता।।
जीव विज्ञान की सूक्ष्मदर्शिता,
गुरु द्रोण कि वह चक्रव्यूह रचना।
एक-एक चक्र में एक-एक महारथी,
कुछ अपने पल्ले पड़े तो कुछ लिख पाता।।
भौतिक शास्त्र की माया नगरी,
शकुनी मामा-सी हर चाल लगती।
किसे-किस से भिड़ाऊ यह जान पाता,
जितना प्रयोग करूं उतना सफल पता।।

धुँध

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

प्रकृति की माया, धुँध है छाया,
क्या देखें,दिखे न अपना ही साया,
सोच रहे कैसे पाएंगें मंजिल ,
इस धुँध में रास्ते अटक गए हैं।
कुछ दिन को हम सटक गए हैं।।
जाना है,पर जाना आसान नहीं ,
लगता है आ गया आसमान यहीं,
आज रवि किरणों की अहमियत
इस धुँध में रास्ते भटक गए हैं।
कुछ दिन को हम सटक गए हैं।।
बढ़ती ठंड की कुछ छटा निराली,
चाहिए गरम-गरम चाय की प्याली,
रजाई से निकलने का मन करे ना
अब जरूरी काम अटक गए हैं।
कुछ दिन को हम सटक गए हैं।।
यह धुँध कुछ दिन की, छंट जाएगी,
पर मन की धुँध कब मिट पाएगी,
बाहर धुँध है, मन अंदर धुँध है
मन धुँध से सपने सारे खटक गए हैं।
कुछ दिन को हम सटक गए हैं।।
मन धुँध को जब साफ किया तो,
सबके संग जब इंसाफ किया तो,
सब कुछ साफ नजर जो आया
तब जीवन के रंग मटक गए हैं।
कुछ दिन को हम सटक गए हैं।।

अपने हो न पाए

संजय एम.
तराणेकर, इंदौर

अपने होकर भी जो अपने हो न पाए,
चुभते होंगे कांटे रात भर ना सो पाए।
कभी गिरेबा में भी झाँक लिया करों,
रिश्तों के समुन्दर में नहा लिया करों!
हुई गलतियाँ माफ़ी माँग लिया करों।
अपने होकर भी जो अपने हो न पाए,
चुभते होंगे कांटे रात भर ना सो पाए।
अपनों को कैसे भूल जाया करते हो,
बेगानों को ही गले लगाया करते हो!
ऊपरी दिखावे से बहलाया करते हो।
अपने होकर भी जो अपने हो न पाए,
चुभते होंगे कांटे रात भर ना सो पाए।
अब कब तक परिपक्वता ना आएगी,
सेवानिवृत्ति भी तो गले में पड़ जाएगी!
अब भी थाम लो रिश्तों को लहराएगी।

जाए अब किस ओर

सत्यवान सौरभ

दीये से बाती रुठी,
बन बैठी है सौत।
देख रहा मैं आजकल,
आशाओं की मौत।।
अपनों से जिनकी नहीं,
बनती 'सौरभ' बात।
ढूँढ रहे वह आजकल,
गैरों में औक़ात।।
चूल्हा ठंडा है पड़ा, लगी भूख की आग।
कौन सुने है आजकल, मजलूमों के राग।।
देख रहें हम आजकल, ये कैसा जूनून।
जात-धर्म के नाम पर, बहे खून ही खून।।
धूल आजकल फांकता, दादी का संदूक।
बच्चों को अच्छी लगे, अब घर में बन्दूक।।
घूम रहे हैं आजकल, गली-गली में चोर।
खड़ा-मुसाफिर सोचता, जाए अब किस ओर।।
नेता जी है आजकल, गिनता किसके नोट।
अक्सर ये है पूछता, मुझसे मेरा वोट।।

याद आती है मां की वो रोटी

पूजा महेश
हैदराबाद

बहुत याद आती है मां के हाथ की
वो चूल्हे पर सिकी रोटी
वो रस बस कर पतीली में
दाल का बनाना
वो रसोई में बैठ कर ही
आपस में बतियाना
वो चटपटी चटनी सिलबट्टे पर पिसी घोटी
बहुत याद आती है+++
वो सरसों का साग और बथुये का रायता
मुंह में पानी घोलता है आज भी हींग ज़ीरे का जायका
वो घी भरी रोटी होती थी कितनी मोटी
बहुत याद आती है
वो बाजारे की खिचड़ी और दाल का हलवा
छप्पन भोग से भी कम नहीं होता था जलवा
दही बड़े की दाल सुबह से पिसती धोती
बहुत याद आती है मां की वो रोटी।।

इस बार माधव भी नहीं है साथ

सुशील कुमार, हिसार

स्वागतम अभिनंदनम पार्थ!
संभाल लो अक्षय तूणीर
चढ़ा लो गांडीव की प्रत्यंचा।
एक नई महाभारत लड़ने को
गूंजवा दो पाञ्चजन्य चहुं ओर।
है स्वर्णबेला रक्त लालिमा लिए।
कालयवन मुंह बाए है खड़ा
नीरनिधि दावानल सा धरकर
रूप, कि
निमेष भर मिल जाए मुझको अवसर
कहीं टूट न जाए दंभ, झुक जाए विजय पताका।
कालचक्र हुआ परिवर्तित।
कौरव नहीं है सामने इस बार
सब्सक्राइब होने को नंग धड़ंग फिरे कामिनी
शेयर लाइक का प्रलोभन
कर रहा सबको शर्मसार
व्यू के लिए वायरल होने को
तुम भी ना जाना कही घिर।
चक्रव्यूह रोज नए-नए।
सकला समता सहज नहीं अब
आत्म सर्वोपरि, अपर पर गिरे शिखर
छल प्रपंच प्रगाढ़ संबंध, मृदु सरल अब कोसों दूर
अल्पमुद्रा में ईमान बेचने को,
पलभर में पलट लें पाला।
इसलिए हो सजग
रहकर सतर्क। क्योंकि..
अरिदल व्यूह रचे हैं खड़े
चूक थोड़ी सी पड़ जाएगी भारी
एक अकेले इनसे पाना इतना नहीं आसान
सोच लेना,समझ लेना, इस बार माधव भी नहीं है साथ।

कई बेघर और गुलाम हैं

कैसे आज़ादी मानऊं, कई बेघर और गुलाम हैं
आबरू जान और माल की लूट सरे आम है
महंगाई बेरोजगारी से त्रस्त आम आदमी है
बेचैनी डर हर घड़ी, किसे चैन और आराम है
ये आज़ादी ये हुकूमत ये दौर हाय तौबा तौबा
कहीं सूखी रोटी नहीं, कहीं काजू बादाम है
लाचारी भुकमरी जुल्म भ्रस्टाचार है हर सू
ईमानदारी का सिला, ठोकरें अब ईनाम है
रंग और लिबास आला पर चाल ढाल वही है
आदतें जो नहीं होनी थी, अब वो तमाम हैं
जात पात की सिआसत में बंट गए कट गए
खुदगर्ज़ गद्दारों से वतन हुआ बदनाम है
वतन के माथे पर कालिख मलने में' नरेश'
शामिल दो चार नहीं, कई खास और आम हैं ।।

नरेश हमिलपुरकर, बिदर

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications. Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

रामलला को बचाने वाले पुजारी

बाबरी ढही तो मूर्ति लेकर भागे, 100 रुपए सैलरी में जान दांव पर लगाते थे

'6 दिसंबर, 1992 की तारीख। कारसेवकों ने बाबरी मस्जिद के 2 गुंबद गिरा दिए थे। मैं बीच वाले बड़े गुंबद के नीचे रामलला की रखवाली कर रहा था। गुस्साए कारसेवक इस गुंबद पर भी चढ़ गए और उसे तोड़ने लगे। गुंबद के बीचोबीच बड़ा सुराख हो गया। ऊपर से रामलला के आसन पर मिट्टी और पत्थर गिरने लगे। उस वक्त मंदिर में मेरे साथ पुजारी संतोष और चंद्र भूषण थे।' 'हमने तय किया कि रामलला को यहां से लेकर निकलना पड़ेगा। मैं रामलला, भरत और शत्रुघ्न भगवान की मूर्तियां लेकर दौड़ा। संतोष लक्ष्मण जी और चंद्रभूषण भगवान के कपड़े-गहने लेकर दौड़े। देखते ही देखते कारसेवकों ने ढांचा ढहा दिया। तब तक हम अपने भगवान को सुरक्षित जगह पर लेकर पहुंच गए थे।'

32 साल पुराना ये किस्सा सुनाते हुए रामलला के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास भावुक हो जाते हैं। सत्येंद्र दास 1992 से लेकर अब तक रामलला का ख्याल रख रहे हैं। भगवान के खाने से लेकर पहनने के कपड़े, पूजा-आरती और खिलौनों तक हर चीज का ध्यान वही रखते हैं।

22 जनवरी, 2024 को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद यहां के पुजारियों की जिम्मेदारियां भी बढ़ गई हैं। रामलला के साथ अब 6 साल के बालक राम भी हैं। लिहाजा अब पुजारियों की ड्यूटी का टाइम 8 से 10 घंटे हो गया है। काम बढ़ा तो उसी हिसाब से सैलरी भी बढ़ाई गई है। सबसे पहले रामलला के पुजारियों को जानते हैं।

पुजारी सत्येंद्र दास

अयोध्या में हनुमान गढ़ी मंदिर है। यहीं दिगंबर और निर्मोही अखाड़ों की तरफ जाने का रास्ता है। संकरी सी गली में राम मंदिर के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास का घर है। दरवाजे पर 100 से ज्यादा बंदरों के बीच पुजारी सत्येंद्र दास बैठे मिले। वे बंदरों को उबले चने खिला रहे थे। 87 साल के सत्येंद्र दास अयोध्या के नहीं हैं। उनका जन्म यूपी के संत कबीरनगर में हुआ। 1949 में पहली बार पिता अभिराम दास के साथ राम जन्मभूमि आए थे। 9 साल बाद यानी 1958 में वो अयोध्या में रहने लगे। यहीं से पढ़ाई पूरी की और आजीवन संन्यासी रहने का फैसला किया। सत्येंद्र दास कहते हैं, 'पिताजी को पता चला कि मैं संन्यासी बनना चाहता हूं तो वे खुश हुए। उन्होंने मेरा फैसला मान लिया। 1992 में मंच के लाउड स्पीकर पर अनाउंस हुआ- रामलला के लिए भव्य चबूतरा बनाया गया है। सभी कारसेवक सरयू से जल और बालू ले आइए। इसके बाद चबूतरे की धुलाई शुरू होगी। उस दिन जन्मभूमि पर इकट्ठा हुए ज्यादातर कारसेवक युवा थे। उन्हें ये बात अच्छी नहीं लगी। कारसेवकों ने कहा- हम यहां चबूतरा धोने नहीं आए हैं। हम ये नहीं करेंगे। इतना कहते हुए कारसेवकों ने जय श्री राम के नारे लगाए और बैरिकेडिंग तोड़ दी। कारसेवक विवादित ढांचे पर पहुंच गए और गुंबद तोड़ना शुरू कर दिया। सत्येंद्र दास की उम्र को देखते हुए उनके लिए नियमित मंदिर आकर पूजा करवाना जरूरी नहीं है। राम मंदिर ट्रस्ट ने उन्हें

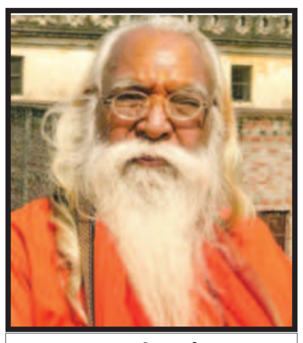
मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास

सेहत का ख्याल रखने और उसके मुताबिक मंदिर आने की राहत दी है। हालांकि उनके रिटायरमेंट की ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है।

पुजारीः संतोष तिवारी

सत्येंद्र दास के बाद रामलला की देखरेख का जिम्मा पुजारी संतोष तिवारी संभालते हैं। दोनों पुजारियों के बीच कई बातें एक सी हैं। दोनों की नियुक्ति 1 मार्च, 1992 को हुई। दोनों संत कबीरनगर के रहने वाले हैं। बाबरी ढहाए जाने की घटना पुजारी संतोष ने भी देखी थी। वे भगवान लक्ष्मण की मूर्ति बचाकर विवादित ढांचे से बाहर निकले थे। पुजारी संतोष कहते हैं, 'विवादित ढांचा गिरने से पहले हम सभी पुजारी भगवान को लेकर वहां से भागे थे। भागने में लक्ष्मण जी की मूर्ति जमीन पर गिर गई। मैंने बिना वक्त गंवाए मूर्ति उठाई और बाहर आकर उसे संघ कार्यालय में रखवा दिया। उस दिन ऐसा पहली बार लगा कि आज हमारा जय सिया राम (अंत) हो जाएगा। हम सब जैसे

ही मंदिर परिसर के बाहर आए, उसके 5 से 10 मिनट बाद कारसेवकों ने बड़ा गुंबद भी गिरा दिया, जहां रामलला विराज रहे थे। 32 साल में राम मंदिर में 10 से ज्यादा पुजारी बदले, लेकिन संतोष और सत्येंद्र अब तक रामलला की सेवा कर रहे हैं। अयोध्या में विभीषण कुंड के पास पुजारी संतोष का मकान है। वहां वे पत्नी सुभाषिनी और 3 बेटों के साथ रहते हैं। अनुभव को देखते हुए सत्येंद्र दास के रिटायरमेंट के बाद संतोष ही मुख्य पुजारी का काम संभालेंगे।

पुजारियों का रूटीन बदला

राम मंदिर में रामलला की सेवा के लिए इस वक्त 15 पुजारी हैं। भगवान के भोग से लेकर आरती तक सारे काम 4 सहायक पुजारी करते हैं। हाल ही ट्रेनिंग के बाद 10 नए छात्रों को राम मंदिर के पुजारियों की टीम में शामिल किया गया है। ये छात्र पुराने पुजारियों की मदद करते हैं। पुजारी संतोष कहते हैं, 'सुबह 4:30 बजे सबसे पहले भगवान की मंगला आरती होती है। इसके लिए सुबह 4 बजे मंदिर पहुंचना होता है। ये वो वक्त होता है, जब प्रभु सो रहे होते हैं। वे जाग न जाएं, इसलिए मंदिर में दबे पांव आना पड़ता है। बिना लाइट जलाए, कोई आवाज किए बगैर ही भगवान के आसन की साफ-सफाई करनी होती है। संतोष आगे बताते हैं, 'उन्हें छोटे बच्चे की तरह गुनगुने पानी से नहलाते हैं। फिर श्रृंगार करके हीटर के सामने आसन पर बैठाते हैं। अब रामलला के साथ खड़ी मुद्रा में बालक राम जी भी हैं। उनके आसन के पास खड़े होकर पुजारी उन्हें स्नान कराते हैं। साफ कपड़े पहनाकर उनका भी श्रृंगार होता है।' रामलला को खुरचन पेड़े का भोग लगाकर सुबह 6:30 बजे श्रृंगार आरती होती है। इसके बाद भोग आरती और आम दर्शन के लिए दोपहर 12 बजे तक मंदिर खुला रहता है। 12 से 1:30 बजे तक भगवान आराम करते हैं, इसलिए इस वक्त मंदिर बंद रहता है।' 'दोपहर 1:30 बजे से गर्भगृह के पट फिर खोले जाते हैं। शाम 7 बजे संध्या आरती होती है। फिर रामलला के सोने से पहले रात 9 बजे शयन आरती की जाती है। रात 9:30 बजे मंदिर बंद कर दिया जाता है। सुबह 4 बजे से रात 9:30 बजे तक मंदिर में दो पालियों में पुजारियों की ड्यूटी लगाई जाती है। इस बीच रामलला की 5 आरतियां होती हैं। इसमें 7 पुजारियों की ड्यूटी सुबह और 7 की शाम को होती है। 15-15 दिनों में ये ड्यूटी बदल जाती है। सुबह वाले शाम और शाम की शिफ्ट वाले पुजारी सुबह की आरतियां करवाते हैं।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद एक साल के अंदर 3 करोड़ से ज्यादा लोग राम मंदिर दर्शन करने आए। लोगों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए दर्शन का वक्त भी बढ़ाया गया है। इसलिए पुजारियों की ड्यूटी 13 से 16 घंटे हो गई है।

नया ड्रेस कोडः 27 दिसंबर 2024 को राम मंदिर ट्रस्ट ने पुजारियों के लिए नया ड्रेस कोड लागू किया। अब पुजारी पीली चौबंदी, धोती-कुर्ता और सिर पर पीले रंग की पगड़ी बांधते हैं। नई व्यवस्था के तहत पुजारियों के मंदिर के अंदर मोबाइल इस्तेमाल करने पर पाबंदी है। इसके अलावा वे किसी भी श्रद्धालु को तिलक-चंदन नहीं लगाएंगे। फिलहाल, किसी भी पुजारी को मीडिया से बात करने के लिए मना किया गया है।

पुजारी सत्येंद्र दास और संतोष तिवारी के अलावा रामलला के 3 और पुजारी हैं। इनमें बस्ती जिले के प्रेम चंद्र त्रिपाठी, गोंडा के अशोक उपाध्याय और संत कबीरनगर के प्रदीप दास हैं।

राम मंदिर रामानंद संप्रदाय का है। रामानंद का अर्थ है- राम को पूजने वाले। हिंदू परंपरा में वैष्णव, शैव, शाक्त, स्मार्त, वैदिक और चावार्क संप्रदाय हैं। वैष्णव संप्रदाय भगवान विष्णु के उपासक होते हैं। वैष्णव संप्रदाय का उप-संप्रदाय 'श्री' संप्रदाय है। ये 2 हिस्सों रामानंद और रामानुज में बंटा है। रामानंद संप्रदाय के लोग भगवान राम और सीता को पूजते हैं। इसी संप्रदाय से दीक्षा ले चुके छात्र राम मंदिर के पुजारी बन सकते हैं।

1992 से लेकर राम मंदिर का फैसला आने तक पुजारियों की नियुक्ति हाईकोर्ट के जज करते थे। इसके बाद 5 फरवरी 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट की घोषणा की। तब से मंदिर में पुजारियों की नियुक्ति ट्रस्ट करता है। ट्रस्ट इस बात का ध्यान रखता है कि उन्हीं पुजारियों को रखा जाए, जो रामानंद संप्रदाय से जुड़े हुए हों। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा कहते हैं, 'राम मंदिर के परिसर के अंदर 18 से 20 मंदिर और बन रहे हैं। दर्शन का समय भी 14 से 16 घंटे का हो गया है। इसे देखते हुए भविष्य में और पुजारियों की जरूरत पड़ेगी। राम मंदिर के लिए ऐसे पुजारी तैयार हों, जो प्रॉपर ट्रेनिंग के बाद रामलला की सेवा करें।'

देश की भावात्मक एकता का पर्व महाकुंभ

निरंकार सिंह

इस साल दुनिया का सबसे बड़ा मानव समागम का महाकुंभ पर्वोत्सव उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा, यमुना और अदृश्य त्रिवेणी के संगम पर 13 जनवरी से 26 फरवरी तक होगा। अनेकता में एकता का जीता-जागता प्रतीक पर्व है कुंभ मेला। लोक-पर्व होकर यह मेला सहस्त्रों वर्षो से जन-विश्वास का आधार बना रहा है। सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक चेतना से जुड़ा यह महाकुंभ पर्व, भारतीय सामाजिक-सांस्कृतिक अवधारणाओं का जीवंत प्रतीक है। कुंभ पर्व, देश की भावात्मक एकता का व्यावहारिक उदाहरण भी है। इन्हीं पर्वो-मेलों ने हमारी (राष्ट्रीयता) भारतीयता को प्राणवान बनाये रखा है। मनुष्य की उत्सवप्रियता की भावना ने ही सांस्कृतिक बोध से अपने को परिपुष्ट करते हुए, पर्व चेतना रूप में विकसित किया है। इसी अर्थ में कुंभ-पर्व एक राष्ट्रीय पर्व है। अमृत स्नान करते हुए अमृत पान करने का अनुभव, आत्म भाव से परिपुष्ट हो जाता है। हजारों वर्षो से चली आ रही कुंभ पर्व की इस सांस्कृतिक विरासत को हमारे देश के मनीषी चिन्तकों, पुराणकारों ऋषि-मुनियों, दार्शनिकों, धर्माधिकारियों अथवा साधु-सन्तों ने निष्ठाभाव के साथ लोकांचलों में निवास करने वाले पठित- अपठित साधारण जनों तक पहुँचाया है। इस पर्व भावना के पीछे जीवन्त आस्था और निष्ठा भाव ही कार्यशील रहा है। यह निष्ठा लाखों-लाख मनुष्यों की चेतना को सीमित 'स्व से निकालकर खुले मैदान में शीत-ग्रीष्म की चिंता न करते हुए सागर-नदियों के तटों पर खींचकर ले जाती रही है। सैकड़ों वर्षो की गुलामी के बावजूद यदि भारतीय संस्कृति या सभ्यता बची रही है तो इसलिए कि हमारी जीवन पद्धतियां

ऐसी रही हैं जो अपनी अस्मिता और अस्तित्व के लिए किसी केन्द्रीय आत्म सीमित राज्य सत्ता का मुह नहीं जोहतीं। यदि हमारी सभ्यता और संस्कृति हजारों वर्षो से जीवित रही तो किसी राज्य सत्ता के आतंक अथवा बल प्रयोग पर नहीं बल्कि उन सहज और जीवनदायी विष्वासों के कारण जो उन्हें इस भूमि पर एक साथ रहने की अर्थवत्ता और सुरक्षा प्रदान करते हैं।

भारत भूमि का यह खंड यदि पवित्र और महत्वपूर्ण है तो इसलिए कि वह बाकी विष्व से जोड़ता है। इसलिए नहीं कि वह उसे दूसरों से अलग करके भूगोल की राष्ट्रीय सीमाओं में बांध देता है। इसलिए इन विष्वासों के घेरे में जिस चेतना का विकास होता है। वह न षुद्ध रूप से राष्ट्रीय और न महज भौगोलिक, वह सीधे-सीधे अपनी प्राणवत्ता उन लगाओं से प्राप्त करती है, जो व्यक्ति के अहं का विस्तार न होकर अपने और दूसरे के बीच एक साम्य की मर्यादा निर्धारित करती है। विष्वासों की इन मर्यादाओं के परिवेष में ही एक मानव समूह की जीवन धारा, उसकी लय और लौ रूपायित होती है। यह उसकी सांस्कृतिक चेतना का मुख्य प्रेरणा स्रोत भी है। यह भावना भारत को या भारतीय सभ्यता को आधुनिक दुनिया के राष्ट्रों और राज्य-तंत्रों से अलग कर देती है। इसलिए हमारी संस्कृति या सभ्यता को गुलामी के कालखंड में नष्ट करने की तमाम कोषिषों के बावजूद हम ज्यों के त्यों खड़े हुए हैं। कुंभ या महाकुंभ जैसे पर्वोत्सव मेलों से भी हमें यहषक्ति प्राप्त होती रही है।

अचरज की बात है कि आधुनिक युग में भारतीय सभ्यता का अस्तित्व आज भी पष्चिम के लिए एक विडम्बना एक पहेली एक विरोधाभास जान पड़ता है। जीवन की चिन्तन-परम्परा की शोध में जब हम वैदिक साहित्य का अवगाहन करते हैं तो वहां भी हमें लोक जीवन में व्याप्त पर्व-उत्सवों में निहित जन विश्वास के मूल बीज बिन्दु अथवा सूत्र मिल जाते हैं। अथर्वेद के एक मंत्र में कहा गया हैः काल के ऊपर भरा हुआ कुंभ रखा है और वर्तमान रूप उस घड़े को हम अनेक प्रकार से देखते हैं। वह (काल), सब (भुवनानि) अस्मिता सत्ता वालों के सामने चलता है। उस काल को बुद्धिमान लोग अति ऊँचे (परममे व्यांमन) रक्षा-स्थान में बताते हैं। इसी प्रकार एक उल्लेख ऋग्वेद (-10/89/7) में भी हैं जहाँ इन्द्र-सूर्य या विद्युत, नवघट की तरह मेघों को भेदन करते हैं। अतः यह घट या अमृत घट इस काल रूप शून्याकाश अथवा महासागर में शरीर या मनुष्य जीवन रूप 'घट' की व्यंजना भी कराता रहा है। इस शरीर रूप घट में आत्म रूप अमृत तत्व विद्यमान माना गया है जिसको सद्-असद् भाव अपनी-अपनी आसक्ति मूलक लोभ मोहादि वृत्तियों से आच्छादित किये रहते हैं। किन्तु विचारवान मनुष्य शरीर रूप घट मे निहित जल (ब्रह्म) तत्व का साक्षात्कार करते हुए

नारायण रूप महासागर में व्याप्त अमृत तत्व का आचमन करता रहता है। कबीर ने भी शरीर रूपी घट में विद्यमान उस अमृत तत्व का महासागर अथवा शून्याकाश के रूप में ही साक्षात्कार किया है।

इस प्रकार घट में निहित अमृत तत्व की अनुभूति का विषय हो तो कुंभ-पर्व के रूप में अमृत पद प्राप्ति के लिए युग-युगों से भारतीय जन जीवन को आस्थाशील बनाये हुए है। कुंभ रूप इस लोक पर्व में भी 'मृत्योर्मामृतं गमय' की कामना, मरणशील मानव के मन को उद्धेलित एवं प्रेरित करती रही है। वही प्रेरणा, अनादि स्रोत सलिला सरिताओं के तट की ओर, भारतीय मन को सदा से आकर्षित करती रही है। इसी प्रेरणा से अभिभूत होकर लाखों की संख्या में आबाल, वृद्ध नर-नारी कुंभ पर्व के अवसर पर गंगा-शिप्रा अथवा गोदावरी नदियों के तटों पर पवित्र जल में स्नान एवं आचमन को प्राथमिकता देते रहे हैं।

ऐसा करते हुए सनातन भाव वाला जन-मन, अमृत भाव की तलाश में उमड़ता हुआ नदी-सागर-संगम तट पर सामाहित होता रहा है। निष्कर्ष रूप में कहें तो कह सकते हैं कि इस कुंभ पर्वो ने भौगोलिक ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक एकता बनाये रखकर राष्ट्रीय जीवन सन्दर्भो के प्रति जातीय अस्मिता को जागृत करने में अहम भूमिका निभायी है। जब कोई महाकुंभ पड़ता है तब जन भावना, उमगिंत हृदय और संकल्पित मस्तिष्क को लेकर कुंभ स्थलों की ओर उमड़ पड़ती है। हर आयु वर्ग एवं जाति-वर्ग के लोग, प्रदेशों की सीमाओं को लांघते हुए गरीब-अमीर के दायरों को तोड़ते हुए अनेकभाषा-बोलियों में शब्द-साधना करते हुए परम अमृत की कामना से अपने 'स्व' (-सीमित) को 'पर' (-परम) में समर्पित करने के लिए संकल्पशील दिखाई देते हैं।

सागर-सरिताओं के तट पर

भड़की आग, क्या खाक हो जाएगा हॉलीवुड

7 जनवरी की सुबह 10:30 बजे पेसिफिक पैलिसेड इलाके के जंगल में अचानक आग भड़की। अगले 80 घंटों में ये आग 6 और इलाकों में फैल गई। इसमें अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। 10 हजार इमारतें और 30 हजार घर चपेट में आ चुके है। इनमें पेरिस हिल्टन और मैंडी मूर जैसे हॉलीवुड के कई मशहूर एक्टर्स के घर भी शामिल हैं। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को भी लॉस एंजिलिस वाला घर खाली करना पड़ा है। आखिर सर्दी के मौसम में जंगल में आग कैसे लगी और फैली, 80 घंटे बाद भी अमेरिका इसे बुझा क्यों नहीं पा रहा और क्या हॉलीवुड खाक हो जाएगा। कैलिफोर्निया में आग लगने की असल वजह का अब तक खुलासा नहीं हुआ है। हालांकि इसके पीछे 2 थ्योरीज बताई जा रही हैं...। 1. जंगलों में कैपिंग या एक्टिविटी करते समय किसी व्यक्ति ने आग जला दी, जो जंगल में फैल गई। आमतौर पर जून के महीने में शुष्क मौसम यानी ड्राई वेदर की वजह से आग लगने की घटनाएं होती हैं।

2. कैलिफोर्निया के जंगलों में बिजली के तारों का जाल फैला हुआ है। ऐसे में सूखे पेड़ों ने इन तारों से आग पकड़ ली होगी। ऐसी ही एक घटना 12 नवंबर 2024 को लॉस एंजिलिस के वेंचुरा काउंटी इलाके में हुई थी। तब आग लगने से 19 हजार एकड़ से ज्यादा इलाका जल गया था।

साउथ कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग प्रोफेसर और डिजास्टर रिस्पॉन्स एक्सपर्ट नजमेदिन मेश्काती ने कहा आग लगने की वजह बिजली की लाइनें हों या न हों, लेकिन आग के खतरे को कम करने के लिए इन लाइनों को जमीन के अंदर यानी अंडरग्राउंड कर देना चाहिए। लॉस एंजिलिस में 2022 और 2023 में सामान्य से बहुत ज्यादा बारिश और सर्दी हुई थी। इस वजह से जंगलों में बहुत सारे पेड़ और झाड़ियां पैदा हो गईं। इसके बाद 2024 में सर्दी और बारिश कम रही। इसके चलते पेड़-पौधों को नमी नहीं मिली और ये सूख गए। इन्हीं सूखी झाड़ियों ने आग के लिए एक तरह से रास्ते का काम किया। इन जंगलों में चीड़ के पेड़ भी लगे हुए हैं। चीड़ के पत्ते फौरन आग पकड़ लेते हैं। साउथ कैलिफोर्निया में बहुत कम बारिश होने के चलते इस जगह पर अब तक का सबसे ज्यादा सूखा पड़ा। सूखे जंगल इस आग के लिए ईंधन का काम कर रहे हैं। कैलिफोर्निया से लगभग 200 मील दूर ग्रेट बेसिन रेगिस्तान है। अक्टूबर और

जनवरी के बीच में इस इलाके में एयर प्रेशर ज्यादा होता है। इससे बनने वाली गर्म और कम नमी वाली हवाएं पास ही मौजूद सिएरा, नेवादा और सांता एना की पहाड़ियों पर पहुंचती हैं। इन हवाओं को सांता एना हवाएं कहते हैं। पहाड़ी दर्रों से गुजरने के दौरान इनकी रफ्तार बढ़ जाती है। इसके बाद ये तेज हवाएं कैलिफोर्निया पहुंचती हैं। इस बार इन हवाओं की स्पीड ज्यादा है, जिसके चलते आग की लपटें तेजी से फैलीं।

इनके अलावा क्लाइमेट चेंज भी एक वजह बताई जा रही है। बीते कुछ सालों में कैलिफोर्निया में जंगल की आग का मौसम लंबा हो गया है। जलवायु परिवर्तन ने पूरे कैलिफोर्निया में गर्मी बढ़ा दी है। इससे न केवल आग लगने की संभावना बढ़ी है, बल्कि आग फैलना भी आसान हो गया है। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया या उत्तराखंड जैस ठंडे इलाकों में पारंपरिक रूप से जंगलों में आग लगती रहती है। क्लाइमेट चेंज की वजह से इन ठंडे इलाकों में भी लंबे समय तक गर्मी और सूखे के मौसम बन रहे हैं, इसलिए जब आग लगती है तो उसकी इंटेंसिटी यानी तीव्रता बहुत ज्यादा होती है।'

पिछले 4 दिनों में आग 35 हजार एकड़ में फैल चुकी है। इसमें 29 हजार एकड़ का इलाका पूरी तरह से जल चुका है। यहां 10 हजार से ज्यादा घर जलकर राख हो गए हैं। इसमें लगभग 8 बिलियन डॉलर यानी 68 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। लॉस एंजिलिस काउंटी शेरिफ डिपार्टमेंट ने करीब 4 लाख लोगों को घर छोड़ने की चेतावनी जारी की है। वहीं लगभग 3 लाख लोग बिना बिजली के रह रहे हैं। आग को देखकर ऐसा लग रहा है, जैसे इन इलाकों में परमाणु बम गिराया गया हो। इस तबाही में मरने वालों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। जंगलों से शुरू हुई इस आग ने मालिबू और पेसिफिक पैलिसेड जैसे पॉश इलाकों में सैकड़ों घरों को जलाकर खाक कर दिया। इनमें पेरिस हिल्टन, स्टीवन स्पीलबर्ग, बैंडी मूर और एश्टन कुचर समेत कई हॉलीवुड स्टार्स के घर शामिल हैं। कैलिफोर्निया की आग 'हॉलीवुड हिल्स' तक पहुंच चुकी है। यहां मौजूद अमेरिकी फिल्म इंडस्ट्री की पहचान 'हॉलीवुड बोर्ड' के भी जलने का खतरा है। लॉस एंजिलिस के ब्रेटनवुड इलाके में बना अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का घर खाली करा दिया गया है।

अमेरिकी सरकार ने साउथ कैलिफोर्निया में 5 फॉरेस्ट सर्विस एयर टैंकरों को तैनात किया है। ये जंगल के ऊपर से पानी की बौछार कर रहे हैं। 10 हेलिकॉप्टर भी आग बुझाने में लगे हुए हैं। इसके अलावा अमेरिकी फॉरेस्ट सर्विस ने सैकड़ों दमकल गाड़ियों को भी तैनात कर दिया है। लगभग 7500 फायर फाइटर्स आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं।

कैलिफोर्निया में लगातार पानी के टैंकर बढ़ाए जा रहे हैं। हालांकि मीडिया रिपोट्र्स का कहना है कि लॉस एंजिलिस में आग बुझाने के संसाधन कम पड़ गए हैं। उन सभी दमकल कर्मियों को बुलाया जा रहा है जो छुट्टी पर थे। कनाडा भी कैलिफोर्निया में लगी आग बुझाने में अमेरिका की मदद कर रहा है। कनाडा ने अपने सुपर स्कूपर कहे जाने वाले CL-415 प्लेन कैलिफोर्निया भेजे हैं। जो आसमान से आग पर पानी की बौछार करते हैं। रेस्क्यू टीम ने लगभग 2 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर भेज दिया है। स्कूल और कम्युनिटी सेंटर्स वगैरह में इमरजेंसी शेल्टर बनाए गए हैं। हालांकि आग लगने के 80 घंटे बाद भी अमेरिका इस पर काबू नहीं पा सका है। कैलिफोर्निया में इस समय जो आग लगी हुई है, वह कैनोपी फायर है। यह पेड़ों के ऊंचे-ऊंचे झुरमुटों में लगती है। हवा की तेज स्पीड के चलते ये आग ऊपर ही ऊपर एक पेड़ से दूसरे पेड़ में फैलती रहती है। इसे किसी जमीनी तरीके से नहीं रोका जा सकता। कितने भी हेलिकॉप्टर लगा दिए जाएं, यह ऊंट के मुंह में जीरे जैसा है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ये आग अभी और ज्यादा फैल सकती है। लॉस एंजिलिस की मेयर कैरेन बास ने कहा, 'हमें लगता है कि तेज हवाओं के कारण यह आग तेजी से फैलेगी।' हालांकि कैलिफोर्निया गवर्नर की ओर से जारी बयान में कहा गया कि हॉलीवुड हिल्स की ओर बढ़ने वाली सनसेट फायर पर काबू पा लिया गया है। अभी आग जितनी तेज है उस हिसाब से पूरी तरह आग बुझाने में कई हफ्ते या महीने भी लग सकते हैं। फिलहाल, तीन स्थितियों में ही कैलिफोर्निया की आग बुझ सकती है। डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट करके राष्ट्रपति जो बाइडेन को आग के लिए जिम्मेदार ठहराया। ट्रम्प ने लिखा, 'फायर हाइड्रेंट (पानी के स्टोर्स) में पानी नहीं है, फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी (FEMA) के पास पैसा नहीं है। जो बाइडेन मेरे लिए यही सब छोड़कर जा रहे हैं। शुक्रिया जो।'

ट्रम्प ने कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूजकम पर भी निशाना साधा। ट्रम्प ने कहा कि इतना समय बीत जाने के बाद भी गैविन न्यूजकम और उनकी लॉस एंजिलिस टीम आग पर काबू नहीं पा सकी है। सरकार की तरफ से आग को काबू करने के लिए कोई असरदार कदम नहीं उठाए जा रहे। सरकार इस तरह काम नहीं करती है और आग 20 जनवरी (शपथ ग्रहण का दिन) तक इंतजार नहीं कर सकती। 2016 में उत्तराखंड के जंगलों में भयंकर आग लगी थी। उस समय ठंड के मौसम में बारिश नहीं हुई थी। इसलिए जंगल के इलाके में गर्मी थी। अप्रैल महीने की शुरुआत में कुछ इलाकों में छिटपुट आग लगी। धीरे-धीरे यह आग उत्तराखंड के गढ़वाल और कुमाऊं में फैलने लगी। दोनों इलाकों के कई जिलों की कुल 4,538 हेक्टेयर जमीन आग की चपेट में आ गई। इस दौरान कुल 9 लोगों की मौत हुई और 17 घायल हुए। मई महीने में बारिश हुई, जिसकी मदद से 15 मई के आसपास तक सेना और एनडीआरएफ की टीम ने आग पर काबू पा लिया।

मकर संक्रांति पर मिलेगा आशीर्वाद

सूर्यदेवता को अर्पित करें खिचड़ी का भोग

मकर संक्रांति भारतीय संस्कृति का एक खास पर्व है जो हर साल 14 जनवरी को मनाया जाता है. यह दिन सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने के कारण खास महत्व रखता है. मकर संक्रांति को लेकर लोगों में खास उत्साह देखने को मिलता है. इस दिन खिचड़ी बनाने की भी परम्परा प्राचीन काल से चली आ रही है. खास तौर पर इस दिन खिचड़ी का भोग देवी-देवताओं को चढ़ाना शुभ माना जाता है. सवाल यह है कि आखिर कौन से देवी-देवता हैं जिन्हें इस दिन खिचड़ी का भोग अर्पित करना चाहिए. इस विषय में अधिक जानकारी दे रहे हैं भोपाल निवासी ज्योतिष आचार्य पंडित योगेश चौरे.

सूर्यदेव को लगाएं खिचड़ी का भोग

सूर्यदेव को हिंदू धर्म में एक मात्र प्रत्यक्ष देवता और सौरमंडल का राजा माना जाता है. वह सभी ग्रहों के नियंत्रक होते हैं और उनकी कृपा से ही जीवन में समृद्धि आती है. मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव की पूजा का विशेष महत्व है. मान्यता के अनुसार, सूर्यदेव को खिचड़ी का भोग अर्पित करने से व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है और सूर्य के शुभ प्रभावों से जीवन में आ रही बाधाओं का निवारण होता है. विशेष रूप से जिनकी कुंडली में सूर्य कमजोर होता है, उनके लिए यह उपाय लाभकारी साबित हो सकता है.

भगवान विष्णु को अर्पित करें खिचड़ी का भोग

भगवान विष्णु को खिचड़ी का भोग अर्पित करना भी एक महत्वपूर्ण परंपरा है. विष्णु भगवान को खिचड़ी बेहद प्रिय मानी जाती है. उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए इस दिन उनकी पूजा में खिचड़ी का भोग अर्पित किया जाता है. ऐसा माना जाता है कि खिचड़ी का भोग भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करने का एक प्रभावी उपाय है. इसके साथ ही यह भी माना जाता है कि इससे व्यक्ति को गुरुदोष से मुक्ति मिलती है और जीवन में समृद्धि का आगमन होता है.

महाभारत में हस्तिनापुर राजघराने से जुड़े कई रोचक तथ्य पढ़ने को मिलते हैं। धृतराष्ट्र और गांधारी के 100 पुत्रों की कथा के बारे में अधिकतर लोगों को पता है, जो कौरव के नाम से भी जाने जाते हैं। धृतराष्ट्र के बड़े पुत्र दुर्योधन और उसके भाई दु:शासन का नाम लगभग सबको पता है, लेकिन बाकी भाइयों के बारे में कम ही जानकारी होगी। दुर्योधन के 100 भाई थे, लेकिन उनके अलावा उसका एक और भाई था, जिसके बारे में लोगों शायद ही पता हो। उसका नाम बड़े सम्मान से लिया जाता है, उसने कुरुक्षेत्र के युद्ध में पांडवों का साथ दिया था।

कौन था कौरवों का 101वां भाई

धृतराष्ट्र और गांधारी से 100 पुत्र थे, लेकिन गांधारी की दासी सुगाधा और धृतराष्ट्र से भी एक पुत्र हुआ था, जो दुर्योधन का सौतेला भाई था। उसका नाम युयुत्सु था। युयुत्सु का लालन-पालन और शिक्षा दुर्योधन के सभी भाइयों के समान ही हुआ था। लेकिन दुर्योधन ने युयुत्सु को अपना भाई नहीं माना और न ही उनका सम्मान किया। इस वजह से वे कौरवों से ज्यादा पांडवों के करीब थे।

पांडवों और कौरवों में जब कुरुक्षेत्र के युद्ध की घोषणा हुई तो युयुत्सु ने उसे रोकने का भरसक प्रयास किया लेकिन नीयति को कोई डाल नहीं सकता। फिर वे कौरवों की ओर थे। लेकिन जब युद्ध का पहला दिन आया तो युधिष्ठिर ने कहा कि यह धर्म युद्ध है और सभी को पता है कि धर्म किस पक्ष की ओर है। जो लोग कौरवों की ओर से हमारे पक्ष में या हमारी ओर से कौरवों के पक्ष में जाना चाहते हैं, वे चले जाएं। उनका पूरा सम्मान है।

यह सुनकर युयुत्सु ने धर्म का पक्ष लेने का निर्णय लिया। वे कौरवों की सेना से निकलकर पांडवों की सेना में आ गए। उनके इस व्यवहार पर दुर्योधन काफी क्रोधित हुआ।

युयुत्सु को मिला था विशेष काम

युयुत्सु काफी बुद्धिमान और प्रबंधन क्षमता में निपुण थे। इस वजह से पांडवों ने युयुत्सु को सीधे युद्ध के मैदान में न उतार करके सेना के लिए जरूरी प्रबंधन का काम सौंपा था। वे पांडवों की सेना के लिए खाना, पानी, हथियार आदि की व्यवस्था करते थे।

युयुत्सु ने धृतराष्ट्र को दी मुखाग्नि

महाभारत के युद्ध में दुर्योधन समेत सभी कौरव भाई मारे गए थे। कथा के अनुसार, धृतराष्ट्र की जब मृत्यु हुई तो युयुत्सु ने ही मुखाग्नि दी थी।

युधिष्ठिर ने युयुत्सु को बनाया था महामंत्री

युद्ध के समापन के बाद युधिष्ठिर को राजा बनाया गया। तब उन्होंने युयुत्सु को महामंत्री के पद पर बैठाया। काफी समय तक शासन करने के बाद पांडवों ने परीक्षित को राजपाट सौंप दिया और युयुत्सु को उनका संरक्षक बना दिया।

युयुत्सु ने किया अधर्म का त्याग

युयुत्सु ने अधर्म का साथ छोड़कर धर्म का मार्ग चुना था। इसके लिए उन्होंने अपने सौतेले भाइयों का त्याग कर दिया था। 18 दिनों तक चले कुरुक्षेत्र युद्ध के समापन के बाद कुल 11 लोग जीवित बचे थे, जिसमें युयुत्सु भी शामिल थे।

धन के देवता कुबेर की दिशा मानी जाती है उत्तर-पूर्व

वास्तुशास्त्र में दिशा बहुत अधिक महत्व माना जाता है। वहीं कुछ दिशाएं बहुत शुभ मानी जाती है। धन और समृद्धि के देवता कुबेर को नौ निधियों के देवता माना जाता है और इनका वास उत्तर-पूर्व दिशा में होता है। इस दिशा को ईशाण कोण भी कहा जाता है। कहा जाता है की यह दिशा बहुत ही सकारात्मक ऊर्जा से भरी होती है। मान्यताओं के अनुसार, जिस व्यक्ति का घर इस दिशा में होता है उस व्यक्ति को कभी पैसों की कमी नहीं होती है। आइए जानते हैं ज्योतिषाचार्य व वास्तु सलाहकार डॉ अरविंद पचौरी से कि क्या सच में उत्तर-पूर्व दिशा में घर बनाना शुभ होता है?

उत्तर-पूर्व दिशा में घर बनाना शुभ या अशुभ?

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर के उत्तर-पूर्व दिशा या ईशान कोण बहुत ही शुभ मानी जाती है। वहीं अगर इस दिशा में घर बनाया जाए तो माना जाता है कि उस घर में हमेशा खुशियां और शांति बनी रहती है और साथ ही घर में सुख-समृद्धि का वास भी होता है। वास्तु के अनुसार, घर की इस दिशा में अगर तिजोरी बनाई जाए, तो पैसों का प्रवाह भी बढ़ जाता है। साथ ही अगर आपका घर उत्तर-पूर्वी दिशा में हो तो उसे काफी भाग्यशाली माना जाता है।

घर की उत्तर-पूर्व दिशा को रखें साफ-सुथरा

घर की इस दिशा को हमेशा साफ-सुथरा रखना चाहिए। इसके साथ ही इस दिशा में अगर घर का मंदिर हो तो यह बहुत ही अच्छा माना जाता है। इस दिशा में कुबेर यंत्र लगाएं।

माना जाता है कि इस दिशा में कुबेर यंत्र लगाने से आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है। लेकिन एक बात का ध्यान रखें कि इस दिशा में कोई भी भारी सामान ना रखें।

हाथों के इन निशानों से जानें अपनी किस्मत का हाल

साल 2025 पर ऊर्जा के कारक मंगल देव का प्रभाव रहेगा। इसके चलते हर एक व्यक्ति मंगल से प्रभावित हो सकता है। हथेली में हृदय रेखा और मस्तिष्क रेखा के बीच के नीचे और जीवन रेखा के ऊपर वाला भाग मंगल का होता है। इन स्थानों से मंगल की गणना की जाती है। मंगल पर्वत पर कई शुभ और अशुभ चिन्ह होते हैं। इससे व्यक्ति को शुभ और अशुभ फल मिलता है, तो आइए, "हस्तरेखा विशेषज्ञ चित्रलेखा जायसवाल जी" से मंगल पर्वत और उस पर रहने वाले चिन्हों से जानते हैं कि वर्ष 2025 कैसा रहने वाला है?

क्रॉस का निशान

मंगल पर्वत पर क्रॉस होना अच्छा नहीं माना जाता है, जिन जातकों के हथेली में ये निशान है उनके लिए 2025 थोड़ा कठिन हो सकता है। अन्य रेखा यदि शुभ हो तो इसका प्रभाव कम हो सकता है, लेकिन अगर आप सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं, इस साल सफलता देखने को मिल सकती है।

त्रिभुज का निशान

मंगल पर्वत पर यदि त्रिभुज का निशान है, तो व्यक्ति को शुभ फल प्रदान करता है। मंगल ऊर्जा के कारक हैं इसके लिए व्यक्ति को कार्य में अच्छे परिणाम देखने को मिल सकता है। इन जातकों को 2025 अच्छे फल प्रदान करेंगे। रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

शंख का निशान

मंगल पर्वत पर शंख का निशान हो तो ये बेहद ही शुभ निशान माना जाता है ऐसे जातक धार्मिक प्रवृत्ति के होते हैं। इनका मन धर्म-कर्म में ज्यादा रुचि लेने वाले होते हैं। ऐसे जातकों के लिए 2025 अच्छा रहेगा। ऐसे जातक धार्मित यात्रा भी करेंगे। सरकारी नौकरी या अपना खुद का कारोबार

करना चाहते है तो उसमें भीआपको इस वर्ष सफलता मिलेगी।

जिन लोगों के मंगल पर्वत पर तीन रेखा सीधी और स्पष्ट हैं, उन्हें साल 2025 में अपने शत्रुओं से सावधान रहना चाहिए, क्योंकि वे आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में सलाह दी जाती है कि गोपनीय शत्रुओं से सावधान रहें। इस साल कारोबार में आपको सफलता देखने को मिलेगी। इसके साथ ही इस साल जो जातक सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें इस साल अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे।

जरूर करें ये उपाय

हनुमान जी की भाव के साथ पूजा करें।
हनुमान चालीसा का पाठ करें।
हनुमान जी को सिंदूर अर्पित करें।
सुंदर कांड का पाठ करें।
मंगलवार को मसूर दाल, गेहूँ, मूंगफली, गुड़, शहद, लाल मिर्च, कुमकुम का दान करें।
मूंगा रत्न पहन सकते हैं।
मंगल यंत्र स्थापित करें।
चांदी से निर्मित हनुमान जी का लॉकेट धारण करें।

शनिदेव ने स्वयं बताया अपनी पीड़ा से मुक्ति का उपाय

शनिदेव द्वारा स्वयं बताए गए उपायों को करके मनुष्य शनि की पीड़ा से मुक्त हो सकता है। जो लोग संस्कृत में स्तोत्र पाठ करने में असमर्थ हैं, वे हिंदी में स्तोत्र पाठ कर सकते हैं। एकाग्रता से, श्रद्धा से व पवित्रता से की गई हिंदी में स्तुति का भी वही फल प्राप्त होता है जो संस्कृत में पाठ करने से होता है।

प्राचीन प्रसंग के अनुसार राजा दशरथ ने शनिदेव से कहा कि आप किसी को पीड़ा न पहुंचाएं। शनिदेव ने कहा- यह वर असंभव है क्योंकि जीवों के कर्मानुसार सुख-दुख देने के लिए ही ग्रहों की नियुक्ति हुई है किंतु मैं तुम्हें वर देता हूं कि जो तुम्हारी इस स्तुति को पढ़ेगा, वह पीड़ा से मुक्त हो जाएगा।

शनिदेव ने राजा दशरथ को पुनः वर देते हुए कहा- किसी भी प्राणी के मृत्यु स्थान, जन्म स्थान या चतुर्थ स्थान में मैं रहूं तो उसे मृत्यु का कष्ट दे सकता हूं किंतु जो श्रद्धायुक्त होकर पवित्रता से मेरी लोह प्रतिमा का शमी पत्रों से पूजन करेगा और मिले हुए उड़द-भात, लोहा, काली गौ या काला बैल ब्राह्मण को दान करता है और मेरे दिन (शनिवार) को हाथ जोड़कर इस स्तोत्र का पाठ करता है उसे मैं कभी पीड़ा नहीं दूंगा।

गोचर में, जन्म लग्न में, दशाओं में तथा अंतर्दशाओं में ग्रह पीड़ा को दूर करके मैं उसकी सदा रक्षा करूंगा। इसी उपाय से सारा संसार मेरी पीड़ा से मुक्त हो सकता है।

अपने गुणों के कारण झोपड़ी से निकलकर अहिल्याबाई, ऐसे बनीं इंदौर राजघराने की बहू

मनकोजी शिंदे एक साधारण किसान थे। खेती ही उनकी जीविका का मुख्य साधन थी। विवाह के काफी समय बाद उनके घर में एक कन्या ने जन्म लिया। उसका नाम अहिल्याबाई रखा गया। वह बचपन से ही साहसी और धर्मपरायण थीं। एक बार मराठों की सेना औरंगाबाद के चोंट गांव के बाहर मैदान में एकत्र हुई थी, जिसे देखने के लिए बालक-बालिकाओं की भीड़ लगी हुई थी।

अचानक भीड़ को चीरती हुई 9 वर्ष की एक निडर बालिका आगे बढ़ी और सेनापति के सामने जाकर खड़ी हो गई। सेनापति ने उसे नीचे से ऊपर तक देखा। वह सुंदर न थी। रंग-रूप सांवला था। उसके वस्त्र भी ग्रामीण की तरह थे लेकिन उसके मुखमंडल पर आकर्षक आभा झलक रही थी। सेनापति ने उसे एक बार फिर देखा और अपनी गोद में उठाकर पूछा, “क्या चाहती हो बेटी?”

बालिका ने बिना डरे, मुस्कुराते हुए जवाब दिया, “तुम्हें देखने आई हूं।” “अच्छा, बताओ मैं कौन हूं?” “मल्हारराव

होलकर, मैंने अपने पिता से तुम्हारा नाम सुना है।”

लड़की ने जवाब दिया। “तुम्हारे पिता का नाम क्या है?” “मनकोजी शिंदे। वह इसी गांव के रहने वाले हैं। इस गांव का नाम चोंट है।” “और तुम्हारा नाम?” “अहिल्या।”

अब तक मल्हारराव बच्ची के व्यक्तित्व से इस कदर प्रभावित हो चुके थे कि वहीं पूछ बैठे, “तुम मेरे पुत्र से विवाह करोगी?”

लड़की इस प्रश्न का उत्तर नहीं दे सकी। शरमाती हुई वहां से भाग गई और बच्चों की टोली में शामिल हो गई। लेकिन उसने अपने भोलेपन की छाप मल्हारराव के हृदय पर छोड़ दी। बाद में यही बालिका अपने गुणों के कारण झोंपड़े से निकलकर महल में पहुंची और इंदौर राजघराने की बहू बनी।

टीकू तलसानिया को आया हार्ट अटैक, एक्टर की हालत गंभीर

हिंदी सिनेमा के दिग्गज एक्टर टीकू तलसानिया को उनकी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और यादगार किरादरों के लिए याद किया जाता है। टीकू तलसानिया से जुड़ी एक खबर सामने आई है। मशहूर एक्टर टीकू तलसानिया को हार्ट अटैक आया है। एक्टर को अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया है। टीकू तलसानिया की हालत गंभीर बताई जा रही है। एक्टर से जुड़ी इस खबर के सामने आने के बाद उनके तमाम चाहने वाले चिंता में आ गए हैं। एक्टर 250 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके हैं। टेली चक्कर की एक रिपोर्ट के अनुसार, टीकू तलसानिया को मेजर हार्ट अटैक आया है। उनकी हालत भी काफी नाजुक बताई गई है। हालांकि अस्पताल में भर्ती होने के बाद से टीकू तलसानिया की हालत को लेकर कोई जानकारी अभी सामने नहीं आई है। खबर सामने आने के बाद हर कोई एक्टर के जल्द से जल्द ठीक होने की दुआ कर रहा है और उनके अस्पताल से बाहर आने का इंतजार भी कर रहा है।

टीकू तलसानिया ने 250 से ज्यादा फिल्मों में किया काम

टीकू तलसानिया ने शाहरुख खान से लेकर सलमान खान तक के साथ फिल्मों में काम किया है। 90 के दशक में दिग्गज एक्टर कई बड़ी-बड़ी फिल्मों का हिस्सा रह चुके हैं। फिल्मों और टेलीविजन दोनों में अपने योगदान के लिए जाने जाने वाले तलसानिया सलमान खान और आमिर खान की फिल्म अंदाज अपना-अपना, शाहरुख खान की फिल्म देवदास, अक्षय कुमार की फिल्म स्पेशल 26 और मशहूर टीवी शो उतरन जैसी कई बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स में अपनी अदाकारी का दम दिखा चुके हैं। एक्टर ने 250 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है।

आशिकी 3: तृप्ति डिमरी आउट एक्स की हुई एंट्री

काफी लंबे समय से ये खबर थी कि कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी एक साथ फिल्म आशिकी 3 में नजर आएंगे। हालांकि इसके बाद कुछ समय पहले खबर आई कि तृप्ति को इस फिल्म से आउट कर दिया गया है क्योंकि डायरेक्टर को इस किरदार के लिए एक मासूम चेहरे की तलाश है जबकि तृप्ति की इमेज उनकी कुछ फिल्मों के बाद से काफी बोल्ड हो गई है। इस फिल्म को डायरेक्टर अनुराग बासु डायरेक्ट करेंगे। अब निर्देशक को एक ऐसे नए चेहरे की तलाश है जिसके चेहरे पर मासूमियत हो और वो आरोही जैसे रोल के साथ न्याय कर सके। अब खबर आ रही है कि फिलहाल मेकर्स की ये डिमांड पूरी हो गई है और इसके लिए इमानवी और सारा अली खान को सेलेक्ट किया गया है।

इमानवी एक सोशल मीडिया सेंसेशन हैं जो प्रभास के साथ एक फिल्म में डेब्यू करने वाली हैं जिसे प्रभास ने को-प्रोड्यूस किया है। इमानवी इस फिल्म के जरिए अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत कर रही हैं। मिडडे की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक,इमानवी ने ये तय किया है कि वो अपनी पहली फिल्म की रिलीज से पहले कोई नया प्रोजेक्ट साइन नहीं करेंगी। भूषण कुमार कथित तौर पर प्रभास की फिल्म के प्राइमरी प्रोड्यूसर से बातचीत कर रहे हैं ताकि वो अभिनेत्री को कार्तिक आर्यन के साथ अनुराग बसु की रोमांस सागा में कास्ट कर सकें।

कंगना ने करण के साथ काम करने पर किया कमेंट

बोलीं- उन्हें मेरे साथ मूवी करनी चाहिए, मैं उन्हें अच्छा रोल दूंगी

कंगना रनोट इन दिनों फिल्म इमरजेंसी को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच एक्ट्रेस से पूछा गया कि क्या वो करण जौहर के साथ किसी फिल्म में काम करेंगी। इस पर कंगना ने कहा- उनको मेरे साथ काम करना चाहिए, मैं उन्हें फिल्म में चुगलखोर का नहीं बल्कि अच्छा रोल दूंगी। कंगना रनोट हाल ही में सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल 15 में अपनी फिल्म इमरजेंसी के प्रमोशन के लिए गई थीं। इस दौरान कंटेस्टेंट मानुषी घोष ने कंगना से सवाल पूछा कि उनके और करण के बीच जो कोल्ड वॉर चल रही है, क्या उसके बाद वह करण के धर्मा प्रोडक्शन के लिए काम करना चाहेंगी। इस सवाल के जवाब में कंगना ने हंसते हुए कहा- आई एम सॉरी टु से लेकिन करण सर को मेरे साथ मूवी करनी चाहिए। मैं उन्हें बहुत अच्छा रोल दूंगी और बहुत अच्छी फिल्म बनाऊंगी। उस फिल्म में सास-बहू की चुगलीबाजी नहीं होगी। वो प्रॉपर फिल्म होगी और उन्हें प्रॉपर रोल मिलेगा।' इससे पहले साल 2017 में कंगना, करण जौहर के शो कॉफी विद करण सीजन 5 में गई थीं। एक्ट्रेस के साथ उस समय को-स्टार सैफ अली खान और शाहिद कपूर भी मौजूद थे। इस शो में कंगना ने करण जौहर को काफी कुछ कहा था। उन्होंने कहा था कि करण नेपोटिज्म को बढ़ावा देते हैं।

शादी करने वाले हैं बाहुबली फेम एक्टर प्रभास

कौन होगी उनकी होने वाली दुल्हनिया

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। साउथ सुपरस्टार प्रभास इस समय इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के मोस्ट एलिजिबल बैचलर्स में से एक हैं। हालांकि अब खबर आ रही हैं कि 45 साल के एक्टर के घर बहुत जल्द शहनाई बजने वाली है। ऐसी अटकलें तब शुरू हुईं जब राम चरण अपनी फिल्म गेम चेंजर को प्रमोट करने के लिए एनबीके सीजन 4 में आए थे। इस दौरान उन्होंने जानकारी दी कि प्रभास आंध्र प्रदेश के गणपवरम की एक लड़की से शादी करने वाले हैं। ग्रेट आंध्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, राम चरण ने एनबीके सीजन 4 के होस्ट नंदमुरी बालकृष्ण से बात करते हुए शो में प्रभास की शादी के बारे में हिंट दिया। इतना ही नहीं ट्रेड एनालिस्ट मनोबाला विजयबालन ने भी अपने एक्स अकाउंट पर एक ऐसा पोस्ट किया है जिसे देखकर यही लग रहा है कि प्रभास शादी करने वाले हैं। वहीं इस खबर के बाद से फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं है। विजयबालन के इस ट्विट पर यूजर्स तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने कहा, क्रिश्चियन वेडिंग, वाह। दूसरे ने ट्वीट किया, मुझे नहीं लगता कि यह शादी के बारे में है, यह कोई प्रमोशनल कंटेंट हो सकता है। तीसरे ने लिखा था,प्रभास एक मैरिज सीन की शूटिंग कर रहे हैं, बस इतना ही।

'सलमान मेरे पहले हीरो हैं' रवीना टंडन ने सलमान खान की वजह से की थी अपनी पहली फ़िल्म

रवीना टंडन 90 के दशक की एक मशहूर एक्ट्रेस है और आपको बता दें कि उन्होंने अपने पूरे करियर में काफी लाजवाब फिल्में दी है। हालांकि उन्होंने अपने करियर की शुरूआत सलमान खान की फिल्म 'पत्थर के फूल' से की थी। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि रवीना टंडन ने इस फिल्म में काम करने से पहले तकरीबन 5 फिल्मों को रिजेक्ट कर दिया था। सोशल मीडिया पर एक वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि रवीना टंडन अपने करियर में सफल होने का पूरा श्रेय सलमान खान को देती हुई नजर आ रही है। इस दौरान रवीना टंडन ने बताया कि मैं कॉलेज के फर्स्ट ईयर में थी। हम लोग केंटीन में बैठे हुए थे। तब मेरे पास में विवेक वासवानी और अनंत बलानी बैठे हुए थे। जो सलमान खान की दूसरी फिल्म के लिए हीरोइन ढूंढ रहे थे। रवीना टंडन ने आगे बात करते हुए बताया कि मेरी जिंदगी जिसने बदल दी। वो सलमान खान है। ये मेरे लिए बहुत स्पेशल है। ये मेरे पहले हीरो हैं। सलमान की वजह से ही मैंने अपनी पहली फिल्म पत्थर के फूल की थी। बहुत लोगों को यह बात नहीं पता है कि बहुत सारी फिल्में मुझे ऑफर हुई थी। लेकिन मैंने मना कर दिया था। एक्ट्रेस ने आगे बात करते हुए बताया कि जब मुझे सलमान खान की फिल्म पत्थर के फूल ऑफर हुई थी तो मैं अपनी कॉलेज की कैंटीन में बैठी हुई थी। तो मैंने अपने दोस्तों को कहा कि मुझे सलमान खान के साथ में फिल्म ऑफर हुई है। तो मेरे दोस्तों ने कहा कि इस फिल्म को मना मत करना और हम सलमान खान खान को देखने के लिए शूटिंग पर आएंगे और बाद में तुम फिल्में करना छोड़ देना। सलमान खान की वजह से ही मैंने पहली फिल्म की थी।

सामंथा रुथप्रभु को हुआ चिकनगुनिया:जोड़ों में तेज दर्द होने के बावजूद जिम में कर रही हैं इंटेंस वर्कआउट

सामंथा रुथप्रभु ने एक स्टोरी शेयर कर चिकनगुनिया होने की जानकारी फैंस से शेयर की थी। गंभीर बीमारी की जानकारी देने के लिए एक्ट्रेस ने अपने वर्कआउट की वीडियो शेयर कर बताया है कि वो इस कंडीशन में भी हार नहीं मान रही हैं। सामंथा रुथप्रभु ने हाल ही में अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो पोस्ट की है। वीडियो में एक्ट्रेस जिम में इंटेंस वर्कआउट करती नजर आ रही हैं। इसके साथ एक्ट्रेस ने लिखा है, चिकनगुनिया से रिकवर करना कितना फन है। जॉइंट पेन और सब कुछ। बताते चलें कि सामंथा रुथप्रभु बीते लंबे समय से अपनी हेल्थ कंडीशन के चलते सुर्खियों में रहती हैं। साल 2022 में सामंथा ने बताया था कि उन्हें मायोसाइटिस नाम की एक रेयर बीमारी है। ये एक तरह की ऑटो-इम्यून डिसीज है जिसमें शरीर की मसल्स धीरे-धीरे कमजोर पड़ती जाती हैं। इस कंडीशन में चलने और खड़े रहने में तकलीफ होती है। कुछ समय पहले एक्ट्रेस अमेजन प्राइम की सीरीज सिटाडेलःहनी बनी में नजर आई थीं। इस फिल्म के एक प्रमोशनल इवेंट के दौरान सामंथा ने बताया था कि सीरीज सिटाडेलः हनी बनी की शूटिंग के दौरान उन्हें मायोसाइटिस डायग्नोज हुआ था। हेल्थ कंडीशन के चलते एक्ट्रेस ने सीरीज छोड़ने का फैसला किया और करियर से ब्रेक ले लिया। द हॉलीवुड रिपोर्टर को दिए एक इंटरव्यू में सामंथा ने बताया कि उन्होंने सीरीज छोड़ने का फैसला कर लिया था, लेकिन मेकर्स ने उनका हौसला बढ़ाया और उनके लिए सेट पर ही सारी सुविधाएं उपलब्ध करवाईं। इसी इंटरव्यू में वरुण धवन ने बताया है कि शूटिंग के समय सामंथा की तबीयत इतनी खराब थी कि वो दो बार सेट पर बेहोश हो गई थीं। उनके लिए सेट पर ऑक्सीजन टैंक्स आते थे और वो अकेले बैठकर ऑक्सीजन लेती थीं।

हिना खान बोलीं- अब काम के लिए तैयार हूं

उस समय हेल्थ प्राथमिकता थी

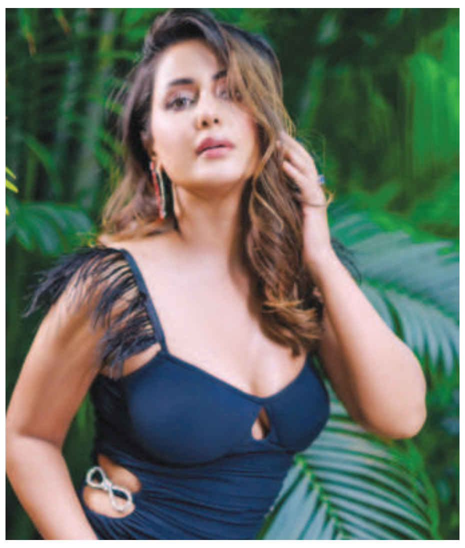

टीवी एक्ट्रेस हिना खान इन दिनों ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने अपने करियर के बारे में बात की। हिना ने कहा कि वह जल्द ही टीवी शो 'गृह लक्ष्मी' में नजर आएंगी। इसके साथ ही हिना ने यह भी कहा कि अगर आप अपने काम से ब्रेक लेते हैं, तो लोग आपको भूल सकते हैं। इसके बाद आपको कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। बातचीत में हिना खान ने कहा, 'मेरे पास कोई और विकल्प नहीं था, मुझे ब्रेक लेना पड़ा। लेकिन मैं मानती हूं कि जब आप पर्दे पर नहीं होते, तो लोग आपको भूल जाते हैं। यह इस इंडस्ट्री की कड़वी सच्चाई है।' हिना ने कहा, 'मैं समझती हूं कि किसी के लिए सबसे जरूरी चीज उनकी सेहत है। ऐसा नहीं था कि मैं किसी शादी में या किसी दूसरे देश में छुट्टियां मना रही थी। यह बहुत महत्वपूर्ण था, इसलिए उस समय मुझे अपने करियर के बारे में कोई चिंता नहीं थी।'

हिना ने कहा, 'मैंने अपने इलाज की जर्नी लोगों के साथ शेयर की। इसके पीछे का मकसद यह नहीं था कि मैं लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना चाहती थी। बस मैं चाहती थी कि मुझे मेरी यह जर्नी सामान्य लगे, इसलिए मैंने तय किया कि मैं बाहर रहूंगी।' हिना की मानें तो जब उन्हें अपनी बीमारी के बारे में पता चला, तब उनके पास कई प्रोजेक्ट्स थे, जिन्हें उन्हें छोड़ना पड़ा था। लेकिन अब वह काम पर वापस लौटने के लिए तैयार हैं और उन्हें उम्मीद है कि अच्छे काम, अच्छे किरदार और प्रोजेक्ट्स मिलेंगे। हिना ने 28 जून, 2024 को सोशल मीडिया पर बताया था कि उन्हें स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर है। पोस्ट में हिना ने लिखा था, 'हाल ही में उड़ रही अफवाहों के बीच, मैं आपको कुछ जरूरी जानकारी देना चाहती हूं। मैं ब्रेस्ट कैंसर के तीसरे स्टेज पर हूं। मैं ठीक हूं। मैं स्ट्रॉन्ग हूं और डटी हुई हूं। इस बीमारी पर काबू पाने के लिए पूरी तरह से कमिटेड हूं। मेरा इलाज शुरू हो चुका है और मैं इससे और भी मजबूत होकर उबरने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए तैयार हूं।'

'दिन में कहते हैं अम्मा और रात में बिस्तर पर

रोल देने के बदले में एक्ट्रेस के साथ गंदी हरकत

बॉलीवुड में ही नहीं बल्कि टॉलीवुड इंडस्ट्री में भी अक्सर कई सारी हसीनाएं कास्टिंग काउच को लेकर खुलकर बात करती हुई नजर आती है। साल 2018 में तेलुगू एक्ट्रेस श्री रेड्डी ने भी कास्टिंग काउच को लेकर कई सारे सनसनीखेज खुलासे कर दिए थे। यहां तक कि उन्होंने सड़क पर टॉपलेस होकर प्रदर्शन किया था। बाद में मशहूर तेलुगू अभिनेत्री संध्या नायडू ने भी खुलकर कास्टिंग काउच को लेकर बात की थी। प्रेस मीट के दौरान उन्होंने बताया था कि मुझे जितने भी कैरेक्टर मिले हैं वह ज्यादातर आंटी और मां के थे। वही लोग दिन में मुझे शूटिंग सेट पर अम्मा का कर बुलाते थे और रात में मुझे सोने के लिए बुलाया करते थे। संध्या नायडू ने आगे बात करते हुए बताया था कि उनमें से एक ने तो मुझे यह भी पूछ लिया था कि मैं क्या पहना हुआ है और क्या वह ट्रांसपेरेंट है। इस दौरान एक्ट्रेस ने यह भी खुलासा किया था कि जब भी किसी फिल्म में उनका ऑफर मिलता था तो उनसे पूछा जाता था कि रोल देने के बदले में उनको क्या मिलेगा। संध्या नायडू ने तो इस दौरान यह भी दावा किया था कि रोल देने के बाद में व्हाट्सएप चैट करने के लिए उनको फोर्स भी किया जाता था। इसी के अलावा एक अन्य एक्ट्रेस सुनीता रेड्डी ने भी इस बात का खुलासा किया था कि उन्हें शूटिंग सेट पर बाहर कपड़े चेंज करने पड़ा करते थे। एक्ट्रेस ने दावा किया था कि उन्हें कीड़ों की तरह ट्रीट किया जाता था।

'लवयापा' के ट्रेलर रिलीज पर मां का जिक्र सुनकर खुशी ने कहा- इस बारे में बात नहीं

श्रीदेवी का नाम अक्सर बॉलीवुड की बेहतरीन एक्ट्रेस में गिना जाता है और अब उनके ही नक्शे कदम पर उनकी दोनों बेटियां भी निकल चुकी हैं। हालांकि, जान्हवी कपूर ने अपनी फिल्म शुरुआत काफी वक्त पहले कर दी थी, लेकिन अब उनकी छोटी बहन खुशी कपूर जल्द ही बड़े पर्दे पर नजर आने वाली हैं। खुशी, आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ 'लवयापा' में नजर आने वाली हैं, जिसका ट्रेलर हाल ही में लॉन्च किया गया है। इस खास मौके पर खुशी अपनी मां को याद करके इमोशनल हो गई थीं। खुशी कपूर और जुनैद खान स्टारर फिल्म 'लवयापा' खास वैलेंटाइन डे के मौके पर आएगी। फिल्म के रिलीज डेट की बात करें, तो 'लवयापा' 7 फरवरी, 2025 को रिलीज होने वाली है, इसका डायरेक्शन अद्वैत चंदन ने किया है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया गया है, जिसके इवेंट पर एक्ट्रेस इमोशनल नजर आईं। दरअसल, इेंट के दौरान जब एक्ट्रेस से उनकी मां को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने इसके बारे में बात करने से मना कर दिया।

खुशी ने बात करने से कर दिया इनकार

इवेंट के दौरान एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि अगर इस वक्त उनकी मां उनके साथ मौजूद होती, तो उन्हें कैसा लगता? तो खुशी ने इसका जवाब देते हुए कहा ये इमोशनल होता, लेकिन ये एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर मैं बात नहीं करना चाहती हूं। हालांकि, इस इवेंट में मौजूद आमिर खान ने इस पर आगे बात करते हुए कहा कि श्रीदेवी कमाल की एक्ट्रेस थीं। उन्होंने कहा कि वो एक्ट्रेस के काफी बड़े फैन रहे हैं और हमेशा से ही उनके साथ एक फिल्म करना चाहते थे।

श्रीदेवी जहां भी होंगी उन्हें गर्व होगा

आमिर खान ने कहा कि श्रीदेवी के साथ काम करने का मौका नहीं मिला, लेकिन ये खुशी की फिल्म है, जो कि मेरे लिए बहुत अहम पल है। एक्टर ने कहा कि जब मैंने फिल्म देखी तो मुझे लगा कि मैं फिर से श्रीदेवी को देख रहा हूं। आमिर ने कहा, मैं आपके लिए प्रार्थना करता हूं और श्रीदेवी जहां भी होंगी, मुझे यकीन है कि उन्हें खुशी पर काफी गर्व हो रहा होगा। मैं आज भी उन्हें बहुत याद करता हूं और अगर वह आज यहां होती तो बहुत ही अच्छा होता।

'आंटी लगती हो.'शाह रुख खान की जवान एक्ट्रेस ने ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब ,बोलीं- 'मैं अभी भी हॉट हूं'

मनोज बाजपेई के साथ वेब सीरीज फैमिली मैन में काम कर चुकी एक्ट्रेस प्रियामणि ने अपनी सुंदरता के लिए खूब सुर्खियां बटोरी थीं। इसके बाद वो शाह रुख खान के साथ फिल्म जवान में भी नजर आई थीं। हालांकि एक्ट्रेस को कई बार अपने फिगर की वजह से ऑनलाइन ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ा है। प्रियामणि ने बताया कि लोग उन्हें उनके स्किन कलर को लेकर भी बॉडी शेम करते थे। यहां तक कि उन्हें बूढ़ी और ब्लैक भी कहा जाता था। प्रियामणि ने बॉलीवुड बबल को दिए इंटरव्यू में बताया कि जब भी वो बिना मेकअप के कोई तस्वीर पोस्ट करती थी लोग उनसे कहते थे कि आप मेकअप के बिना आंटी लगती हैं इसलिए मेकअप में ही तस्वीरें डाला करिए।

अब इस बात का प्रियामणि ने तगड़ा जवाब दिया है। एक्ट्रेस ने कहा,तो क्या हुआ! आज नहीं तो कल तुम भी आंटी बन जाओगी। मैं 38 साल की हूं, लेकिन मैं अभी भी हॉट हूं। अपना मुंह बंद करो। मुझे लगता है कि तुम्हें खुश करने के लिए मैं खुद को क्यों बदलूं। यह मैं हूं और मैं ऐसी ही हूं। मैं जैसी हूं मुझे वो पसंद है। अभिनेत्री ने कहा कि इन नेगेटिव कमेंट्स का उन पर कोई असर नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा कि वो अपने माता-पिता और मंगेतर के अलावा किसी के प्रति जवाबदेह नहीं हैं।

बजट में किसानों को तोहफा !

किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट 3 लाख से बढ़कर हो सकती है पांच लाख

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय बजट 1 फरवरी 2025 को संसद में पेश किया जाएगा और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इस बजट में मोदी सरकार के अगले कुछ सालों के लिए रोडमैप पेश करेंगी जिसके साथ देश के करोड़ों लोगों की अपेक्षाएं जुड़ी हुईं हैं। केंद्र सरकार के सामने करोड़ों उम्मीदों को पूरा करने के लिए इस बजट में काफी संभावनाएं हैं। अब इसी कड़ी में किसान क्रेडिट कार्ड की उधारी लिमिट को लेकर भी अच्छी खबर आई है।

किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने पर विचार-सूत्र

वित्त मंत्रालय से जुड़े एक आधिकारी या सूत्र ने बताया कि किसान क्रेडिट कार्ड के तहत उधार की सीमा जल्द ही 5 लाख रुपये की जा सकती है जो फिलहाल 3 लाख रुपये है। अभी किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड के जरिए 3 लाख रुपये तक का उधार मिलता है जिसकी लिमिट इस बजट में बढ़कर 5 लाख रुपये तक जा सकती है। बजट में सरकार 3 लाख रुपये की क्रेडिट लिमिट को बढ़ाकर 5 लाख रुपये करने की योजना बना रही है। बिजनेस स्टैंडर्ड की एक खबर के मुताबिक ये सूचना मिली है।

लंबे समय से सरकार के सामने केसीसी की लिमिट बढ़ाने की मांग

सरकार के पास किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने की मांग लगातार आती रहती है और केसीसी की उधारी की सीमा काफी पहले बढ़ाई गई थी। पिछली बार से ये 3 लाख रुपये पर ही है। किसान क्रेडिट कार्ड पर उधारी की सीमा 3 लाख से बढ़कर 5 लाख रुपये करने का विचार इसलिए सरकार के सामने है क्योंकि इससे किसानों खासकर छोटे व सीमांत किसानों की मदद होगी और इसके बाद रूरल डिमांड यानी ग्रामीण मांग में भी इजाफा देखा जा सकता है जिसके जरिए गांवों की अर्थव्यवस्था में भी सुधार देखा जाएगा।

क्या है किसान क्रेडिट कार्ड

किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना भारत सरकार की एक योजना है। इसके तहत किसानों को खेती के कामों के लिए समय पर और पर्याप्त उधार दिया जाता है। इस योजना के तहत किसानों को कई तरह के फ़ायदे मिलते हैं- किसान एक ही जगह से कई तरह की कृषि जरूरतों के लिए लोन ले सकते हैं और आवेदन प्रक्रिया आसान है। किसानों को 2 परसेंट की ब्याज़ छूट और 3 परसेंट का क्विक रीपेमेंट इंसेंटिव दिया जाता है।

सोना-चांदी में रही तेजी:सोना 514 बढ़कर 78018 पर पहुंचा, चांदी 2147 महंगी होकर 90268 प्रति किलो बिक रही

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। इस हफ्ते सोने-चांदी के दाम में तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार, पिछले शनिवार यानी 4 जनवरी को 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का दाम 77,504 रुपए था, जो अब यानी 11 जनवरी को 78,018 रुपए पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसके दाम 514 रुपए बढ़े हैं। वहीं इस हफ्ते चांदी 2,147 रुपए महंगी होकर 90,268 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है। पिछले शनिवार को ये 88,121 रुपए प्रति किलो पर थी। सोने ने पिछले साल 30 अक्टूबर को 79,681 प्रति 10 ग्राम का ऑल टाइम हाई बनाया था। वहीं, चांदी 23 अक्टूबर 2024 को 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 73,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,800 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 73,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,640 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 73,000 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 79,640 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 73,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,640 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,700 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 72,850 रुपये है।

आप 10 घंटे में दुनिया बदल सकते हैं

वर्क-लाइफ बैलेंस पर बोले आनंद महिंद्रा

नई दिल्ली ,11 जनवरी (एजेंसियां)। महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने शनिवार को कहा कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने की कुंजी 'काम की गुणवत्ता' है न कि 'काम की मात्रा'। उन्होंने देश के टॉप कॉर्पोरेट लीडर्स द्वारा शुरू किए गए कार्य-घंटे बैलेंस पर चल रही बहस पर बात की। राष्ट्रीय राजधानी में 'विकसित भारत युवा नेता संवाद 2025' कार्यक्रम में बोलते हुए, महिंद्रा ने खचाखच भरे सदन में कहा कि यह बहस गलत दिशा में जा रही है। बिजनेस लीडर ने चुटकी लेते हुए कहा, "मैं नारायण मूर्ति और दूसरे कॉर्पोरेट लीडर्स का बहुत सम्मान करता हूं। मेरा कहना है कि हमें काम की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, न कि काम की मात्रा पर। इसलिए यह 70 या 90 घंटे काम करने के बारे में नहीं है।" आनंद महिंद्रा ने आगे कहा कि यह काम के आउटपुट पर निर्भर करता है और आप 10 घंटे में दुनिया बदल सकते हैं। जब उनसे पूछा गया कि वे काम पर कितने घंटे लगाते हैं, तो उन्होंने कहा, मैं नहीं चाहता कि यह समय के बारे में हो। मैं नहीं चाहता कि यह मात्रा के बारे में हो। मुझसे पूछें कि मेरे काम की गुणवत्ता क्या है। मुझसे यह न पूछें कि मैं कितने घंटे काम करता हूं। उनके अनुसार, रिन्यूएबल एनर्जी का उनका स्रोत "युवा लोगों के साथ बातचीत कर अपनी बैटरी रिचार्ज करना" है। उन्होंने कहा, आज, मैं अपनी सभी उम्मीदों पर खरा

उतरा, इसलिए मेरी बैटरी पूरी तरह से चार्ज हो गई है। इस हफ्ते वर्क-लाइफ बैलेंस पर विवाद तब शुरू हुआ जब एलएंडटी के चेयरमैन एस.एन. सुब्रह्मण्यन ने कर्मचारियों को रविवार सहित सप्ताह में 90 घंटे काम करने का सुझाव दिया। आलोचनाओं का सामना करने के बाद, कंपनी ने कहा कि चेयरमैन की टिप्पणी राष्ट्र निर्माण की बड़ी महत्वाकांक्षा को दर्शाती है। बॉलीवुड सुपरस्टार दीपिका पादुकोण से लेकर आरपीजी ग्रुप के चेयरपर्सन हर्ष गोयनका तक, शीर्ष हस्तियों ने सुब्रह्मण्यन की टिप्पणी की निंदा की। इस बीच, युवा मामलों का विभाग 10-12 जनवरी को भारत मंडपम में 'विकसित भारत युवा नेता संवाद' का आयोजन कर रहा है। यह आयोजन राष्ट्रीय युवा महोत्सव का नया रूप है, जिसका उद्देश्य युवाओं को 'विकसित भारत' के लिए इनोवेटिव सॉल्यूशन पेश करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करना है।

अमेरिका-रूस के बीच शुरू हुआ खेल, 3 महीने की ऊंचाई पर पहुंचा कच्चा तेल?

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका और रूस के बीच एक बार फिर ऐसा खेल शुरू हो गया है, जिससे सिर्फ भारत ही नहीं तमाम क्रूड ऑयल इंपोटर्स को परेशानी होने वाली है, जो अपनी जरुरत का 80 फीसदी कच्चा तेल इंपोर्ट करते हैं। वास्तव में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूसी कच्चे तेल और गैस रिफाइनरीज पर फिर से नए प्रतिबंध लगा दिए हैं। जिसकी वजह से इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल के दाम में कारोबारी सत्र के दौरान 4 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिली और कीमतें 3 महीने की ऊंचाई पर पहुंच गए। 7 अक्टूबर के बाद खाड़ी देशों के बाद कच्चा तेल 80 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचा।वहीं दूसरी ओर कच्चे तेल की कीमतों इजाफे बाद भारत की उन उम्मीदों को काफी गहरा झटका लगा है, जिसमें माना जा रहा था कि पेट्रोल और डीजल के दाम जल्द कम होंगे। आखिरी बार पेट्रोल और डीजल के दाम मार्च 2024 में कम हुए थे। तब से अब तक देश के चारों महानगरों में पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल के दाम कितने हुए हैं। साथ ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर इसका क्या असर देखने को मिल सकता है?

महीने की ऊंचाई पर कच्चा तेल

सप्ताह के आखिरी कारोबारी इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की कीमत में 3 फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला और 3 महीने की ऊंचाई पर बंद हुए। रूसी तेल और गैस रेवेन्यू को टारगेट करने के लिए अमेरिकर की ओर से नए प्रतिबंध लगाने शुरू कर दिए हैं। राष्ट्रपति जो बिडेन के प्रशासन ने मॉस्को के तेल प्रोडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन के हर फेज को प्रभावित करने के लिए रूसी तेल प्रोड्यूसर्स, टैंकर्स, व्यापारियों और बंदरगाहों को लक्षित करते हुए नए प्रतिबंध लगाए। ब्रेंट क्रूड वायदा 7 अक्टूबर के बाद पहली बार 80 डॉलर प्रति बैरल को पार करने के बाद 2.84 डॉलर या 3.7 फीसदी की बढ़त के साथ 79.76 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड यानी अमेरिकी तेल 2.65

डॉलर या 3.6 फीसदी बढ़कर 76.57 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ, जो तीन महीने का उच्चतम स्तर भी है।

भारत कर रहे ऑप्शंस की तलाश

रूसी तेल व्यापार और भारतीय रिफाइनिंग के सूत्रों ने रॉयटर्स को बताया कि प्रतिबंधों से उसके प्रमुख खरीदारों भारत और चीन को रूसी तेल निर्यात गंभीर रूप से बाधित होगा। एनर्जी आउटलुक एडवाइजर्स के मैनेजिंग पार्टनर अनस अल्हाजी ने सोशल नेटवर्क एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि भारत और चीन दोनों ने ऑप्शंस की तलाश शुरू कर दी है। यूबीएस के विश्लेषक जियोवन्नी स्टैनोवो ने कहा कि प्रतिबंधों से रूसी तेल निर्यात की मात्रा में कटौती होगी और यह अधिक महंगा हो जाएगा।

पहली तिमाही में डिमांड में होगा इजाफा

स्टौनोवो ने कहा, उनका समय, नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सत्ता से कुछ दिन पहले, यह संभावना बनाता है कि ट्रम्प प्रतिबंधों को बरकरार रखेंगे और यूक्रेन शांति संधि के लिए बातचीत के उपकरण के रूप में उनका उपयोग करेंगे। जेपी मॉर्गन के विश्लेषकों ने एक नोट में शुक्रवार को कहा कि अनुमान है कि 2025 की पहली तिमाही में ग्लोबल तेल की मांग में साल-दर-साल 1.6 मिलियन बैरल प्रति दिन की उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जो मुख्य रूप से हीटिंग ऑयल, केरोसीन और एलपीजी की मांग से बढ़ी है।देश के चारों महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत में 10 महीने से कोई बदलाव देखने नहीं मिला है। 11 जनवरी को वो ही दाम लागू रहेंगे जो दो रुपए की कटौती के बाद 15 मार्च 2024 को थे। उससे पहले सरकार ने देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत में 2 रुपए की कटौती का ऐलान किया था।

अडानी की कुल जितनी कमाई

उससे ज्यादा इस कंपनी ने एक साल में कमा लिया, आखिर क्या करती है ऐसा?

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी का नाम देश-दुनिया के अमीरों में शुमार है। इनकी गिनती दुनिया के टॉप 20 अमीरों में होती है। इनके ग्रुप की कई कंपनियां अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। वहीं दुनिया की एक बड़ी कंपनी ने अडानी की कुल संपत्ति को पीछे छोड़ दिया है। इस कंपनी ने साल 2024 में गौतम अडानी की कुल नेटवर्थ से ज्यादा रेवेन्यू कमाया है। इस कंपनी का नाम टीएसएमसी है। टीएसएमसी दुनिया की सबसे बड़ी चिप मैन्युफैक्चरिंग कंपनी है। यह कंपनी ऐपल से लेकर एनवीडिया जैसे दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियों के लिए सेमीकंडक्टर बनाती है। साल 2024 की दिसंबर तिमाही में इस कंपनी ने रेकॉर्ड रेवेन्यू कमाया है। वहीं साल 2024 में कंपनी का कुल रेवेन्यू भी जबरदस्त रहा है।

कैसे छोड़ा अडानी को पीछे?

सीएनबीसी की एक खबर के मुताबिक इस कंपनी का दिसंबर तिमाही में रेवेन्यू 26.3 अरब डॉलर रहा है। यह साल-दर-साल के मुकाबले 38.8 फीसदी ज्यादा है। वहीं बात अगर पूरे साल यानी 2024 की करें तो इस कंपनी का रेवेन्यू 88 अरब डॉलर रहा है। यह कंपनी 1994 में ताइवान शेयर मार्केट में लिस्ट हुई थी। तब से लेकर अब यह इसका सबसे ज्यादा सालाना रेवेन्यू है। वहीं दूसरी ओर ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक अडानी की नेटवर्थ 71.1 बिलियन डॉलर है। इतनी संपत्ति के साथ अडानी दुनिया के 20वें सबसे अमीर शख्स हैं। ऐसे में देखा जाए तो टीएसएमसी का एक साल का रेवेन्यू अडानी की कुल नेटवर्थ के मुकाबले ज्यादा है।

कैसे बढ़ा कंपनी का रेवेन्यू?

काउंटरपॉइंट रिसर्च के एसोसिएट डायरेक्टर ब्रैडी वांग के मुताबिक टीएसएमसी को एआई की मजबूत मांग से काफी लाभ हुआ है। टीएसएमसी को दुनिया में सबसे उन्नत चिप निर्माता के रूप में देखा जाता है। यह कंपनी काफी एडवांस सेमीकंडक्टर बनाने में सक्षम है। कंपनी में बनी ए I चिप्स की मांग बहुत ज्यादा है। खास तौर से एनवीडिया कंपनी में मांग काफी है। एनवीडिया कंपनी जो एआई ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) बनाती है, उसमें टीएसएमसी कंपनी की चिप का इस्तेमाल होता है। पिछले 12 महीनों में टीएसएमसी के शेयरों में 88 फीसदी की तेजी आई है।

एपल के सीईओ की सैलरी 18 फीसदी बढ़कर 74.6 मिलियन डॉलर हुई, एपल ने क्या दिए तर्क

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। क्या आप जानते हैं कि आईटी जाएंट एपल के सीईओ टिम कुक की सैलरी भारत के 32 हजार लोगों की सालाना कमाई से भी अधिक है। 18 फीसदी हाइक के बाद टिम कुक की सालाना सैलरी 74.6 मिलियन डॉलर की भारत की सालाना प्रति व्यक्ति औसत आमदनी 1,84,205 रुपये से तुलना कर इसे आसानी से निकाला जा सकता है। भारत की प्रति व्यक्ति आय का आंकड़ा दिल्ली सरकार की ओर से जारी स्टैटिसटिक्स हैंडबुक से लिया गया है। एपल ने हाल ही में अपने सीईओ की सालाना सैलरी 18 फीसदी बढ़ाने की घोषणा की है। इस तरह उनकी सैलरी 2023 के 63.2 मिलियन डॉलर से बढ़कर 2024 में 74.6 मिलियन डॉलर हो गई है।

टिम कुक के स्टॉक अवार्ड वैल्यू का दिया हवाला

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एपल ने टीम कुक की सैलरी इतना अधिक बढ़ाने के पीछे उनके स्टॉक के अवार्ड वैल्यू का हवाला दिया है। एपल का यह फैसला 25 फरवरी को होने वाली कंपनी की एनुअल जेनरल मीटिंग यानी एजीएम से ठीक पहले आया है। टिम कुक की सैलरी समेत निवेशकों की ओर से आए चार प्रपोजल पर भी एजीएम में वोटिंग हो सकती है। एपल मैनेजमेंट ने इनके अलावा बाकी प्रपोजल को एजीएम में लाने का विरोध किया है। चार प्रपोजल के अलावा बाकी सभी को ब्लॉक कर दिया गया है।

एपल का डाइवर्सिटी, इक्विटी, इन्क्लूजन प्रोग्राम बंद नहीं होगा

एक निवेशक की ओर से एपल में चल रहे डाइवर्सिटी, इक्विटी और इन्क्लूजन प्रोग्राम को बंद करने का भी प्रपोजल लाया गया है, लेकिन इसे एजीएम में ले जाने से पहले ही खारिज कर दिया गया। इस प्रपोजल पर साफ कहा गया है कि यह प्रोग्राम बंद नहीं होगा। यह कहीं से भी भेदभाव को बढ़ावा नहीं दे रहा है। इससे पैदा होने वाले कानूनी जोखिमों का भी आकलन कर लिया गया है।

'इस साल भारतीय अर्थव्यवस्था रह सकती है थोड़ी सुस्त' आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा का कहना है कि स्थिर वैश्विक वृद्धि के बावजूद इस साल भारतीय अर्थव्यवस्था थोड़ी कमजोर रह सकती है। उन्होंने इस बात भी जोर दिया कि उन्हें इस वर्ष विश्व में काफी अनिश्चितता की आशंका है, खासकर अमेरिका की व्यापार नीति को लेकर।जॉर्जीवा ने शुक्रवार को पत्रकारों के एक समूह के साथ अपनी वार्षिक मीडिया बैठक में कहा कि 2025 में वैश्विक वृद्धि स्थिर रहने की उम्मीद है, लेकिन इसमें क्षेत्रीय भिन्नताएं होंगी। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारतीय अर्थव्यवस्था 2025 में थोड़ा कमजोर होगी, हालांकि उन्होंने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया।उन्होंने कहा, 'अमेरिका की अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन कर रही है, जबकि यूरोपीय संघ में विकास धीमा हो रहा है। चीन में महंगाई कम हो रही है और घरेलू मांग भी कम है। ब्राजील महंगाई का सामना कर रहा है और कम आय वाले देशों के लिए नई आर्थिक समस्याएं आ सकती हैं।

'मैं सप्ताह में 100 घंटे काम करता हूं...', 90 घंटे काम करने वाली बहस पर बोले सीईओ दीपक शेनॉय

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। लार्सन एंड टूब्रो (एल एंड टी) के चेयरमैन एसएन सुब्रह्मण्यन के सप्ताह में 90 घंटे काम करने के बयान ने सोशल मीडिया पर कार्य संतुलन को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। अब इस मामले पर एक और कारोबारी कैपिटलमाइंड के संस्थापक और सीईओ दीपक शेनॉय की प्रतिक्रिया सामने आई है। जिसमें उन्होंने उत्पादकता और कार्य संतुलन पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि, वे अक्सर सप्ताह में 100 घंटे से ज्यादा काम करते हैं। एसएन सुब्रह्मण्यन के बाद एक्स पर कैपिटलमाइंड के संस्थापक और सीईओ दीपक शेनॉय ने लिखा कि मैंने अपने पूरे कार्यकाल में शायद सप्ताह में 100 घंटे काम किया है, लेकिन उसमें से अधिकांश काम मैंने एक कारोबारी के तौर पर किया है। आपको काम के घंटे लागू करने की जरूरत नहीं है, जो लोग प्रेरित हैं वे खुशी से काम करेंगे। वैसे भी अधिकतर असली काम दिन में 4-5 घंटे में होता है, लेकिन आपको नहीं पता कि ऐसा कब होता है। दीपक शेनॉय ने आगे लिखा कि मुझे अभी भी बैठकों को काम कहना मुश्किल लगता है, लेकिन इसमें उस काम से ज्यादा ऊर्जा लगती है जिसे मैं काम कहता हूं। कुछ हद तक यह काम 'एक्स' घंटे का तर्क मेरे लिए समझ से परे है। जब मैं खेलता हूं, तो मैं जमकर खेलता हूं। जब मैं काम करता हूं, तो मैं जमकर काम करता हूं। एसएन सुब्रह्मण्यन की टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर जमकर लोगों और सेलेब्रिटी की ओर से प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं। उद्योगपति हर्ष गोयनका ने एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में लिखा कि सप्ताह में 90 घंटे? संडे का नाम बदलकर 'सन-ड्यूटी' क्यों न कर दिया जाए और 'छुट्टी का दिन' को एक मिथकीय अवधारणा क्यों न बना दिया जाए? मैं कड़ी मेहनत और समझदारी से काम करने में विश्वास करता हूं, लेकिन जीवन को एक सतत कार्यालय शिफ्ट में बदल देना? यह सफलता नहीं, बल्कि बर्नआउट का नुस्खा है। वहीं इस मामले पर अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने कहा कि, ऊंचे पदों पर बैठे लोगों के मुंह से इस तरह का बयान सुनना चौंका देने वाला है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य - उत्तरायणे - ऋतु - शिशिर
महावीर निर्वाण संवत -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय -06-52
सूर्यास्त -17-56
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी . 05-03 तक उपरान्त पूर्णिमा
मास - पौष शुक्ल , रविवार 12 January
नक्षत्र - मृगशिरा 11-24 तक उपरान्त आर्द्रा
योग - ब्रह्म 09-08 तक उप ऐन्द्र
करण- गर 17-45 तक उप वणिज
विशेष:- स्वामी विवेकानंद जन्म
व्रत -त्योहार - मरूधरकेसरी मिश्रिलाल पु

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु	मे	धनु----	04-56 बजे
चंद्र-	मिथुन	मे	मकर...	07-01 बजे
मंगल	कर्क	मे	कुंभ -	08-52 बजे
बुध-	धनु	मे	मीन-	10-29 बजे
गुरु-	वृष	मे	मेष---	12-05 बजे
शुक्र-	कुंभ	मे	वृष---	13-50 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मिथुन	15-52 बजे
राहु-	मीन	मे	कर्क...	18-03 बजे
केतु-	कन्या	मे	सिंह---	20-15 बजे
			कन्या---	22-22 बजे
			तुला----	00-28 बजे
			वृश्चिक..	02-37 बजे

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 16:35 से 17:59 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	06:52 - 08:14	अशुभ	शुभ.	17:56 - 19:35	शुभ
चंचल.	08:14 - 09:37	शुभ	अमृत	19:35 - 21:12	शुभ
लाभ	09:37 - 11:01	शुभ	चंचल	21:12 - 22:48	शुभ
अमृत	11:01 - 12:25	शुभ	रोग	22:48 - 00:25	अशुभ
काल	12:25 - 13:48	अशुभ	काल	00:25 - 02:01	अशुभ
शुभ	13:48 - 15:12	शुभ	लाभ	02:01 - 03:38	शुभ
रोग .	15:12 - 16:35	अशुभ	उत्पात	03:38 - 05:14	अशुभ
उत्पात	16:35 - 17:56	अशुभ	शुभ	05:14 - 06:52	शुभ

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आपको छिपे हुए शत्रु से सावधान रहने की जरुरत है जो की आपके कार्य क्षेत्र में आपको नुकसान पंहुचा सकते है। वे आपके बारे में अति गोपनीयता से आपके बारे में गलत बाते आपके मालिक तक पंहुचा सकते है जिसका साक्ष्य भी आपको मिल सकता है अंत सावधान रहने की जरुरत है ।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपको आगे जाने से पहले अपने वित्तीय और कैरियर से संबंधित योजनाओं के अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों नतीजों पर विचार करना होगा । आपको कोई भी निर्णय लेने से पहले अपने कैरियर से संबंधित योजना का एक खाका तैयार करना होगा जिससे आप लाभ और हानि का विश्लेषण कर सके ।दोबारा अपने निर्णय का पुनर्मूल्यांकन करे ।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप ने हमेशा अपना कार्य भकूबी के साथ किया है और आज आप अपने वरिष्ठ अधिकारियों का समर्थन और अनुमोदन भी जीतेंगे। आपकी ईमानदारी, रचनात्मकता और काम के प्रति समर्पण देखा जायेगा और आपको इसका पुरस्कार ,फल या उपहार भी मिलेगा । आज का दिन अपने कार्य से संबंधित प्रतिबद्धताओं का पूरा करने में व्यस्त रहेगा , लेकिन फिर भी आप खुश और ऊर्जावान महसूस करेंगे ।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
जो लोग विलासिता के सामान के व्यवसायों में शामिल हैं , वे लोग आज बहुत लाभ में रहेंगे और साथ ही साथ जो लोग स्वरोजगार में हैं , वे भी अपनी दरों में बढ़ोतरी कर सकते हैं और साथ ही साथ मन वांछित राशि की प्राप्ति कर सकते हैं। उन लोगों पर ध्यान न दें जो लोग आपकी सराहना करने में विफल रहते हैं।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
शोध विधार्थियों को आज के दिन शुभ सन्देश मिल सकता है । जो विद्यार्थी आज के दिन प्रतियोगिता परीक्षा में भाग ले रहे है वे भी अपनी आशा से ज्यादा अछी परीक्षा देंगे परन्तु समय के अनुसार निर्णय और काम करना काफी महत्वपूर्ण होगा । इन घटनाओं से आपको जो अवसर मिल रहे है आपको शीघ्र अतिशीघ्र इनका उपयोग करना होगा अन्यथा अवसर हाथ से निकल सकता है ।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आपकी वित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि दिख रही है और आगे भी इसमें सुधार की संभावना है , परन्तु आप ऐसा महसूस करेंगे की आपके नियंत्रण से परे स्थितियां आपकी उत्पादकता और काम करने की क्षमता को प्रभावित कर रही है , लेकिन आपका डर निराधार हैं। यहां तक कि आपके वरिष्ठ अधिकारी इस चीज़ को समझते हैं और आपके हालातो के साथ हमदर्दी भी रखते है और आपके काम में समर्थन भी करेंगे ।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपको महसूस होगा की अपनी नौकरी में आपको वह संतुष्टि नहीं मिली जो आप चाहते थे और आज आप अपनी नौकरी छोड़ने के लिए अंतिम कदम भी उठा सकते हैं , हालांकि यह एक बुरी बात नहीं है क्यों की बहुत जल्द ढेर सारे सुनहरे अवसर आपके पास आ सकते है और आप जो चाहते थे , वो हो सकता है , हालाँकि प्रारंभिक।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आपको लगेगा की कुछ चीजों पर आपका नियंत्रण नहीं हैं और उनकी वजह से आप अपना सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन नहीं कर पा रहे है । लेकिन विश्वास रखे । आप ईमानदार और मेहनती है। यहां तक की आपके मालिक आपकी बाधा और परेशानी को समझते हैं, इसलिए आप ईमानदार रहे और हमेशा की तरह काम करते रहे ।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
कुछ हफ्तों से एक प्रवृत्ति को बल मिल रहा था और उसका परिणाम आज दिखाई देगा। परिणाम दोहन करने के लिए अपने आप को तैयार रखे । योग्य व्यक्तियों से मेल जोल बढ़ा कर रखे । सकरात्मक बातचीत से एक अभिनव व्यापार विचार को गति मिलेगी । जो आपके पास है उससे आपको संतुष्ट रहना चाहिए । लालच को बढ़ने न दे।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आप बहुत आत्मविश्वास महसूस नहीं कर रहे हैं, लेकिन यह महत्वपूर्ण है की आप अपनी अनिश्चितता को छुपाके रखे । भ्रम की अपनी भावनाओं को छुपाके रखे अन्यथा लोग आपकी क्षमता पर शक करेंगे और आप एक महत्वपूर्ण समझौते से हाथ धो सकते है । आपको एक सकारात्मक दृष्टिकोण को बनाए रखने की जरूरत है।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आप क्षमावान रहेंगे और उन्हें भी माफ़ करेंगे जिन्होंने आपके साथ गलत किया है । चाहे वे आपके सहकर्मी हो जिन्होंने जलन की वजह से आपको नुकसान पहुँचाने कोशिश की या आपका क्रूर मालिक जिसने कभी आपकी बात नहीं सुनी और हमेशा से आपकी प्रगति में बाधा उत्पन्न की । आपकी वितीय स्थिति उच्च रहेगी हालाँकि आपको लाभ के लिए जोखिम उठाने पड़ सकते है ।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
जैसे जैसे दिन आगे की और बढ़ेगा ये और बेहतर होता चला जाएगा। आपने पिछले कुछ दिनों में जो निराशाओं का अनुभव किया है , उनका अंत हो जाएगा और आप आशावादिता की ताजा हवा में सांस ले सकते हैं। आपके वरिष्ठ अधिकारी आपकी क्षमता के अनुरूप कठिन मुद्दों से निपटने के लिए आपको पुरस्कृत भी कर सकते है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

डेप्युटी सीएम अरुण साव का गुस्सा

हाथ लगाते ही उखड़ी सड़क तो ठेकेदार को दी धमकी, अफसरों को भी चेताया

रायपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी में मोवा ओवरब्रिज की घटिया मरम्मत पर छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री और पीडब्ल्यूडी मंत्री अरुण साव भड़क गए। नई सड़क 24 घंटे भी नहीं टिक पाई और उखड़ने लगी। मंत्री खुद निरीक्षण करने पहुंचे और डामर को हाथ लगाते ही वह उखड़ गया। ठेकेदार और इंजीनियरों को जमकर फटकार लगाई गई। पूरी जांच के आदेश दिए गए और पेमेंट रोक दिया गया।

24 घंटे में ध्वस्त होने लगी सड़क

रायपुर के मोवा ओवरब्रिज पर हाल ही में मरम्मत का काम हुआ था। करीब एक हफ्ते तक आवाजाही बंद रही। लेकिन मरम्मत के बाद नई सड़क 24 घंटे भी नहीं चल पाई। डामर उखड़ने लगा। यह खबर जब उपमुख्यमंत्री और पीडब्ल्यूडी मंत्री अरुण साव तक पहुंची तो वे खुद मौके पर पहुंच गए। मंत्री ने खुद अपने हाथों से डामर की जांच की। डामर उनके हाथ में ही उखड़ गया। सड़क रेत की तरह बिखरने लगी। यह देखकर मंत्री साव का पारा चढ़ गया। उन्होंने मौके पर मौजूद इंजीनियर को जमकर फटकार लगाई। 'यह क्या है, इसे देखा क्यों नहीं गया? क्या ऐसे ही काम करवाते हो?' ठेकेदार भी वहां मौजूद था। हाथ जोड़कर कहने लगा, 'गलती हो गई ठीक करवा दूंगा।' इस पर मंत्री साव और भड़क गए। उन्होंने कहा, 'ठीक करके कोई अहसान नहीं करोगे।' मंत्री ने पूरे निर्माण कार्य की जांच के आदेश दे दिए हैं।

मंत्री साव के निरीक्षण के दौरान आईएएस डॉ. कमलप्रीत सिंह भी मौजूद थे। मंत्री ने उनसे कहा, 'सचिव जी इसको दिखवाइए, पूरी जांच होनी चाहिए।' पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को भी चेतावनी दी गई कि किसी भी तरह का भुगतान नहीं होना चाहिए। 'पेमेंट हुआ तो सैलरी से कटेगा ये बात समझ लीजिए आप लोग।'

विभाग के अधिकारियों ने इंजीनियर से तीन दिन में रिपोर्ट मांगी है। साथ ही कहा है कि 14 तारीख को जो भी कार्रवाई करनी होगी, करेंगे। पीडब्ल्यूडी ने जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। जांच में पाया गया कि डामरीकरण के दौरान डामर तय मानक से ज्यादा गर्म था। इस वजह से गिट्टी आपस में नहीं चिपक पाई और सड़क बिखर गई। यह घोर लापरवाही मानी गई है।

जांच में यह पता लगाया जाएगा कि डामरीकरण में खराबी क्यों आई और कौन-कौन अधिकारी इसके लिए जिम्मेदार हैं। मुख्य अभियंता स्तर के अधिकारियों से तीन दिन में रिपोर्ट मांगी गई है। मोवा रेलवे ओवरब्रिज पर 3 से 8 जनवरी तक मरम्मत का काम चला था। लेकिन काम पूरा होने के तुरंत बाद ही उसकी पोल खुल गई। अब जहां डामर से गिट्टी निकल रही है, वहां फिर से काम किया जा रहा है।

आठवीं मंजिल की गिरी छत, 2 की मौत

ढलाई के दौरान हादसे में 6 घायल, इनमें बिहार के मजदूर भी, सिर और पैरों में चोट

रायपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। रायपुर के वीआईपी रोड पर निर्माणाधीन 8 मंजिला इमारत की छत गिर गई। हादसे में 2 मजदूरों की मौत हो गई है। मृतक का नाम रहमत खान है। वहीं छत के मलबे में दबने से करीब 6 मजदूर घायल हो गए हैं। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है। मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का मामला है। मिली जानकारी के अनुसार अविनाश एलिगेंस बिल्डिंग की 8वीं मंजिल पर छत की ढलाई का काम चल रहा था, तभी साढ़े 3 बजे के आसपास छत का एक हिस्सा गिर गया। इसके साथ ही सेंट्रिंग प्लेट और लोहे का स्टैंड भी गिर गया। इसके नीचे सभी मजदूर दब गए। घायलों में बिहार के 2 मजदूर भी शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शी मिस्त्री चंदन ने बताया कि ढलाई का काम चल रहा था। ढलाई के दौरान 8वें फ्लोर पर जितने लोग थे, सभी गिरे और मलबे में दब गए थे।

शहर के करीब पहुंचा बाघ, दहशत में लोग

मिले बाघ के पंजे के निशान, लोगों ने कहा- बच्चों को घर से बाहर निकलने नहीं दे रहे

जमशेदपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। जमशेदपुर के चांडिल के तुलग्राम-खूंटी के जंगल में विचरण कर रहा बाघ अब शहर के करीब पहुंच गया है। डिमना लेक से दस किलोमीटर दूर टाटा-पटमदा रोड पर चिमटी गांव में बाघ होने की पुष्टि वन विभाग ने की है। चिमटी में पांच जगहों पर बाघ के पंजे के निशान पाए गए हैं। इसके बाद से ग्रामीण काफी दहशत में हैं। वो बहुत सावधानी के साथ घर से बाहर निकल रहे हैं। छोटे बच्चों को तो बाहर भी नहीं आने दे रहे हैं।

वन विभाग के मुताबिक, बाघ चिमटी में ही विचरण कर रहा है। गुरुवार को बाघ का लोकेशन दलमा पहाड़ के चिपिंगडाड़ी में मिला था। वहां भी पंजे के निशान पाए गए। गुरुवार रात बाघ ने एक मोर का शिकार भी किया, जिसके अवशेष वन विभाग को मिले हैं। बाघ के विचरण की सूचना से

आसपास के ग्रामीण डरे हुए हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पीसीसीएफ (प्रधान मुख्य वन संरक्षक) वाइल्ड लाइफ शशि शेखर सामंता दलमा पहुंचे। उन्होंने अपने स्तर से बाघ के होने की पड़ताल की। जहां बाघ के पंजे के निशान पाए गए, वहां अवलोकन किया। पीसीसीएफ ने बाघ के दलमा और आसपास के इलाके में होने की पुष्टि की। साथ ही ग्रामीणों को सतर्क रहने और घर के बाहर मुर्गी बांधने की सलाह दी।

पीसीसीएफ ने वन विभाग की टीम को लगातार गश्त लगाने का निर्देश दिया है। बाघ की खोजबीन के लिए ट्रैकिंग कैमरे भी लगाए गए हैं। पीसीसीएफ के साथ आरसीसीएफ स्मिता पंकज, डीएफओ सबा आलम अंसारी, रेंजर दिनेश चंद्रा, अपर्णा चंद्रा समेत वन विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद थे। जानकारी हो कि 31 दिसंबर को बाघ को तुलग्राम-खूंटी के जंगल में देखा गया था। बाघ के दलमा में मौजूदगी के लिए वन विभाग पआईपी (पग मार्क आईडेंटिफिकेशन पैग्स) अपना रहा है। इस तकनीक में आधा किमी का स्ट्रेच बनाया जाता है, जिसमें मिट्टी-बालू बिछाया जाता है। इसपर बाघ का मूवमेंट होगा तो उसके पैर के निशान दिखेंगे। पीआईपी तकनीक पर ही दो जगहों पर बाघ के पंजों के निशान मिले। वन विभाग ने चिमटी के अलावे पगदा, लायलम, गोबरघुसी आदि जगहों पर पीआईपी अपनाई है।

महतारी वंदन योजना 2.0, मिलेगा दोबारा मौका

निकाय चुनाव के बाद फिर से फॉर्म होंगे जारी कांग्रेस बोली- योजनाओं में हो रहा बंदरबांट

रायपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में लाखों महिलाएं ऐसी हैं, जिन्हें महतारी वंदन योजना के पैसे नहीं मिल रहे। इसकी वजह यह है कि उन्होंने पिछले साल इसका फॉर्म नहीं भरा। अब ऐसी महिलाओं को फिर से मौका मिलने जा रहा है। फिर से पोर्टल शुरू करते हुए आवेदन मंगवाए जाएंगे और महिलाओं को हर महीने 1 हजार रुपए मिलेंगे।

इसकी जानकारी खुद प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने जानकारी दी है। उन्होंने कहा- हम फिर से फॉर्म जारी करने जा रहे हैं, ऐसी महिलाएं जो छूट गईं, उन्हें फिर से मौका मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि, इसे निकाय चुनाव के बाद जारी किया जाएगा। वहीं कांग्रेस ने साय सरकार को घेरते हुए कहा कि अपात्रों पर इस सरकार की विशेष कृपा है। बंदरबांट के अनेकों मामले सामने आए हैं। मंत्री ने बताया कि इस वक्त 38 हजार के करीब महिलाओं को योजना की राशि नहीं मिल पा रही है। इसमें अलग-अलग कारण सामने आए हैं, अकाउंट आधार से लिंक न होना, खाता बंद होना या दूसरा खाता शुरू करना। इसमें हर केस को देखकर व्यवस्था ठीक करने और महिलाओं को पैसे दिए जाने पर विभाग ने काम शुरू कर दिया है। छत्तीसगढ़ की सरकार एक नई योजना भी शुरू कर चुकी है। महतारी वंदन में जिस तरह से महिलाओं के खाते में 1 हजार रुपए हर महीने आते हैं। नई योजना में महिलाओं को 25 हजार रुपए दिए जाएंगे। हालांकि, ये राशि लोन के रूप में एकमुश्त होगी। इस योजना का नाम है 'महतारी शक्ति ऋण योजना'।

इस योजना का फायदा उन महिलाओं को मिलेगा जिनका खाता राज्य ग्रामीण बैंक में है। जिन महिलाओं को इस खाते में महतारी वंदन योजना की राशि मिलती है वो स्वरोजगार के लिए 25 हजार रुपए तक का लोन बिना किसी औपचारिकता के आसानी से ले पाएंगी। राज्य ग्रामीण बैंक इस योजना को मॉनिटर करेगा।

बस्तर जिले के तालुर गांव में महतारी वंदन योजना के लिए सनी लियोनी, पति जॉनी सीन्स के नाम का आवेदन डाला था। इस आवेदन को सुपरवाइजर और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने सत्यापित कर आगे फॉरवर्ड भी किया था। आरोपी का नाम वीरेंद्र जोशी था जिसने सनी के नाम का फर्जी आवेदन और बैंक खाता दिया था उसे गिरफ्तार कर लिया है। इस केस में तीन अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई की गई। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भाजपा सरकार में पात्र हितग्राही योजनाओं के लाभ से वंचित हैं। अपात्रों पर इस सरकार की विशेष कृपा है। सत्ता के संरक्षण में योजनाओं में बंदरबाट के अनेकों मामले रोज उजागर हो रहे हैं। अंबिकापुर में 40 साल की अपात्र महिला को वृद्धा पेंशन और महतारी वंदन दोनों। केवल सनी लियोनी ही नहीं महासमुंद जिले के घोड़ारी सरकारी स्कूल की शिक्षिका को भी महतारी वंदन का लाभ मिल रहा है।

झरिया विधायक के कार्यालय पर हमला

रागिनी सिंह के दफ्तर में तोड़फोड़ और फायरिंग, सामान चोरी, विरोधियों पर आरोप

धनबाद, 11 जनवरी (एजेंसियां)। धनबाद के झरिया में भाजपा विधायक रागिनी सिंह के कार्यालय पर शनिवार की सुबह बदमाशों ने हमला कर दिया। कतरास मोड़ स्थित कार्यालय में सुबह करीब 5 बजे हुई इस घटना में कार्यालय में तोड़फोड़ की गई और फायरिंग भी की गई। हमलावरों ने कार्यालय से कंप्यूटर समेत कई सामान भी चुरा लिए।

विधायक रागिनी सिंह ने इस घटना को विरोधियों की साजिश बताया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष द्वारा मुझे डराने, धमकाने और रोकने का प्रयास किया जा रहा है। शुक्रवार की शाम भी उनके कार्यालय के बाहर स्टाफ के साथ मारपीट की गई थी, जिसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई थी। इस बीच, झरिया थाना के इंस्पेक्टर शशि रंजन सिंह का कहना है कि उन्हें फायरिंग की कोई सूचना नहीं मिली है और न ही इस संबंध में कोई शिकायत दर्ज की गई है। हालांकि, मौके पर फायरिंग के निशान मिले हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मुंगेली स्टील प्लांट हादसा, तीन शव मिले

परिजन का हंगामा, पोस्टमॉर्टम के बाद शव लेने से इनकार, सरकारी नौकरी, 50 लाख मुआवजे की मांग

बिलासपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुंगेली में हुए स्टील प्लांट हादसे में 4 लोगों की मौत हुई है। 36 घंटे बाद शुक्रवार रात 11 बजे साइलो (लोहे का भारी स्टोरेज टैंक) को हटा लिया गया। साइलो हटने के 3-4 घंटे बाद शनिवार तड़के इंजीनियर समेत 3 लोगों के शव भी मलबे से निकाले गए। इससे पहले इलाज के दौरान एक मजदूर ने दम तोड़ दिया था।

पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया है। दो मृतकों के परिजन 50 लाख रुपए मुआवजे की मांग पर अड़े हैं। जबकि, इंजीनियर जयंत साहू के परिजनों ने 1 करोड़ रुपए मुआवजा और सरकारी नौकरी की मांग की है।

मृतकों के परिजन सिम्स में धरने पर बैठ गए। कंपनी और प्रशासन पर दबाव बनाने का आरोप लगाया गया है। एहतियात के तौर पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। पथरिया एसडीएम भरोसा राम ठाकुर ने कहा कि, शासन और कंपनी की ओर से जो आर्थिक सहायता राशि दी जा सकती है, उसके लिए प्रयास किया जा रहा है। 15 लाख रुपए मुआवजा देने के आश्वासन के बाद परिजन भड़क गए हैं।

जयंत साहू के परिवार की तरफ से अजीत साहू ने कहा कि हमारी कुछ ज्यादा डिमांड नहीं है। मृतक की सैलरी के हिसाब से मुआवजे की मांग की गई है। उनके छोटे-छोटे बच्चे हैं, जिनका भरणपोषण जरूरी है। कंपनी के कोई लोग नहीं आ रहे हैं। पुलिस प्रशासन और राजस्व अफसर बातचीत कर रहे हैं। समझौता करने के लिए दबाव बना रहे हैं। पुलिस प्रशासन शव लेकर जाने का दबाव बना रहे।

जिस प्लांट में हादसा हुआ उसका नाम कुसुम स्मेल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड है। इसकी शुरुआत 11 अगस्त 2020 को हुई थी। इसके डायरेक्टर संदीप अग्रवाल, आदित्य अग्रवाल, विशाल अग्रवाल और यश पोद्दार हैं। इस प्लांट में 350 से अधिक मजदूर काम करते हैं। यहां आयरन से कच्चा लोहा बनाने काम होता है।

हादसे के बाद कलेक्टर के निर्देश पर उद्योग विभाग के अफसरों ने शुरुआती जांच की, जिसमें मैनेजर और प्रबंधन की लापरवाही सामने आई है। यहां साइलो में क्षमता से अधिक लोड किया गया था, जिसके कारण हादसा हुआ और जोखिम उठाना पड़ा।

जांच रिपोर्ट के आधार पर सरगांव पुलिस ने प्लांट के ऑपरेशन मैनेजर अनिल प्रसाद, इंचार्ज अमित केडिया और प्लांट के प्रबंधकों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। कलेक्टर राहुल देव ने कहा कि, जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बताया जा रहा है कि, सालभर पहले शुरू हुए प्लांट में प्रबंधन ने प्रोडक्शन को शुरू करने में हड़बड़ी की है। बिना ट्रायल 20 दिन पहले ही साइलो को इंस्टॉल किया गया। इंस्टॉल भी कमजोर स्ट्रक्चर पर करने की बात सामने आई है।

साइलो इंस्टॉल करने के बाद बताया गया कि इसमें खराबी भी आई लेकिन फिर भी गंभीरता नहीं दिखाई गई। ओवरलोड के कारण साइलो का स्ट्रक्चर हिलने लगा था। इसे गुरुवार दोपहर क्रेन से ठीक किया जा रहा था तभी हादसा हो गया। इसी के नीचे सुपरवाइजर समेत कुछ कर्मचारी दब गए।

इस हादसे के बाद से कलेक्टर राहुल देव और एसपी भोजराम पटेल की मौजूदगी में बचाव कार्य जारी रहा। एसडीआरएफ के साथ ही एनडीआरएफ की टीम को भी बुलाया गया। कंटेनर का वजन ज्यादा होने की वजह से मशीनों के साथ जवान भी बेबस नजर आए। इसके बाद भिलाई और बिलासपुर से एक 400 और दूसरी 250 टन क्षमता वाली दो क्रेन मंगाई गई। असेंबल कर ऑपरेट करने में 8 घंटे लगे, लेकिन कुछ ही देर में यह फेल हो गया। दो बार हुकिंग वायर टूट गया। तब कंटेनर को गैस कटर से काटकर उसके अंदर जमा राख को बाहर निकाला गया। वजन कम होने के बाद रात करीब 11 बजे तीसरे प्रयास में सफलता मिली और कंटेनर को हटा लिया गया।

झारखंड से आतंकी संगठनों का 20 साल पुराना कनेक्शन

लश्कर से लेकर इंडियन मुजाहिद्दीन तक शामिल, दो साल में एक्यूआईएस के 11 अरेस्ट

रांची, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अलकायदा इन इंडियन सबकान्टिनेंट मॉड्यूल की एक्टिविटी झारखंड में बीते दो साल में बढ़ी है। झारखंड एटीएस और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल लगातार इनकी गतिविधियों पर नजर रखते हुए उन्हें गिरफ्तार भी कर रही है। शुक्रवार को ऐसे ही एक संदिग्ध शाहबाज की गिरफ्तारी लोहरदगा के चितरी गांव से हुई है। अलकायदा इन इंडियन सबकान्टिनेंट मॉड्यूल से जुड़े 11 संदिग्धों की गिरफ्तारी अब तक हो चुकी है।

ऐसा नहीं है कि झारखंड में आतंकी संगठनों का कनेक्शन नया-नया सामने आया है। झारखंड में न केवल अलकायदा इन इंडियन सबकान्टिनेंट मॉड्यूल की एक्टिविटी रही है बल्कि यहां से लश्कर-ए-तोएबा, आईएसआईएस, अलकायदा, सिम्मी, इंडियन मुजाहिद्दीन जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के आतंकी संगठनों से जुड़े लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। झारखंड से आतंकी संगठनों का कनेक्शन 20 साल पुराना है।

आतंकी संगठन का पहला कनेक्शन 28 जनवरी 2002 को सामने आया था। यहां उन

आतंकियों को मार गिराया था जिनके हाथ 22 जनवरी 2002 को कोलकाता में अमेरिकन सूचना केंद्र पर हुए हमले में था। इन दो आतंकियों को हजारीबाग के सदर थाना क्षेत्र के खिरगांव मुहल्ले में 28 जनवरी 2002 को मारा गया था। मारे गए आतंकियों के नाम इदरीश और सलीम था।

इदरीश की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जबकि सलीम ने अस्पताल में दम तोड़ा। उसने इलाज के दौरान पुलिस को बयान दिया था कि दोनों पाकिस्तानी हैं। लश्कर-ए-तोएबा संगठन के लिए काम करते थे। उन्होंने पुलिस को यह भी बताया कि कोलकाता में 22 जनवरी 2002 को हुए अमेरिकन सूचना केंद्र पर हमला करने में उनका हाथ था।

बीते दो दशक में राज्य में हुई आतंकियों की गिरफ्तारी के लोकेशन बताते हैं कि रांची, जमशेदपुर, हजारीबाग और लोहरदगा ऐसे क्षेत्र हैं, जिसे आतंकी संगठनों ने सेंटर बनाया था। बीते दो साल में अलकायदा इन इंडियन सबकान्टिनेंट मॉड्यूल के जितने भी आतंकी अरेस्ट किए गए हैं, उनकी गिरफ्तारी इन्हीं जिलों से की गई है। एटीएस के आंकड़े के मुताबिक शुक्रवार को अलकायदा इन इंडियन सबकान्टिनेंट मॉड्यूल शाहबाज की गिरफ्तारी के बाद से अब तक 11 संदिग्धों को अरेस्ट किया गया है। इन 11 में आधे से अधिक झारखंड से हैं। जमशेदपुर से आतंकी संगठन का पुराना कनेक्शन सामने आ चुका है। शहर में अलकायदा, सिम्मी, इंडियन मुजाहिद्दीन, लश्कर ए तैयबा जैसे संगठनों से जुड़े लोग रह रहे थे। जिन्हें अलग-अलग समय में गिरफ्तार किया गया है। वहीं अंडरवर्ल्ड सरगना दाउद इब्राहिम के गिरोह का भी कनेक्शन आ चुका है। बात गिरफ्तारियों की करें तो गुजरात एटीएस ने 25 दिसंबर 2020 को मानगो सहारा सिटी से अब्दुल माजिद कुट्टी को अरेस्ट किया गया था। वहीं लंदन एयरपोर्ट ब्लास्ट में मारे गए मो कफिल और उसके भाई सबिल का भी कनेक्शन मानगो क्षेत्र से रहा है। अलकायदा से जुड़े धातकीडीह निवासी मो सामी, आजादनगर क्रास रोड नंबर 12 निवासी मो कलीमुद्दीन मुजाहिरी, नसीम अख्तर, धातकीडीह निवासी म. मोनू, अब्दुल रहमान कटकी समेत कई लोगों को दिल्ली की स्पेशल सेल और झारखंड एटीएस ने अरेस्ट किया। दिल्ली के सलीमपुर से अलकायदा के भारत प्रमुख मो आसिफ को गिरफ्तार किया गया था। उसकी बहन भी मानगो में रहती थी।

अल-कायदा इन इंडियन सब-कॉन्टिनेंट (एक्यूआईएस) की शुरुआत 2014 में पूर्व अल-कायदा चीफ अयमान अल-जवाहिरी ने की थी। पाकिस्तान मूल का असीम उमर इसका शुरुआती सदस्य था।

हाइवा ने बाइक को मारी टक्कर

लातेहार, 11 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के लातेहार जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 77 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि उनका पोता गंभीर रूप से घायल हो गया। बालूमाथ-खलारी मुख्य सड़क पर भगिया गांव के पास यह हादसा उस समय हुआ, जब एक तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक सवार दादा-पोते को टक्कर मार दी। मृतक की पहचान प्रयाग गोप के रूप में हुई है, जबकि उनका 28 वर्षीय पोता सुमित कुमार यादव गंभीर रूप से घायल है। दोनों बालूमाथ थाना क्षेत्र के मनसिघा के निवासी हैं। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

सूट-बूट पहनकर चोरी करना नया ट्रेंड

38 लाख की चोरी से सवालों के घेरे में पुलिस-प्रशासन

रांची, 11 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड की राजधानी रांची के कांके रोड स्थित ईश्वरी एंक्लेव में लाखों की चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है। इसको लेकर गोंदा थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। जिसमें लगभग 30 लाख के गहने और 8.30 लाख रुपए नगद की चोरी की बात कही गई है।

चोरी की वारदात को गिरोह ने तब अंजाम दिया, जब घर में कोई नहीं था और ताला लगा हुआ था। लेकिन इसमें सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि चोर गिरोह पूरे ठाट बाट में कार से चोरी करने पहुंचा था। सूट बूट पहने हुए चोर गिरोह के सदस्यों ने पहले घर का ताला तोड़ा। फिर चोरी की घटना को अंजाम देकर आराम से कार में सवार होकर रफूचक्कर हो गया। चोरों के इस कारनामे की तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। जिसकी वजह से यह पता चल पाया कि अब सूट बूट में भी चोर गिरोह चोरी करने निकल रहा है।

चोरी की यह वारदात कांके रोड स्थित ईश्वरी एंक्लेव में कांट्रेक्टर जसवंत सिंह के घर में हुई। चोरों की तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। जिसमें सभी सूट बूट पहनकर कार से चोरी करने आए थे। कांट्रेक्टर की पत्नी शुक्रवार दिन में घर में ताला लगाकर बाहर गई थी। उस दौरान घर में कोई नहीं था।

इसी दौरान चोरों ने घर का ताला तोड़कर अलमारी में रखें गहने और नगद की चोरी की है। चोरी के बाद वह सफेद कार पर सवार होकर निकल गए। कांट्रेक्टर की पत्नी जब घर वापस आई। तब उसने घर के मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ देखा। अंदर जाने पर उन्हें पता चला कि चोरी की घटना हुई है। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। वही गोंदा थाने में मामला दर्ज कराया गया है। फिलहाल इस पूरे मामले की जांच पुलिस कर रही है।

81 साल के हुए दिशोम गुरु शिबू सोरेन

पिता की हत्या के बाद शुरू किया आंदोलन मोरहाबादी आवास में मना जन्म दिन का जश्न

रांची, 11 जनवरी (एजेंसियां)। दिशोम गुरु शिबू सोरेन आज 81 साल के हो गए हैं। शुक्रवार को मोरहाबादी आवास पर पूरे परिवार और कार्यकर्ताओं के साथ 81 पाउंड का केक काट जन्मदिन मनाया गया। शिबू सोरेन की तबीयत ठीक नहीं है इसलिए उन्होंने खुद केक नहीं काटा बल्कि उनके पुत्र सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केक काटा। उनके जन्म दिन को लेकर मोरहाबादी स्थित उनके आवास पर जश्न का माहौल रहा। उनसे मिलने और बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। ओडिशा के राज्यपाल का पद छोड़ भाजपा में शामिल हुए रघुवर दास भी उनके आवास पर पहुंचे और उन्हें बधाई दी। इसके साथ ही विधानसभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने भी उनसे मिल बधाई दी।

81 साल के दिशोम गुरु शिबू सोरेन का जन्म वर्तमान रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड के नेमरा में

11 जनवरी 1944 को हुआ। गांव के ही स्कूल से प्रारंभिक शिक्षा लिए दिशोम गुरु का जीवन संघर्षों भरा रहा है। महज 13 साल की उम्र के थे जब उनके पिता की हत्या महाजनों ने कर दी। इसके बाद शिबू सोरेन ने पढ़ाई छोड़ दी। पिता की हत्या के बाद पढ़ाई छोड़ कर महाजनों के खिलाफ संघर्ष का फैसला किया। पिता की हत्या के बाद वह इस बात को समझ गए थे कि पढ़ाई से ज्यादा जरूरी है महाजनों के खिलाफ आदिवासी समाज को इकट्ठा करना। उन्होंने सूदखोर महाजनों के खिलाफ काम करना शुरू किया। 1970 में वे महजनों के खिलाफ खुल कर सामने आए और धान कटनी आंदोलन की शुरुआत की। सूदखोरों के खिलाफ आंदोलन चलाकर शिबू सोरेन चर्चित तो हुए, लेकिन महाजनों को अपना दुश्मन बना लिया। शिबू को रास्ते से हटाने के लिए महाजनों ने भाड़े के लोग जुटाए। उन दिनों आदिवासियों को जागरूक करने के लिए शिबू सोरेन बाइक से गांव-गांव जाते थे। इसी दौरान एक बार उन्हें महाजनों के गुंडों ने घेर लिया। बारिश का सीजन था। बराकर नदी उफान पर थी। शिबू सोरेन समझ गए कि अब बचना मुश्किल है। उन्होंने आव देखा न ताव, अपनी रफ्तार बढ़ाई और बाइक समेत नदी में छलांग लगा दी। सभी को लगा उनका मरना तय है, लेकिन थोड़ी देर बाद शिबू तैरते हुए नदी के दूसरे छोर पहुंच गए। लोगों ने इसे दैवीय चमत्कार माना। आदिवासियों ने शिबू को 'दिशोम गुरु' कहना शुरू कर दिया। संथाली में दिशोम गुरु का अर्थ होता है देश का गुरु।

राज्य अलग होने के बाद यह उम्मीद थी कि शिबू सोरेन पहले मुख्यमंत्री होंगे। लेकिन ऐसा संभव नहीं हो सका।

पति की मृत्यु के दो घंटे बाद पत्नी का भी निधन

एक ही चिता पर अंतिम संस्कार

हजारीबाग, 11 जनवरी (एजेंसियां)। पति-पत्नी के बीच शाश्वत प्रेम का नजारा हजारीबाग में देखने को मिला। दरअसल, हजारीबाग शहर के ओकनी छोटा शिव मंदिर निवासी 85 वर्षीय रामेश्वर राम का निधन हो गया। पति की मौत के दो घंटे बाद पत्नी भी चल बसी। बाद में एक ही चिता पर दोनों की अंत्येष्टि हुई।

85 वर्षीय रामेश्वर राम के छोटे पुत्र अजय कुमार ने बताया कि शुक्रवार सुबह 7.00 बजे जब उन लोगों ने पिता को उठाया, तो वो नहीं उठे। संभवतः कुछ देर पहले उन्होंने अंतिम सांस ली। इधर, दो घंटे बाद ही सुबह 9.00 बजे उनकी मां टुकनी देवी भी दुनिया से विदा हो गई। अजय कुमार ने बताया कि उनकी मां को हृदय की बीमारी थी। पिता की मौत की सूचना मिलते ही वो रोने लगी। नौ बजे के आसपास मां ने भी दम तोड़ दिया। जीवन भर साथ निभाने वाले दोनों जीवन के अंतिम पड़ाव पर भी एक-दूसरे से जुड़े रहे। दंपती के तीन बेटे और तीन बेटियां है। रामेश्वर राम सदर अस्पताल में कंपाउंडर थे। 20 साल पहले सेवानिवृत्त हुए थे। करीब 60 साल पहले दोनों ने जिस अग्नि को साक्षी मानकर विवाह बंधन में बंधन का निर्णय लिया था, उसी अग्नि के बीच चिता से उठती लपटों के साथ दोनों पंचतत्व में विलीन हो गए।

भारत ने इंडोनेशियाई राष्ट्रपति को पाकिस्तान जाने से रोका

गणतंत्र दिवस परेड के बाद नई दिल्ली से इस्लामाबाद जाने का प्लान था

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। भारत ने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो को पाकिस्तान के दौरे पर न जाने के लिए मना लिया है। मीडिया हाउस द प्रिंट ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि राष्ट्रपति सुबियांतो भारत यात्रा के बाद पाकिस्तान का दौरा नहीं करेंगे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत ने राष्ट्रपति सुबियांतो को 26 जनवरी के गणतंत्र दिवस परेड में चीफ गेस्ट के तौर पर हिस्सा लेने का न्योता भेजा है। हालांकि भारत की तरफ से इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया था कि सुबियांतो, पाकिस्तान की तीन दिवसीय यात्रा के लिए आएंगे। वे भारत दौरे पर जाएंगे और वहीं से पाकिस्तान के लिए रवाना होंगे। हालांकि भारत सरकार ऐसा नहीं चाहती थी कि सुबियांतो सीधे भारत से पाकिस्तान जाएं। इसके लिए भारत ने इस मुद्दे को इंडोनेशिया के साथ उठाया था।

इंडोनेशिया, आसियान क्षेत्र में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। भारत ने हाल के कुछ साल में दक्षिण इंडोनेशिया के साथ अपने संबंधों पर बेहतर ध्यान दिया है। इन मजबूत संबंधों के बीच भारत नहीं चाहता था कि सुबियांतो का पाकिस्तान दौरा भारत के साथ रिश्तों पर नकारात्मक असर डाले। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सुबियांतो गणतंत्र दिवस समारोह के तुरंत बाद इस्लामाबाद की यात्रा करते हैं तो यह भारत के लिए नकारात्मक संकेत हो सकता है। भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से तनावपूर्ण संबंध रहे हैं और ऐसे में एक प्रमुख विदेशी नेता की भारत यात्रा के तुरंत बाद पाकिस्तान जाना भारत की कूटनीतिक स्थिति को कमजोर कर सकता है।

आमतौर पर उन्हीं देशों के नेताओं को गणतंत्र दिवस परेड में चीफ गेस्ट बनने का न्योता मिलता है, जिनके भारत के साथ मजबूत कूटनीतिक रिश्ते हों।

कैलिफोर्निया की आग में अब तक 11 की मौत

लॉस एंजिलिस में 4.30 लाख करोड़ का नुकसान, लूटपाट की खबरों के बाद कर्फ्यू लगाया

लॉस एंजिल्स, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में मंगलवार को लगी आग पर आज 5 दिन बाद यानी शनिवार तक भी पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका है। इसमें अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। राष्ट्रपति जो बाइडन का कहना है कि अभी भी बहुत से लोग लापता हैं। आग के संकट के बीच कैलिफोर्निया के सांता मोनिका शहर में लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया गया है, जिसके बाद प्रशासन ने कर्फ्यू घोषित कर दिया। इस मामले में 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। रॉयटर्स के मुताबिक लॉस एंजिलिस (एलए) में लगी आग से अब तक करीब 4.30 लाख करोड़ रुपए (50 अरब डॉलर) के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। यहां पर आग को कुछ हद तक काबू तो किया गया है, लेकिन एक्सपर्ट्स को डर है कि वीकेंड में फिर से तेज हवाएं चल सकती हैं। लॉस एंजिलिस काउंटी में गुरुवार को लगभग 1 करोड़ लोगों को गलत फायर एक्विट अलर्ट (आग वाले इलाकों से बाहर निकलने का मैसेज) भेज दिया गया। यह सिलसिला शुक्रवार को भी जारी रहा। इसे लेकर इमरजेंसी मैनेजमेंट के अधिकारियों को कहना है कि सेलफोन टावरों में आग की वजह से यह समस्या हो रही है। कैलिफोर्निया में कई जगहों पर वॉटर हाइड्रेंट सूख गए हैं। एनबीसी के मुताबिक राज्य के गवर्नर गैविन न्यूजॉम ने शुक्रवार जांच के आदेश दिए हैं कि वॉटर हाइड्रेंट में इतनी जल्दी पानी कैसे खत्म हो गया। सोशल मीडिया पर दावे चल रहे हैं कि एक शख्स ने जंगल में आग लगाना शुरू किया जिसने फैलते-फैलते बड़ा रूप ले लिया। लॉस एंजिलिस पुलिस ने इस मामले में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। हालांकि वहां के फायर चीफ डेविड अकूना ने इस दावे का खंडन किया है कि किसी के आग लगाने से वाइल्ड फायर शुरू हुई है।

आईएमडी के 150 साल पूरे होने के जश्न में हिस्सा नहीं लेगा बांग्लादेश

ढाका, 11 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) देशभर में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी स्थापना के 150वें वर्ष का जश्न मनाएगा। ऐसे में, भारत ने पाकिस्तान और बांग्लादेश समेत अन्य पड़ोसी देशों को 'अविभाजित भारत' सेमिनार में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। हालांकि, अब जानकारी सामने आ रही है कि बांग्लादेश से कोई अधिकारी इस सेमिनार में भाग नहीं लेगा। उसने सरकारी खर्च पर गैर-जरूरी विदेश यात्रा पर प्रतिबंध का हवाला दिया है।

बांग्लादेश मौसम विभाग (बीएमडी) के कार्यवाहक निदेशक मोमिनुल इस्लाम ने कहा कि उन्हें भारतीय मौसम विभाग से 150वें वर्षगांठ समारोह का आमंत्रण करीब एक महीने पहले मिला था। उन्होंने कहा कि हमारे बीच अच्छे रिश्ते हैं और हम उनके साथ लगातार सहयोग करते हैं। हालांकि, हम इस समारोह में शामिल नहीं हो रहे हैं क्योंकि सरकार द्वारा वित्तपोषित अनावश्यक विदेशी यात्राओं को सीमित करने का दायित्व है। इस्लाम ने बताया कि नियमित रूप से दोनों एजेंसियों के बीच संपर्क रहता है। हाल ही में हम 20 दिसंबर 2024 को एक बैठक के दौरान भारतीय मौसम विज्ञानी से मिले थे। आईएमडी ने कई पड़ोसी देशों पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार, भूटान, नेपाल, श्रीलंका और मालदीव के साथ-साथ मध्य पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों को भी इस समारोह में आमंत्रित किया था।

भारत मौसम विज्ञान विभाग की स्थापना 15 जनवरी, 1875 को हुई थी। हालांकि इसके पहले भी ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी मौसम विभाग की स्थापना की गई थी। कोलकाता मौसम विज्ञान विभाग 1785 में शुरू हुआ था। मद्रास (आधुनिक चेन्नई) 1796 में और बॉम्बे (आधुनिक मुंबई) में 1826 में मौसम विभाग की स्थापना हुई थी।

भारत मौसम विज्ञान विभाग की जिम्मेदारी आम जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए मौसम और जलवायु संबंधित डेटा, जानकारी व पूर्वानुमान को आम लोगों और संबंधित एजेंसियों के साथ नियमित तौर पर जानकारी साझा करना है। एक तरह से कहें तो इस संस्था का राष्ट्र के विकास में अमूल्य योगदान है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के काम का दायरा काफी विस्तृत है। बेहतर कार्य संचालन और समन्वय के लिए इसे कई प्रभागों में बांटा गया है।

ट्रम्प सजा पाने वाले अमेरिकी इतिहास के पहले राष्ट्रपति

न्यूयॉर्क कोर्ट ने पोर्न स्टार केस में जेल न भेजकर बेशर्त रिहाई दी, कहा-आपको पछतावा नहीं

वॉशिंगटन, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिकी इतिहास में सजा पाने वाले पहले राष्ट्रपति बन गए हैं। उन्हें आज यानी शुक्रवार को पोर्न स्टार को पैसे देकर चुप कराने के मामले से जुड़े 34 आरोपों में सजा सुनाई गई। फिलहाल, न्यूयॉर्क की मैनहट्टन कोर्ट ने ट्रम्प को जेल न भेजकर बिना किसी शर्त बरी कर दिया है।

ट्रम्प वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुए। कोर्ट रूम में 4 बड़ी स्क्रीन लगाई गई, ट्रम्प सजा सुनाए जाने के दौरान इन पर नजर आए। फैसला सुनाते हुए जस्टिस जुआन मर्चेन ने कहा, 'मैं आपके दूसरे कार्यकाल में सफलता की कामना करता हूं।'

ट्रम्प को मिली ये सजा सिर्फ सांकेतिक है। इसका मतलब ये है कि उन्हें न तो जेल होगी और न ही उन्हें कोई जुर्माना भरना पड़ेगा। हालांकि वे एक अपराधी साबित हो चुके शख्स के तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति की शपथ लेंगे जिससे उनकी छवि को नुकसान पहुंचेगा। जस्टिस मर्चेन ने कहा, इस देश के सर्वोच्च पद (राष्ट्रपति) की शक्तियों में दखलंदाजी किए बगैर ट्रम्प को बिना शर्त छोड़ना ही सही सजा होगी। ट्रम्प ये सुनकर चुप रहे और उनकी स्क्रीन एकदम से बंद हो गई। ट्रम्प को उनके शपथ ग्रहण से ठीक 10 दिन पहले सजा सुनाई गई। उन्हें ये सजा पिछले साल जुलाई में ही सुनाई जानी थी, जिसका खामियाजा उन्हें चुनाव में भुगतना पड़ता। इसके चलते वे बार-बार सजा को टलवाते रहे। ट्रम्प ने 6 नवंबर को हुए अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव में जीत हासिल की थी और वे 20 जनवरी को शपथ लेने वाले हैं। ट्रम्प ने सजा से बचने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। हालांकि कोर्ट ने गुरुवार को उनकी अर्जी खारिज कर दी थी।

सजा सुनाने की शुरुआत जस्टिस जोशुआ स्टीनग्लास ने की। उन्होंने कहा, ट्रम्प ने सुनवाई

के दौरान कोर्ट में जिस तरह के आरोप लगाए उनसे न्यायिक व्यवस्था की छवि को नुकसान हुआ है। ट्रम्प इस मामले में राष्ट्रपति बनने के बाद खुद को माफी दे सकते हैं। अमेरिकी संविधान राष्ट्रपति को ये अधिकार देता है। लेकिन अब तक किसी भी राष्ट्रपति ने खुद को माफी नहीं दी है। ट्रम्प ने ऐसा किया तो पहले राष्ट्रपति होंगे। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल के पास भी ट्रम्प को माफी देने का अधिकार है।

न्यूयॉर्क कोर्ट से दोषी सिद्धि के बाद अब ट्रम्प अब गन नहीं रख पाएंगे। न्यूयॉर्क के कानून के अनुसार ट्रम्प को डीएनए सैंपल देना होगा। डीएनए प्रोफाइलिंग के बाद ये क्रिमिनल के डेटा बैंक में रिकॉर्ड होगा। फ्लोरिडा के वोटर के रूप में रजिस्टर्ड ट्रम्प का वोटिंग का अधिकार कायम रहेगा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जज जुआन मर्चेन ने कहा था कि डोनाल्ड ट्रम्प 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। इसके बाद ट्रम्प को राष्ट्रपति पद के मिलने वाली कानूनी छूटों का फायदा मिल सकता है। इस कारण राष्ट्रपति पद की शपथ लेने से पहले ट्रम्प की सजा का ऐलान करना जरूरी है।

अमेरिका के संविधान के आर्टिकल 2 के सेक्शन 4 के मुताबिक, राष्ट्रपति को उनके पद पर रहते हुए किसी भी आपराधिक मामले में सजा नहीं दी जा सकती। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि राष्ट्रपति कानूनी प्रक्रिया से ऊपर हैं, बल्कि वे अपने पद पर रहते हुए किसी भी आपराधिक मामले में दोषी नहीं बन सकते।

अर्धसैनिक बलों को निशाना बनाकर आतंकवादियों ने किया आईईडी विस्फोट

कई नागरिक घायल

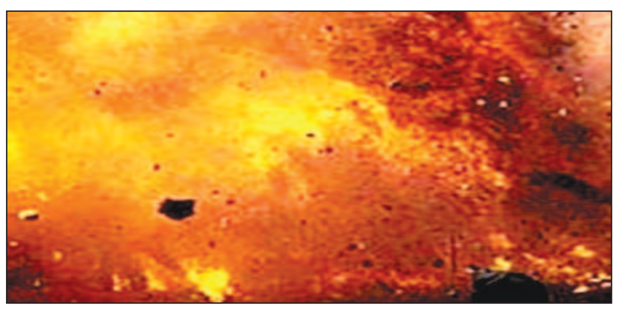

इस्लामाबाद, 11 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के चमन शहर में शुक्रवार को आतंकवादियों ने एक ट्रक पर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से हमला किया। इसमें चार नागरिक घायल हो गए।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह हमला बलूचिस्तान में स्थित एक सैन्य बल फ्रंटियर कोर के कर्मियों को निशाना बनाते हुए किया गया था। हालांकि, किसी भी जवान को चोट नहीं पहुंची। उन्होंने बताया कि सड़क किनारे खड़ी एक मोटरसाइकिल में आईईडी लगाया गया था। जैसे ही ट्रक वहां से गुजरा इससे हमला किया गया। बलूचिस्तान पुलिस के जनसंपर्क अधिकारी राबिया तारिक ने भी इस हमले की पुष्टि की। वहीं, बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने इस हमले को कायरतापूर्ण कृत्य बताया। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और शांति के खिलाफ सभी साजिशों को नाकाम करने का काम करेगी।

पिछले तीन दिन में बढ़े हमले पिछले तीन दिनों में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) द्वारा किए गए हमलों में तीव्र वृद्धि देखी गई है। कुछ दिन पहले, एक हमलावर ने कराची से बेहान क्षेत्र जा रहे फ्रंटियर कोर के कर्मियों को ले जा रहे बस में बम से हमला किया था, जिसमें छह लोग मारे गए थे। बीएलए ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। वहीं, गुरुवार रात बंदूकधारियों ने खरान और कालात क्षेत्रों में एक मंत्री और एक डिप्टी कमिश्नर के घरों पर हमला किया था। इसके अलावा, उसी दिन मस्तुंग में एक चेकपोस्ट पर भी हमलावरों ने हमला किया था और पास में स्थित एक सीमेंट फैक्ट्री की मशीनरी और उपकरणों को आग लगा दी थी। पाकिस्तान में 2024 में अब तक सुरक्षा बलों के 685 सदस्यों की मौत हो चुकी है, और कुल 444 आतंकवादी हमले हुए हैं।

बलूचिस्तान में मंत्री के घर पर ग्रेनेड से हमला

इस्लामाबाद, 11 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में शुक्रवार को हथियारबंद विद्रोहियों ने 3 हमले किए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पहले हमले में विद्रोहियों ने बलूचिस्तान के वित्त मंत्री शोएब नौशेरवानी के कारान में स्थित घर पर हैंड ग्रेनेड दागे। दूसरी घटना में कलात के डिप्टी कमिश्नर के घर पर ग्रेनेड फेंके गए। हमले में एक पुलिस गार्ड गंभीर रूप से जख्मी हो गया। तीसरा हमला मस्तुंग की पुलिस चौकी पर किया गया। विद्रोहियों यहां से हथियार, वायरलैस सेट और मोटरसाइकिल लूट ले गए। साथ ही पास ही में स्थित एक सीमेंट फैक्ट्री को भी आग के हवाले कर दिया। पुलिस के अनुसार गुरुवार को विद्रोहियों ने खुजदार में एक बैंक और पुलिस थाने में लूटपाट भी की। पुलिस के मुताबिक इन सभी हमलों के पीछे बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के विद्रोहियों का हाथ है।

यूएस में टेकऑफ से पहले प्लेन के इंजन में खराबी

हादसे में 4 लोग घायल, इमरजेंसी स्लाइडर से बाहर निकले पैसेंजर्स

वॉशिंगटन, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के अटलांटा एयरपोर्ट पर शुक्रवार को डेल्टा एयरलाइन के एक प्लेन में टेकऑफ से पहले इंजन में खराबी आ गई। जिसके बाद पैसेंजर्स को इमरजेंसी स्लाइडर के जरिए प्लेन से बाहर निकाला गया।

सीएनएन के मुताबिक इंजन में खराबी की वजह से प्लेन की उड़ान रद्द करनी पड़ी। इस हादसे में 4 लोग घायल हो गए। प्लेन में 200 से भी ज्यादा लोग सवार थे। हादसे का वीडियोज सोशल मीडिया पर भी वायरल हैं। जिसमें पैसेंजर्स इमरजेंसी स्लाइड (चादर जैसा कपड़ा) से बाहर निकलते नजर आ रहे हैं। एक पैसेंजर कर्टिस जेम्स ने सीएनएन को बताया कि प्लेन के टेक ऑफ करने से पहले कुछ गड़बड़ हो गई और इंजन में आग लग गई। विमान को इमरजेंसी की स्थिति में खाली करना पड़ा।

डेल्टा एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि प्लेन के क्रू ने इंजन में समस्या का पता चलते ही टेक ऑफ को रोक दिया।

एयरपोर्ट अथॉरिटी ने बताया कि इस हादसे में 4 पैसेंजर्स को मामूली चोटें आई हैं, एक को अस्पताल ले जाया गया, जबकि बाकी 3 का मौके पर ही इलाज किया गया।

अमेरिका में 19 जनवरी के बाद टिकटॉक पर प्रतिबंध

संघीय कानून को बरकरार रखने के पक्ष में अधिकांश न्यायाधीश

वॉशिंगटन, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में 19 जनवरी के बाद से वीडियो शेयरिंग एप टिकटॉक पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को अधिकांश न्यायाधीश उस संघीय कानून को बरकरार रखने के पक्ष में दिखे, जहां 19 जनवरी के बाद से टिकटॉक पर प्रतिबंध लग जाएगा। टिकटॉक बनाम गारलैंड वह कानूनी मामला है जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को अमेरिकी सरकार की

सुनवाई के दौरान वकीलों ने क्या कहा?

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने कहा, क्या हमें इस तथ्य तो नजरअंदाज करना चाहिए कि टिकटॉक की पैरेंट कंपनी कोई खुफिया काम कर रही है? जस्टिस ब्रेट कवानघ ने बताया कि अमेरिकियों पर विदेशी डाटा संग्रह की चिंताएं

बहुत अधिक थी। जस्टिस एमी कोनी बैरेट ने कहा, कानून टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने के लिए नहीं कहता। कानून बाइटडांस को पीछे हटने के लिए कह रहा है। अगर ऐसा हो जाता तो हम यहां नहीं होते।

स्टार्क पिक्चर के क्रिएटर फ्रैंसिस्को ने कहा, हम जोखिमों पर विवाद नहीं कर रहे। सरकार ने इसे रोकने के लिए जो उपाय अपनाए हैं, हम उस पर विवाद कर रहे हैं। टिकटॉक की तरफ पेश हुए वकील जेफरी फिशर ने कहा, यह कानून इतिहास, संस्कृति और काम करने के अधिकार के खिलाफ था।

अमेरिका में 2023 में लगा था टिकटॉक पर प्रतिबंध

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टिकटॉक पर बैन लगाने के लिए हाल ही में एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। हालांकि, उन्होंने बाद में कहा कि वे इसे बचाना चाहते हैं। न्यायाधीशों ने ट्रंप प्रशासन को इस पर सोचने के लिए कुछ समय देने की संभावना पर चर्चा की। बता दें कि भारत, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ताइवान ने पहले ही टिकटॉक पर प्रतिबंध लगा दिया है। 2023 की शुरुआत में बाइडन प्रशासन ने टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाया था।

धरती के पास से गुजर रहा पहाड़ के आकार का विशाल एस्टेरॉयड

टकराया तो आ सकती है तबाही

वॉशिंगटन, 11 जनवरी (एजेंसियां)। खगोलविज्ञानी अंतरिक्ष में एक दशक में होने वाली दुर्लभ खगोलीय घटना के गवाह बन रहे हैं। पहाड़ के आकार के विशाल एस्टेरॉयड धरती के बेहद पास से गुजर रहा है। इस सप्ताहांत के अंत में यह एस्टेरॉयड की चमक अपने चरम पर होगी, जिसे धरतीवासी घर से तारों को देखने वाली दूरबीन के जरिए देख सकते हैं। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के अनुसार, 887 एलिंडा नामक यह विशाल क्षुद्रग्रह अपने आकार में अमेरिका के मैनहट्टन शहर जितना चौड़ा है।

नासा की जेट प्रोपल्शन प्रयोगशाला के अनुसार, पृथ्वी के निकट यह क्षुद्रग्रह 4.2 किलोमीटर (2.6 मील) चौड़ा है। बुधवार 8 जनवरी को यह विशाल आकाशीय पिंड दशकों में पृथ्वी के सबसे करीब 1.23 करोड़ किमी की दूरी पर पहुंचा। यह दूरी पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी से 32 गुना ज्यादा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि एलिंडा अब 2087 तक पृथ्वी के करीब नहीं आएगा।

वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर इतना बड़ा एस्टेरॉयड पृथ्वी से टकरा जाए तो तबाही आ सकती है। हालांकि, खगोलविदों के लिए इसका विशाल आकार ही इसे देखने के लिए बढ़िया लक्ष्य भी बनाता है।

नासा के अनुसार, रविवार 12 जनवरी को एलिंडा की चमक अपने चरम पर होगी। लाइव साइंस की रिपोर्ट में इटली के खगोलशास्त्री जियानलुका मासी के हवाले से बताया गया है कि नंगी आंखों से देखने के लिए यह चमक काफी नहीं होगी, लेकिन एंट्री लेवल स्टारगेजिंग दूरबीन या एक अच्छे बैकयार्ड टेलिस्कोप के माध्यम से इसे देखा जा सकता है। स्काईवॉचिंग रिपोर्टर जेमी कार्टर के अनुसार, एलिंडा एस्टेरायड मिथुन राशि से गुजरते हुए दिखाई देगा। यह अंधेरे के बाद उत्तरी गोलार्द्ध में चमकता है और पूरी रात दिखाई देता है।

हालांकि, अगर आपके पास ऐसी दूरबीन नहीं है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। मासी और वर्चुअल टेलीस्कोप प्रोजेक्ट 12 जनवरी को अमेरिकी समयानुसार दोपहर 12.30 बजे इसका लाइवस्ट्रीम होस्ट करेंगे। इसे ऑनलाइन मीडिया प्लेटफॉर्म पर देखा जा सकता है।

भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदेगा दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम मुल्क

450 मिलियन डॉलर की डील पर बातचीत

जकार्ता, 11 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और इंडोनेशिया करोड़ों डॉलर की ब्रह्मोस मिसाइल डील को अंतिम रूप देने के लिए साथ मिलकर काम कर रहे हैं। इस डील पर ऐसे समय बात हो रही है, जब इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भारत का दौरा करने जा रहे हैं। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी की हालिया इंडोनेशिया यात्रा के दौरान इस डील पर बातचीत हुई थी। ब्रह्मोस मिसाइल अपनी गति और सटीकता के लिए जानी जाती है। ये मिसाइल दुनिया की सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया की तटीय और समुद्री रक्षा क्षमताओं में अहम इजाफा करेगी। विओन ने सूत्रों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इंडोनेशिया के रक्षा मंत्रालय ने भारतीय पक्ष को 450 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ब्रह्मोस सौदे के संबंध में पत्र भेजा है। भारत इस सौदे के लिए इंडोनेशिया को एसबीआई या किसी दूसरे राष्ट्रीय बैंक से ऋण देने की पेशकश कर रहा है, इस पर काम भी हो रहा है। उम्मीद की जा रही है कि प्रबोवो सुबियांतो के भारत दौरे के दौरान इस सौदे की घोषणा की जा सकती है। उन्हें भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया है।

इंडोनेशिया और भारत में ये सौदा होता है तो फिलीपींस के बाद इंडोनेशिया ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने वाला दूसरा एशियाई देश बन जाएगा। भारत ने जनवरी 2022 में फिलीपींस के साथ भी ब्रह्मोस मिसाइल के तटीय-रोधी संस्करण की तीन बैटरियों की आपूर्ति के लिए 375 मिलियन डॉलर का सौदा किया था। यह भारत का पहला बड़ा रक्षा निर्यात अनुबंध था। भारत और वियतनाम भी ब्रह्मोस मिसाइलों के लिए 700 मिलियन डॉलर के सौदे को अंतिम रूप देने के करीब हैं। अब इंडोनेशिया के साथ सौदा भारत की रक्षा निर्यात क्षमता को बढ़ाएगा। ब्रह्मोस परियोजना 1998 में शुरू की गई थी। ब्रह्मोस एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, जिसे भारत और रूस ने मिलकर बनाया है। यह दुनिया की सबसे तेज क्रूज मिसाइल है। इसे जमीन, समुद्र और हवा से लॉन्च किया जा सकता है।

दक्षिण कोरिया प्लेन क्रैश पर बड़ा खुलासा

ब्लैक बॉक्स में अंतिम चार मिनट की रिकॉर्डिंग गायब, जांच पर सवाल

सियोल, 11 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया में 29 दिसंबर को दुर्घटनाग्रस्त हुए जेजू एयर के विमान को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। परिवहन मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि दक्षिण कोरिया के मुआन हवाई अड्डे पर कंक्रीट की दीवार से टकराने वाले विमान के फ्लाइट डेटा और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर ने लगभग चार मिनट पहले ही रिकॉर्डिंग बंद कर दी थी। इसे दक्षिण कोरिया की धरती पर अब तक की सबसे भयंकर हवाई दुर्घटना कहा जा रहा है, जिसमें 179 लोगों की मौत हुई थी। अब इस हादसे की जांच करने वाले अधिकारी यह विश्लेषण करने की योजना बना रहे हैं कि ब्लैक बॉक्स ने रिकॉर्डिंग बंद क्यों कर दी। मंत्रालय ने कहा कि वॉयस रिकॉर्डर का पहले दक्षिण कोरिया में विश्लेषण किया गया था, और जब डेटा गायब पाया गया, तो उसे यू.एस. नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड प्रयोगशाला में भेज दिया गया। मंत्रालय ने कहा कि क्षतिग्रस्त उड़ान डेटा रिकॉर्डर को यू.एस. सुरक्षा नियामक के सहयोग से विश्लेषण के लिए अमेरिका ले जाया गया है।

हालांकि, अब रिकॉर्डिंग के गायब हो जाने से दुर्घटना के कारणों और पायलटों की अंतिम प्रतिक्रिया को जानना मुश्किल हो गया है। इस रिकॉर्डिंग से क्रैश को लेकर अहम खुलासे हो सकते थे। जेजू एयर 7C2216 थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक से दक्षिण-पश्चिमी दक्षिण कोरिया के मुआन के लिए रवाना हुआ था। लैंडिंग के दौरान यह मुआन हवाई अड्डे के रनवे से आगे निकल गया और दीवार से टकराने के बाद उसमें आग लग गई। पायलटों ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को बताया कि विमान को पक्षी ने टक्कर मारी थी और बैरियर से टकराने से लगभग चार मिनट पहले आपातकाल की घोषणा की थी। विमान के पिछले हिस्से में बैठे दो घायल चालक दल के सदस्यों को बचा लिया गया। मेडे इमरजेंसी कॉल से दो मिनट पहले, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने पक्षी गतिविधि के लिए चेतावनी दी। आपातकाल की घोषणा करते हुए, पायलटों ने लैंडिंग का प्रयास छोड़ दिया और गो-अराउंड शुरू किया। लेकिन पूरी तरह से गो-अराउंड करने के बजाय, दक्षिण कोरिया की इस बजट एयरलाइन के बोइंग 737-800 जेट ने एक तेज मोड़ लिया और विपरीत छोर से हवाई अड्डे के सिंगल रनवे के पास पहुंचा, लैंडिंग गियर तैनात किए बिना क्रैश-लैंडिंग की। परिवहन मंत्रालय के पूर्व एयर एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेटर सिम जै-डोंग ने कहा कि महत्वपूर्ण अंतिम मिनटों से गायब डेटा की खोज आश्चर्यजनक है। उन्होंने कहा कि अंदेशा है कि क्रैश होने के चार मिनट पहले विमान की बैकअप सहित सभी प्रकार की पावर सप्लाई बंद पर गई होगी, जो कि बहुत दुर्लभ है।

जयपुर सहित 17 जिलों में बरसात, ओले गिरे

सर्दी से बचने कार में जलाई सिगड़ी, 2 युवक बेहोश

जयपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर से बारिश के साथ ओले गिरे। जयपुर, अजमेर के किशनगढ़, पाली के सोजत, नागौर में सुबह-सुबह तेज बारिश हुई। इसके अलावा बीकानेर, जोधपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, नागौर, सीकर, अलवर, झुंझुनूं, फतेहपुर (सीकर), बाड़मेर, जैसलमेर में भी हल्की बारिश हुई। शाम को फलोदी के लोहावट और नागौर के खींवसर में ओले भी गिरे।

टोंक जिले के निवाई में शनिवार सुबह 10 बजे सर्दी से बचने के लिए 2 युवकों ने कार में सिगड़ी जलाकर गेट बंद कर लिए। ऑक्सीजन की कमी होने से दोनों अचेत हो गए। इस दौरान निर्माणाधीन मकान में काम कर रहे मजदूरों ने शीशा तोड़कर गेट खोला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर ही सीपीआर देकर बचाने का प्रयास किया और एंबुलेंस से हॉस्पिटल पहुंचाया।

उधर, चूरू के झाड़सर बड़ा गांव में बारिश के बीच सुभाष धीनवाल के घर पर बिजली गिर गई। इससे घर की रसोई में खाना बना रही 27 साल की महिला झुलस गई। महिला को डीबी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। बिजली गिरने से मकान में बने 6 कमरे और रसोई की पट्टियां टूटकर नीचे गिर गई। घर में बिजली के उपकरण जल गए। इसके अलावा पड़ोस के चार-पांच घरों के इन्वर्टर और अन्य बिजली उपकरण भी जल गए।

मौसम विभाग ने आज (शनिवार) बीकानेर, जयपुर, अजमेर और भरतपुर संभाग के 15 जिलों में बादल छाने, बारिश होने और ओले गिरने का येलो अलर्ट जारी किया है। चूरू, सीकर, अलवर, हनुमानगढ़ और झुंझुनूं में ओले गिरने की संभावना है। 12 और 13 जनवरी को घने कोहरे का भी अलर्ट है। जयपुर, जोधपुर समेत अन्य जिलों में भी सर्द हवा चलने से सर्दी बढ़ गई।

नागौर जिले के खींवसर इलाके में बिरलोका गांव में शनिवार को ओले गिरे। शाम साढ़े 4 बजे तेज गर्जना के साथ ओलावृष्टि हुई और फिर तेज बरसात होने लगी। करीब 5 बजे तक बारिश के साथ ओले गिरने से किसानों को फसलें खराब होने की चिंता सताने लगी है।

फलोदी जिले में भी शनिवार को बारिश हुई। यहां लोहावट इलाके में दोपहर को बरसात के साथ ओले गिरे।

अलवर शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में भी बारिश हुई है। सुबह से कहीं-कहीं बूंदाबांदी का दौर चल रहा था। शाम 4 बजे के आसपास तिजारा रोड पर बूंदाबांदी हुई।

बारिश के कारण सड़कें गीली और किनारे पानी भरा नजर आया। बारिश के कारण हवा में गलन महसूस की जा रही है।

शिक्षा विभाग का नया फरमान, राजस्थान में शिक्षक सम्मेलनों की अब होगी वीडियोग्राफी

डूंगरपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। शैक्षिक सम्मेलनों के नाम पर शिक्षक अब दो दिन की छुट्टी नहीं मना सकेंगे। शिक्षा विभाग ने अब सम्मेलनों में शिक्षकों की उपस्थिति बढ़ाने की पहल की है। शिक्षक संघों को अब 17 और 18 जनवरी को होने वाले प्रदेश स्तरीय सम्मेलन की वीडियोग्राफी करवाकर 3 दिन में अपलोड करने के फरमान जारी कर दिए है। सम्मेलन के प्रतिभागियों की पंजीयन उपस्थिति को भी विभागीय साइड पर ऑनलाइन अपलोड करना अनिवार्य कर दिया है। इस संबंध में शिक्षामंत्री मदन दिलावर के बयान के बाद शिक्षा विभाग ने निर्देश जारी करने की तैयारी कर ली है।

गत दिनों राजस्थान शिक्षा विभाग की शिक्षक संगठनों के साथ वार्ता हुई थी। इसमें भी

सम्मेलनों में कम उपस्थिति का मुद्दा उठा था। नए फरमान से अब उन शिक्षकों के सामने परेशानी खड़ी हो गई हैं, जो 2 दिन का अवकाश मनाते थे। सरकार द्वारा शैक्षिक सम्मेलनों पर नजर रखने के लिए वीडियोग्राफी के लिए डीईओ को अधिकृत करने के निर्णय को लेकर विभिन्न शिक्षक संगठनों की मिलीजुली प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं।

पूर्व में उपस्थिति की अनिवार्यता के आधार पर प्रांत स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन में 20 से 30 हजार शिक्षक सहभागिता निभाते थे। विभाग द्वारा सम्मेलन में उपस्थिति की अनिवार्यता को समाप्त करने के बाद शिक्षकों की उपस्थिति नगण्य होती गई। मोटे-मोटे अनुमान के मुताबिक प्रदेश में फिलहाल 60 से अधिक शिक्षक संगठन है। पर, इनमें सक्रिय रुप से एक दर्जन ही शिक्षक संगठन होंगे और उनेक द्वारा ही प्रांत स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन हो रहे हैं और उन सभी संगठनों में सहभागिता देखी जाए, तो पांच से सात हजार भी बमुश्किल रहती है। जबकि, प्रदेश में शिक्षकों की संख्या चार लाख से अधिक है।

सम्मेलन का अर्थ छुट्टी

विभागीय जानकारों का कहना है कि शिक्षक सम्मेलन चाहे जिला स्तर हो या राज्य स्तर के इन चार दिनों को अधिकांश शिक्षक अघोषित छुट्टी ही मानते हैं। शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी एवं सक्रिय सदस्य ही इन सम्मेलनों में सहभागिता निभाते हैं। इनमें भी पहले दिन ही उपस्थिति ठीक-ठाक रहती है।

दूसरे दिन तो अधिकांश संगठन बंद कमरे में बैठक कर इतिश्री कर लेते हैं। ऐसे में सरकार इन सम्मेलनों की वीडियोग्राफी करवाकर धरातलीय टोह लेने जा रही है।

रिफाइनरी को लेकर बोले गहलोत- एक साल बर्बाद कर दिया

सीएम भजनलाल का जवाब- जुमलेबाजी नहीं करते, सीधा एक्शन लेते हैं

जयपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। सीएम भजनलाल शर्मा बालोतरा जिले के दौरे पर रहे, जहां उन्होंने पचपदरा में एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी का निरीक्षण कर समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने नाइट्रोजन प्लांट का उद्घाटन किया और परियोजना की प्रगति की समीक्षा के लिए अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इससे पहले राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कई सवाल उठाए।

पचपदरा रिफाइनरी के प्रशासनिक सभागार में आयोजित बैठक में सीएम भजनलाल शर्मा और उद्योग वाणिज्य राज्यमंत्री केके विश्नोई ने परियोजना की मौजूदा स्थिति और भविष्य की योजनाओं पर गहन चर्चा की। सीएम ने अधिकारियों से कहा कि रिफाइनरी का कार्य अंतिम चरण में है, इसे तय समय सीमा में पूरा करना हमारी प्राथमिकता है।

अशोक गहलोत ने उठाए सवाल

इससे पहले, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रिफाइनरी की देरी और पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स की तैयारियों को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि रिफाइनरी तो लग रही है, लेकिन इसके साथ बन रहे पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स की तैयारी अधूरी है। इससे राजस्थान की युवा पीढ़ी और छोटे उद्योगों को बड़ा लाभ मिल सकता है, लेकिन इसके लिए सरकार को विशेष योजनाएं बनानी चाहिए।

गहलोत ने सुझाव दिया कि अधिकारियों और निवेशकों की टीम को देश के अन्य पेट्रोकेमिकल हब का दौरा कर यहां के उद्योगों के लिए रणनीति बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि

पेट्रोकेमिकल उत्पादों से सैकड़ों प्रकार की इंडस्ट्रीज लग सकती हैं, जिनसे हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देर रात जवाब देते हुए कहा कि रिफाइनरी का काम अक्टूबर 2022 में पूरा होना था लेकिन कांग्रेस सरकार के ढुलमुल तरीकों के कारण 2023 के अंत तक तीन-चौथाई काम भी पूरा नहीं हो सका। हमने पिछले एक साल में 13500 करोड़ रुपए व्यय कर रिफाइनरी का 90 प्रतिशत से अधिक काम पूरा कर लिया है। मैंने आज ही 3 से 4 महीने में रिफाइनरी में कच्चे तेल की रिफाइनिंग का काम शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

कांग्रेस सरकार ने रिफाइनरी के साथ इसके आस-पास औद्योगिक गतिविधियां बढ़ाने के लिए भी कोई पहल नहीं की। हमारी सरकार रिफाइनरी के पास रीको के तरफ़ से प्लग एंड प्ले आधारित व्यवस्था स्थापित कर रही है, ताकि उद्यमियों द्वारा शुरुआती दौर में बिना अधिक पूंजी लगाए उद्योग शुरू किए जा सकें।

इस अनूठे प्रयास से रिफाइनरी के पास बड़ी संख्या में लोगो को रोजगार मिलेगा तथा पेट्रो जोन में तत्काल औद्योगिक गतिविधियां प्रारंभ हो सकेंगी। हमारी सरकार जुमलेबाजी में समय खराब करने की जगह सीधे एक्शन पर ध्यान देती है और इसी कारण लंबे समय से प्रतीक्षित रिफाइनरी शीघ्र शुरू होने जा रही है।

रिफाइनरी से मिलेगी बड़ी पहचान

गौरतलब है कि एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी का काम पूरा होने से प्रदेश को औद्योगिक क्षेत्र में बड़ी पहचान मिलेगी। साथ ही पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स से प्लास्टिक और अन्य उत्पाद आधारित उद्योगों के लिए नए द्वार खुलेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उद्योग वाणिज्य राज्यमंत्री केके विश्नोई ने बालोतरा जिले के पचपदरा में स्थित रिफाइनरी का दौरा किया था।इस दौरान सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रिफाइनरी से जुड़े हर कार्य में पारदर्शिता और तेजी लाई जाए।

सांचौर की जनता की सरकार को चेतावनी

कहा- जिला खत्म करके बड़ी भूल की, अब जवाब दिया जाएगा

सांचौर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार की ओर से सांचौर जिला खत्म करने के बाद सांचौर जिला बचाओ संघर्ष समिति द्वारा आयोजित किया जा रहा धरना 13 वें दिन जारी रहा। इस दौरान धरने को ग्रामीणों का लगातार समर्थन मिल रहा है। करावड़ी के ग्रामीणों ने समर्थन देकर रैली निकाली व राज्य सरकार से जिला बहाल करने की मांग की।

इस दौरान ग्रामीणों ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि वह जनताहितार्थ कार्यों के खिलाफ कार्य रही है, जिसका आने वाले समय में जनता जवाब देगी। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सांचौर नर्मदा, भारतमाला जैसी बड़े प्रोजेक्ट होने के बावजूद भी सरकार ने जिला खत्म कर दिया। ऐसे में हम नेहड़ क्षेत्र के लोगों को ढाई सौ किमी की दूरी तय कर जालोर मुख्यालय पर जाना पड़ेगा, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

इस दौरान धरना स्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ संघर्ष समिति के लोगों ने धरने को संबोधित किया। इस दौरान ग्रामीणों ने सरकार द्वारा जिला खत्म करने पर रोष जाहिर किया व सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वहीं सरकार से जिला वापिस देने की मांग को लेकर उपखंड अधिकारी प्रमोद कुमार चौधरी को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में बताया कि प्रदेश की वर्तमान सरकार ने पूर्व सरकार द्वारा घोषित सांचौर जिले को 28 दिसम्बर 2024 को निरस्त कर दिया गया है।

ग्रामीणों ने कहा कि डीग जिले की भरतपुर जिले से मात्र 35 किमी, खैरथल अलवर जिले से मात्र 45 किमी दूर और सलुम्बर जिला उदयपुर जिले से 70 किमी दूर है।

जबकि सांचौर जिला जालोर जिले से 145 किमी दूर व अंतिम गांव आकोड़िया रणखार करीब 250 किमी दूर है। पूर्व सरकार द्वारा गठित रामलुभाया कमेटी ने नवगठित जिलों में दूरी व आबादी को मानकर नए जिले गठित किए थे, जबकि वर्तमान भाजपा सरकार द्वारा कौनसे आधार पर जिलों को निरस्त किया गया कोई स्पष्ट नहीं है।

सांचौर जिला बनने से जिला मुख्यालय नजदीक होने पर आमजन के लोगों के सभी जिले स्तर के कार्य जल्द होने लगे व आर्थिक बोझ भी ज्यादा नहीं रहा। ज्ञापन में बताया कि 25 सितम्बर 2024 से 2 अक्टूबर 2024 तक जिला मुख्यालय सांचौर के आगे अनशन व महापड़ाव किया था।

भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर हाई अलर्ट

खुद अधिकारी सीमा चौकियों में रहकर कर रहे मॉनिटरिंग

बीकानेर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक दिन पहले पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से घड़साना क्षेत्र में दो पिस्टल गिराने के बाद बॉर्डर पर बीएसएफ को हाई अलर्ट पर रखा गया है। बीकानेर सेक्टर डीआईजी अजय लूथरा खाजूवाला से लगते बॉर्डर पर सुरक्षा बंदोबस्त की समीक्षा करने पहुंचे। इन दिनों घना कोहरा छाया रहने और गणतंत्र दिवस नजदीक होने के चलते सतर्कता बढ़ा दी गई है। पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर के श्रीगंगानगर और बीकानेर सेक्टर में पाकिस्तान से मादक पदार्थ तस्करी की वारदातें बढ़ी हैं। इस बीच पाक से हथियारों की तस्करी के ताजा मामले ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है।

बीएसएफ के श्रीगंगानगर सेक्टर के अनूपगढ़ बटालियन एरिया में गुरुवार को 'मेड इन यूएस' दो पिस्टल भारतीय सीमा में 1800 मीटर अंदर मिली। इस क्षेत्र से दक्षिण की तरफ आगे बीकानेर सेक्टर शुरू जाता है।

बीएसएफ हर साल 26 जनवरी से दस-बारह दिन पहले ऑपरेशन सर्द हवा चलाती है। करीब 15 दिन के इस अलर्ट में बॉर्डर पर जाब्ता, हथियार और सुरक्षा उपकरणों की तादाद बढ़ा कर दो से तीन गुणा कर दी जाती है। बटालियन और सेक्टर मुख्यालय का रिजर्व जाब्ता और अधिकारी-कर्मचारी भी बॉर्डर पर तैनात कर दिए जाते हैं। अभी पश्चिम सीमा पर ऑपरेशन सर्द हवा शुरू करने में पांच-दिन शेष हैं। ऐसे में मुख्यालय ने विशेष अलर्ट के तहत चौकसी रखने के निर्देश दिए हैं। इन दिनों तापमान काफी नीचे रहने और वातावरण में घना कोहरा रहता है। बॉर्डर पर तारबंदी के पास तैनात जवानों को थोड़े-थोड़े अंतराल पर सीमा चौकियों से गर्म चाय की आपूर्ति शुरू की गई है। अधिकारी खुद सीमा चौकियों में रह कर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। करीब डेढ़ महीने पहले भी श्रीगंगानगर सेक्टर के श्रीकरणपुर बटालियन एरिया में गत वर्ष 30 नवम्बर की रात को बीएसएफ के गश्ती दल को रात में एक पैकेट मिला। यह ड्रोन के माध्यम से भारतीय सीमा में गिराया गया था।

ग्राम पंचायतों की बदलेगी सीमा!

जनगणना आधार पर होगा पुनर्गठन, आदेश जारी

जयपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में पंचायतीराज विभाग ने ग्राम पंचायत और पंचायत समितियों के पुनर्गठन, पुनर्सीमांकन और नवसृजन के लिए प्रावधान तय कर दिए हैं। इसके लिए वर्ष 2011 की जनगणना को आधार माना जाएगा। ग्राम पंचायत के प्रस्ताव तैयार करने के लिए न्यूनतम 3 हजार और अधिकतम 5500 की जनसंख्या हो सकती है।

सहरिया क्षेत्र किशनगंज व शाहबाद और चार मरुस्थलीय जिलों बीकानेर, बाड़मेर, जैसलमेर और जोधपुर के लिए न्यूनतम जनसंख्या 2000 और अधिकतम 4000 की आबादी प्रावधान किया है। यही प्रावधान अनुसूचित क्षेत्र बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ जिला और उदयपुर जिले के लिए भी है।

ग्रामवासियों की मांग पर उनके गांव को दूसरी ग्राम पंचायत में शामिल किया जा सकेगा, लेकिन उसकी दूरी 6 किलोमीटर से ज्यादा नहीं हो सकेगी।

पंचायत समितियों में 25 ग्राम पंचायत

जिन पंचायत समितियों में 40 या उससे अधिक ग्राम पंचायतें और 2 लाख या उससे अधिक आबादी है तो उनका पुनर्गठन किया जाएगा। पुनर्गठित और नवसृजित पंचायत समितियों में ग्राम पंचायतों की संख्या न्यूनतम 25 रखनी होगी। जैसे किसी पंचायत समिति में 42 ग्राम पंचायतें हैं तो नवसृजित एक पंचायत समिति में 25 ग्राम पंचायतें और अन्य में 17 ग्राम पंचायतें होगी।

जिला कलक्टर प्रशासनिक दृष्टिकोण से अनुकूल होने पर नजदीकी या किसी एक या एक से अधिक पंचायत समितियों में से 8 ग्राम पंचायतें लेकर 17 ग्राम पंचायतों वाली पंचायत समिति में 25 ग्राम पंचायतें रख सकेंगे। पुनर्गठित और नवसृजित पंचायत समितियों और ग्राम पंचायतों के प्रस्तावों पर आपत्तियां भी ली जाएंगी।

कलक्टर को अधिकृत किया

ग्राम पंचायतों और पंचायत समितियों के पुनर्गठित और नवसृजित के प्रस्ताव तैयार कराने से लेकर उनका राज्य सरकार से अनुमोदन कराए जाने तक की प्रक्रिया के लिए जिला कलक्टरों को अधिकृत किया है। पंचायतीराज विभाग के शासन सचिव डॉ. जोगाराम ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं।

20 जनवरी से शुरू होगी प्रक्रिया

20 जनवरी से 18 फरवरी तक कलक्टर ग्राम पंचायत और पंचायत समितियों के प्रस्ताव तैयार कराएंगे। 20 फरवरी से 21 मार्च तक प्रस्तावों को प्रकाशित करके आपत्तियां आमंत्रित करेंगे। 23 मार्च से 1 अप्रेल 2025 तक आपत्तियों का निस्तारण करेंगे। 3 अप्रेल से 15 अप्रेल 2025 तक आपत्तियों के निस्तारण के बाद फाइनल प्रस्ताव पंचायतीराज विभाग को भिजवाएंगे।

15 जनवरी तक हो सकेंगे तबादले

सरकार ने पांच दिन और बढ़ाए

जयपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में कर्मचारियों के तबादलों की समय सीमा को पांच दिन और बढ़ा दिया है। सीएम की मंजूरी के बाद तबादलों से छूट की अवधि को 15 जनवरी तक बढ़ाया गया है। सरकार ने 30 दिसंबर को ही 10 जनवरी तक के लिए तबादलों से बैन हटाया था। बीजेपी के कई विधायकों ने तबादलों से छूट की अवधि को आगे बढ़ाने की मांग की थी। प्रशासनिक सुधार विभाग ने इसके आदेश जारी कर दिए।

तीन लाख से ज्यादा कर्मचारी इंतज़ार में

सरकारी विभागों में मोटे अनुमान के मुताबिक करीब 3 लाख से ज्यादा कर्मचारी इधर-उधर होंगे। इसमें सबसे ज़्यादा संख्या मेडिकल महकमे से जुड़े कर्मचारियों की है। अकेले इस विभाग में

ही करीब एक लाख कर्मचारी हैं। इसके अलावा पीएचईडी, ऊर्जा, पुलिस और वित्त विभाग में बड़ी संख्या में तबादले होने हैं। हालांकि शिक्षा विभाग से बैन नहीं हटा शिक्षा विभाग में तबादलों से बैन नहीं हटा है। इसकी बड़ी वजह तो सत्र की परीक्षा है। इसके साथ ही शिक्षक तबादलों के लिए नई पॉलिसी का फाइनल नहीं होने को भी बैन नहीं हटने का कारण बताया जा रहा है।

विधायक-मंत्री बढ़ाने की मांग कर रहे थे

भजन लाल सरकार 12 जनवरी को प्रदेश भर में रोजगार उत्सव आयोजित कर रही है। वहां पर बड़ी तादाद में बीजेपी कार्यकर्ता तबादलों के आवेदन मंत्रियों को देने की तैयारी में हैं। 10 दिन में ज्यादातर विभागों में तबादले नहीं हो पाए थे, इसलिए सीएम से कई नेताओं ने छूट को बढ़ाने की मांग की थी।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा राजस्थानी भाषा को रीट में शामिल करने का मामला, सरकार से मांगा जवाब

जयपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। रीट परीक्षा में राजस्थानी भाषा की मान्यता का मामला अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। याचिकाकर्ता पदम मेहता (प्रधान संपादक, माणक राजस्थानी पत्रिका व दैनिक जलते दीप) और डॉ. कल्याण सिंह शेखावत की विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की तरफ से राज्य सरकार को जवाब पेश करने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं।

एसएलपी में कहा गया था कि 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान में 4.36 करोड़ लोग राजस्थानी भाषा बोलते हैं लेकिन

उसके बाद भी रीट में राजस्थानी भाषा शिक्षण माध्यम के तौर पर शामिल नहीं किया गया है। जबकि संविधान शिक्षा का अधिकार और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों में भी कहा गया है कि बच्चे की प्राथमिक शिक्षा उसकी मातृभाषा में होनी चाहिए।

याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ एसएलपी दायर की थी।, जिसमें कहा गया था कि रीट की विज्ञप्ति में गुजराती, पंजाबी, सिंधी और उर्दू जैसी बहुत कम बोली जाने वाली भाषाओं को भाषा के रूप में शामिल किया गया है लेकिन राजस्थानी भाषा को इसमें शामिल नहीं किया गया है। इसी बात को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी लेकिन हाईकोर्ट ने 27 नवंबर 2024 को याचिका को खारिज कर दिया।

मामले में याचिकाकर्ता के वकील मनीष सिंघवी और अपूर्व सिंघवी ने कहा- हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने भी पूरी तरह से राजस्थानी भाषा के उपयोग से इंकार नहीं किया था। राज्य सरकार ने शपथ पत्र पेश करके कहा था कि नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए सरकार ने टास्क फोर्स भी गठित की है।

शिक्षा नीति में साफ कहा गया है कि बच्चे मातृभाषा में अधिक तेजी से सीखते हैं। ऐसे में जहां भी संभव हो कम से कम 5वीं कक्षा और अधिकतम 8वीं कक्षा तक शिक्षण का माध्यम मातृभाषा में होना चाहिए। इसके अलावा संविधान का अनुच्छेद 350 ए, शिक्षा के अधिकार अधिनियम की धारा 29 (2) (एफ) में भी बच्चों को मातृभाषा में पढ़ाए जाने का उल्लेख है।

महिला की हत्या कर सड़क पर फेंक गए बदमाश

जयपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी में महिला की हत्या का मामले सामने आया है। रामनगरिया थाना क्षेत्र में देर रात एक महिला की हत्या कर उसका शव सड़क पर फेंकने का मामला सामने आया है। आज सुबह शव मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। एफएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। फिलहाल हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के आलाधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस आस-पास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाल रही है।

ताकि हत्या के आरोपियों का पता चल सके। पुलिस की ओर से शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस की ओर से हत्या की वारदात को लेकर कई पहलुओं से जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही वारदात का पर्दाफाश कर दिया जाएगा और आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

गुजरात से पकड़कर लाई पुलिस, दो माह से था फरार

सिरोही, 11 जनवरी (एजेंसियां)। सिरोही जिले के अनादरा पुलिस थाने की टीम ने थानाधिकारी हिंगलाजदान चारण की अगुवाई में नाबालिग लड़की से बलात्कार के आरोपी रामलाल उर्फ रामाराम को गुजरात के डीसा से गिरफ्तार किया। आरोपी दो महीने से फरार था और अनादरा थाने का हिस्ट्रीशीटर होने के साथ जिलास्तरीय टॉप-10 अपराधियों में शामिल है। अनादरा थानाधिकारी हिंगलाजदान चारण की अगुवाई में टीम द्वारा तंत्र विधा के नाम पर नाबालिक लड़की के साथ बलात्कार के आरोपी को डीसा, गुजरात से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी बीते 2 माह से लगातार फरार चल रहा था। गिरफ्तार आरोपी अनादरा थाने का हिस्ट्रीशीटर होने के साथ ही जिलास्तरीय टॉप-10 में भी सम्मिलित है। गौरतलब है कि जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार द्वारा विभिन्न मामलों में वांछित आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवाराम चौधरी व रेवदर वृत के वृताधिकारी मनोज कुमार गुप्ता के सुपरविजन में अनादरा थानाधिकारी हिंगलाजदान चारण की अगुवाई में टीम द्वारा अनादरा, थाना अनादरा, जिला सिरोही, राजस्थान निवासी रामलाल उर्फ रामाराम पुत्र मंछाराम उर्फ मंछाजी वाल्मिकी को डीसा, गुजरात से गिरफ्तार किया गया है।

दूसरे वर्ष का इंटरमीडिएट पाठ्यक्रम शुरू

संशय में प्रथम वर्ष के विद्यार्थी!

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सोशल वेलफेयर रेजिडेंशियल एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस सोसाइटी (टीजीएसडब्ल्यूआरईआईएस) ने एक ऐसे फैसले में, जिसका छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ सकता है, प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम और परीक्षाएं पूरी होने से पहले ही दूसरे वर्ष का इंटरमीडिएट पाठ्यक्रम शुरू कर दिया। सोसायटी ने हाल ही में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम पर आधारित एक महीने का माइक्रो-शेड्यूल जारी किया है, जिसमें 1 जनवरी से 38 उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम का विवरण दिया गया है। यह वनस्पति विज्ञान और प्राणि विज्ञान जैसे विषयों में संपूर्ण पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले ही आ गया है।

सूक्ष्म कार्यक्रम में 3 सप्ताहांत परीक्षाएं आयोजित करने और 2 फरवरी को एक महीने के दौरान पढ़ाए गए कुल पाठ्यक्रम पर एक संचयी परीक्षा आयोजित करने का भी प्रावधान है। यह प्रथम वर्ष की परीक्षा पूरी होने के बाद द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम पढ़ाने की पारंपरिक पद्धति से विचलन है। सोसायटी के इस निर्देश की शिक्षकों और अभिभावकों दोनों ने कड़ी आलोचना की है, तथा पहले वर्ष में छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन और उनकी मानसिक भलाई पर इस निर्णय के प्रभाव पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इस कदम को कॉरपोरेट जूनियर कॉलेजों से भी बदतर बताया, जो कम से कम दूसरे वर्ष के पाठ्यक्रम पर जाने से पहले प्रथम वर्ष की परीक्षाएं पूरी होने तक प्रतीक्षा करते हैं।

प्रत्येक वर्ष, सीओई, जो संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) और राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (एनईईटी)- यूजी के लिए गहन कोचिंग प्रदान करते हैं, वास्तविक परीक्षाएं पूरी होने तक छात्रों के लिए पुनरीक्षण कक्षाएं और उसके बाद मॉडल टेस्ट लेते हैं। तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीजी बीआईई) द्वारा 5 मार्च से प्रथम वर्ष की परीक्षाएं आयोजित करने के निर्णय के बाद शिक्षकों को डर है कि प्रथम वर्ष की परीक्षाओं से पहले द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम पढ़ाने से छात्रों का प्रदर्शन प्रभावित होगा।

एक पीजीटी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि आम तौर पर प्रथम वर्ष की परीक्षा के एक सप्ताह से 10 दिन बाद दूसरे वर्ष की कक्षाएं शुरू होती हैं। हमने पहले वर्ष के पाठ्यक्रम और परीक्षाएं पूरी होने से पहले कभी भी दूसरे वर्ष का पाठ्यक्रम शुरू नहीं किया था। वनस्पति विज्ञान और प्राणी विज्ञान में कुछ प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम पूरा नहीं हुआ है। यह पहली बार है जब हमने ओएसडी के निर्देश के अनुसार पहले वर्ष से पहले दूसरे वर्ष का पाठ्यक्रम शुरू किया है।

आॅटो-स्कूटी भिडंत में एक की मौत

मदनूर, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मदनूर मंडल इंदिरा नगर के समीप सड़क पर शुक्रवार की शाम को आॅटो व स्कूटी की भिडंत में एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई तो दूसरी घायल हो गया। बताया जा रहा है कि मदनूर मंडल केंद्र निवासी सुधीर तरोडेकर, अपनी स्कूटी पर सवार होकर सर्विस रोड से गुजर रहा था उसके विपरीत दिशा से मदनूर मंडल बड़ा शकरगा निवासी तुलसीराम आॅटो लेकर गुजर रहा था। अचानक आॅटो व स्कूटी की टक्कर होने से सुधीर व तुलसीराम घायल होने की सूचना मदनूर पुलिस स्टेशन को दी गई। एसआई विजय पुलिस दल के साथ आकर घायल व्यक्तियों को देगलूर के दवाखाना में भर्ती कराया गया जहां हालात गंभीर होने पर उन्हें नांदेड भेज दिया गया। जहां उपचार के दौरान सुधीर की मौत हो गई। तुलसीराम का उपचार जारी है।

मुख्यमंत्री ने आबकारी विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने शनिवार को आबकारी अधिकारियों के साथ शराब आपूर्ति और बीयर की कीमतों पर समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तेलंगाना राज्य को शराब की आपूर्ति करने के लिए आगे आने वाली कंपनियों का चयन करने के लिए एक पारदर्शी तंत्र अपनाने का आदेश दिया। आबकारी और निषेध अधिकारियों को उन कंपनियों द्वारा नए शराब ब्रांडों की आपूर्ति के लिए एक सरलीकृत व्यापार नीति का पालन करने के लिए कहा गया है जो पहले से ही टीजीबीसीएल को शराब की आपूर्ति कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को राज्य में नई कंपनियों को शराब की आपूर्ति करने की अनुमति देने में सख्त नियमों का पालन करने के लिए आगाह किया। मुख्यमंत्री रेवंथ रेड्डी ने अधिकारियों को एक महीने की समय सीमा के भीतर नई कंपनियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए एक अधिसूचना जारी करने का निर्देश दिया। यह अनिवार्य है कि कंपनियां केवल अपने ब्रांड नामों के साथ आवेदन करें और उन कंपनियों की गुणवत्ता मानकों और आपूर्ति क्षमता की जांच करके चयन प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आबकारी विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, आबकारी मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव, मुख्य सचिव शांति कुमारी, विशेष मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, आबकारी विभाग के प्रधान सचिव रिजवी और आबकारी आयुक्त हरिकिरण शामिल हुए। जब अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के ध्यान में लाया कि यूनाइटेड बेवरेजेज कंपनी ने सरकार पर बीयर की कीमतों में 33.1 प्रतिशत की वृद्धि करने का दबाव बनाया है, तो सीएम ने कहा कि सरकार कंपनियों के दबाव में नहीं आएगी। अधिकारियों को पड़ोसी आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में बीयर की कीमतों की जांच करने का निर्देश दिया गया है। मूल्य वृद्धि पर निर्णय एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली मूल्य निर्धारण समिति की रिपोर्ट के आधार पर लिया जाएगा, मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष में समय-समय पर आबकारी विभाग को लंबित बिलों का भुगतान किया गया है। सीएम रेवंत रेड्डी ने वित्त विभाग के अधिकारियों को पिछली सरकार द्वारा लगाए गए लंबित बकाए को व्यवस्थित रूप से चुकाने का आदेश दिया।

कुख्यात चोर गिरफ्तार, पांच लाख की संपत्ति बरामद

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, साउथ-ईस्ट ज़ोन टीम ने चादरघाट पुलिस के साथ मिलकर एक कुख्यात चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी आसिफ अली सैयद निवासी हशमाबाद, बंडलागुडा से 75 ग्राम सोने के आभूषण, 4 कलाई घड़ियां बरामद की गई है। बरामद संपत्ति की कीमत करीब छह लाख रुपये है। आरोपी व्यक्ति आसिफ अली सैयद मूल रूप से मुनिपारा, पश्चिम बंगाल का रहने वाला है। वह हैदराबाद में चाय की दुकान में काम करता है। वह विलासितापूर्ण जीवन जीने का आदी है, अपने खर्चों को पूरा करने के लिए आरोपी ने चोरी की। इससे पहले वह 11 घरों में चोरी मामलों में शामिल था और एक मामले में उसे 5 साल की सजा मिली थी। जेल से रिहा होने के बाद, वह हैदराबाद आया और चाय की दुकान में हेल्पर के रूप में काम करना शुरू कर दिया, क्योंकि वह विलासितापूर्ण जीवन जीने का आदी था, उसकी कमाई उसके विलासितापूर्ण खर्चों को पूरा करने के लिए अपर्याप्त थी। अपने विलासितापूर्ण खर्चों को पूरा करने के लिए उसने चोरी करने की योजना बनाई। अपराध करने के बाद, वह चोरी की संपत्ति के साथ अपने घर चला जाता था। बाद में अपनी जरूरतों को पूरा करने और अपनी विलासितापूर्ण जीवन शैली को बनाए रखने के लिए लूट का माल ठिकाने लगा देता था। विश्वसनीय सूचना पर, कमिश्नर टास्क फोर्स, साउथ-ईस्ट ज़ोन टीम और चादरघाट पुलिस टीम ने तकनीकी रूप से सुरागों पर काम किया और उसे पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान, आरोपी ने कबूल किया है कि उसने अपराध किए हैं।

स्नातक एमएलसी उम्मीदवार का नाम जल्द घोषित किया जाएगा : टीपीसीसी प्रमुख

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने घोषणा की है कि पार्टी की ओर से स्नातक एमएलसी उम्मीदवार का नाम जल्द ही घोषित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में चार उम्मीदवारों का मूल्यांकन किया जा रहा है। टीपीसीसी प्रमुख ने जोर देकर कहा कि पार्टी शिक्षक एमएलसी चुनावों के लिए अपने गठबंधन उम्मीदवार का समर्थन करेगी। शनिवार को एक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान, महेश कुमार गौड़ ने संकेत दिया कि खैरताबाद के विधायक दानम नागेंद्र से फीडबैक पर विचार करने के बाद निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा, सभी रिपोर्ट केसी वेणुगोपाल के पास हैं। पार्टी के सदस्यों और नेताओं को अगले दो दशकों के लिए दीर्घकालिक लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

केटीआर ने मेघा कंपनी को बचाने के लिए की रेवंत की आलोचना

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सुंकीशाला घटना पर सतर्कता रिपोर्ट को छिपाने के लिए कांग्रेस सरकार द्वारा किए जा रहे जबरदस्त प्रयास पर प्रकाश डालते हुए, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने शनिवार को कहा कि इससे जनता का भरोसा और जवाबदेही कमजोर होगी। सुंकीशाला घटना के मामले में सतर्कता रिपोर्ट को गुप्त रखने का फ़ैसला प्रशासन की ईमानदारी और पारदर्शिता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाता है। उन्होंने इस कदम की निंदा करते हुए कहा कि यह एक निर्माण कंपनी द्वारा की गई गंभीर गलती को छिपाने का प्रयास है, जिसे आरटीआई अधिनियम की राष्ट्रीय सुरक्षा धाराओं से जोड़ा गया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मेघा कंपनी को ब्लैकलिस्ट करने की सिफारिश करने वाली समिति की रिपोर्ट को गुप्त रखने का मुख्य कारण मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और मेघा कृष्ण रेड्डी के बीच एक गुप्त समझौता है। उन्होंने बताया कि मेघा कंपनी की लापरवाही के कारण रिटेनिंग वॉल गिर गई, जिससे 80 करोड़ रुपये का सार्वजनिक धन का नुकसान हुआ और हैदराबाद की बढ़ती पेयजल ज़रूरतें ख़तरे में पड़ गईं। बीआरएस नेता ने कांग्रेस सरकार पर यह भी आरोप लगाया कि वह निर्माण संबंधी खामियों के उजागर होने के डर से समिति की रिपोर्ट का खुलासा करने में झिझक रही है। उन्होंने कहा कि जानकारी छिपाना गलती स्वीकार करने के समान है। उन्होंने मौजूदा स्थिति की विडंबना को भी उजागर किया कि रेवंत रेड्डी, जिन्होंने विपक्ष में रहते हुए मेघा कंपनी की ईस्ट इंडिया कंपनी के रूप में आलोचना की थी, अब सत्ता में आने के बाद उनकी गलतियों पर आंखें मूंद रहे हैं।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि सरकार ने 4,350 करोड़ रुपये की कोंडागल लिफ्ट सिंचाई परियोजना को मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी की स्वामित्व वाली मेघा कंपनी और राघवा कंपनी को गुप्त रूप से ठेका दे दिया, जिससे बड़े पैमाने पर घोटाला हुआ। बीआरएस की ओर से उन्होंने मांग की कि सरकार आरटीआई अधिनियम को कमजोर करने वाले कदमों को रोके और सुंकीशाला घटना की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करे।

ठंड से कांप रहे जरूरमंदों को मिथिला सामाजिक मंच द्वारा कंबल वितरित

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मिथिला सामाजिक मंच, ग्रेटर हैदराबाद की ओर से देर रात ठंड के बढ़ते कहर के मद्देनजर गरीबों, असहाय और निर्धन लोगों के बीच सैकड़ों कंबल वितरित किए गए। मंच के अध्यक्ष राम विनोद झा ने बताया कि गरीब लोगों को ठंड से राहत दिलाने के लिए मिथिला सामाजिक मंच की ओर से लगातार कंबल बांटे जा रहें हैं।

शुक्रवार की देर रात सिकंदराबाद और चादरघाट इलाके में कंबल वितरित किए गये। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों को आगे भी ठंड से बचाने के लिए कंबल वितरण किए जाएंगे।

मिथिला सामाजिक मंच के महासचिव रंजन कुमार झा ने मौके पर कहा कि सामाजिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए मिथिला के प्रवासी लोगों द्वारा गठित इस मंच का मानना है कि सच्चा कार्य वही है, जो समाज के हित को साध सके। मंच के पूर्व अध्यक्ष शंभु कुमार झा ने बताया कि इस संस्था का एक मात्र उद्देश्य समाज के निराश्रित एवं अंतिम पंक्ति के व्यक्तियों को वह सुख सुविधाएं पहुंचाने का प्रयास करना है, जिनसे अभी तक यह वर्ग अछूता है। इस कार्य में अनिल झा, शशि इस्सर, अखिलेश मिश्रा, राहुल पासवान, नरेश हैदराबादी समेत मिथिला सामाजिक मंच के दर्जनों सदस्यों की उपस्थिति रही।

एसी कंप्रेसर चोरी के आरोप में 2 गिरफ्तार

8 लाख रुपये की संपत्ति बरामद

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। घरों को निशाना बनाकर एयर कंडीशनर कंप्रेसर चुराने वाले 2 लोगों को बोवेनपल्ली पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 8 लाख रुपये की संपत्ति बरामद की है। गिरफ्तार किए गए आंध्र प्रदेश के नानाबाला गोपी (29) और तेलंगाना के नारायणपेट जिले के मायथारी अनंथम्मा (40) रात के समय शहर में कार में घूमते थे। डीसीपी (उत्तर) एस रश्मि पेरुमल ने बताया कि मौका मिलते ही गिरोह एयर कंडीशनर के कंप्रेसर और अन्य उपकरण चुरा लेता था। बाद में संपत्ति को बाजार में बेच दिया जाता था। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर गिरोह को पकड़ लिया है। दोनों आरोपी 4 मामलों में संलिप्त हैं। इससे पहले, गिरोह को हयातनगर और वनस्थलीपुरम में इसी तरह के अपराध करने के लिए गिरफ्तार किया गया था।

सैनिक भवन, सिकंदराबाद में जॉब फेयर का आयोजित

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सेना कल्याण प्लेसमेंट संगठन (एडब्ल्यूपीओ) द्वारा तेलंगाना और आंध्र उप-क्षेत्र (टीएएसए) के तत्वावधान में गोल्डन पाम सैनिक भवन, सिकंदराबाद में मैजिक बस फाउंडेशन (भारत), फैक्टसेट रिसर्च सिस्टम, तेलंगाना ओवरसीज मैनेजमेंट कंपनी (टॉमकॉम) और कई निजी/बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सहयोग से 9वें सशस्त्र बल दिग्गज दिवस के उपलक्ष्य में जॉब फेयर का आयोजन किया गया। मुख्यालय टीएएसए का प्रतिनिधित्व करते हुए डिप्टी जीओसी ब्रिगेडियर एनवी नंजुदेश्वरा ने कार्यक्रम में भाग लिया, जिन्होंने जॉब मेले में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को एक प्रेरक भाषण भी दिया। कर्नल बीजी बुधोरी (सेवानिवृत्त) निदेशक एडब्ल्यूपीओ (एपी और तेलंगाना) ने भी उम्मीदवारों को कार्यक्रम का अवलोकन प्रदान किया।

कुल 12 बहुराष्ट्रीय कंपनियों और निजी कंपनियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। 206 भूतपूर्व सैनिकों और 27 वीर नारियों/आश्रितों सहित 233 उम्मीदवारों के लिए साक्षात्कार आयोजित किए गए। प्रभावशाली रूप से, 23 वीर नारियों/आश्रितों सहित 158 भूतपूर्व सैनिकों को अंतिम चयन के लिए विभिन्न कंपनियों द्वारा शॉर्टलिस्ट किया गया है। चयनित उम्मीदवारों को तीन ऑफर लेटर भी सौंपे गए, जिनमें एक वीर नारी भी शामिल है, जो इस आयोजन की सफलता को दर्शाता है, जिसके परिणामस्वरूप सक्रिय रूप से नौकरी के अवसरों की तलाश कर रहे भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों की आकांक्षाएं भी पूरी हुईं।

बिजनेस मीट का आयोजन

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू 2 हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग नवरत्न ने सनातनी हिंदू व्यापारियों के लिए बिजनेस मीट का आयोजन किया, यह बैठक भाग्यनगर में हिंदू व्यापारियों की मदद और उन्हें बढ़ावा देने के लिए आयोजित की गई थी। बैठक का आयोजन होटल इलायची मिनिस्टर रोड सिकंदराबाद में किया गया था और बैठक के मुख्य अतिथि उद्योगपति और सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल बलदवा थे।

अध्यक्ष महेश कुमार के साथ सुजाता एस, सुभाष हरल, श्रीधर दादी राव, सुन्नम श्रीकांत जैसे अन्य सदस्य भी मीट में शामिल हुए। बैठक संस्थापक गीतेश काटे के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

12 कोर ट्रूप्स टीम ने दक्षिणी कमान वॉलीबॉल चैंपियनशिप जीती

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिणी कमान वॉलीबॉल चैंपियनशिप 2025-26 का समापन एक शानदार समापन समारोह के साथ हुआ। 1 ईएमई सेंटर, आर्मी वॉलीबॉल नोड ने 6 से 10 जनवरी 2025 तक इस कार्यक्रम की मेजबानी की। प्रतियोगिता में दक्षिणी कमान के तहत विभिन्न इकाइयों/संरचनाओं की आठ टीमों ने भाग लिया। दक्षिणी कमान चैंपियनशिप का उद्देश्य रक्षा कर्मियों के बीच प्रतिस्पर्धात्मक और खेल भावना को बढ़ावा देना और सेना अंतर-कमांड वॉलीबॉल चैंपियनशिप के लिए दक्षिणी कमान वॉलीबॉल टीम के चयन को सुविधाजनक बनाना था। चैंपियनशिप में पांच दिनों तक गहन और रोमांचक मैच हुए, जिसमें खिलाड़ियों के असाधारण कौशल का प्रदर्शन हुआ। 12 कोर ट्रूप्स टीम और 12 रैपिड टीम के बीच रोमांचक फाइनल मैच में 12 कोर ट्रूप्स टीम ने वर्ष 2025-26 के लिए चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। फाइनल स्कोर 25-19, 25-18 और 25-20 रहा। चैंपियनशिप में सशस्त्र बलों के भीतर शारीरिक फिटनेस और खेल भावना के महत्व को रेखांकित किया गया, साथ ही प्रतिभागियों के बीच मैत्री और आपसी सम्मान के बंधन को बढ़ावा दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि 1 ईएमई सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर प्रशांत बाजपेयी ने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन, समर्पण और प्रतिस्पर्धी भावना की प्रशंसा की। मुख्य अतिथि ने उपविजेता टीम को रजत पदक सौंपे, जबकि विजेता टीम को स्वर्ण पदक और चैंपियनशिप ट्रॉफी प्रदान की गई।

डीसीपी ने एमजीबीएस में सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डीसीपी ईस्ट ज़ोन डॉ. बालास्वामी, जे. नरसैया, एडिशनल डीसीपी, ईस्ट ज़ोन, के. शंकर, एसीपी, सुल्तान बाज़ार डिवीजन, एन. रवि, पुलिस निरीक्षक, पी.एस. अफ़ज़लगंज के साथ-साथ एमजीबीएस की आर.एम.जे. श्रीलता ने महात्मा गांधी बस स्टैंड (एमजीबीएस) डिपो में सुरक्षा व्यवस्था और बंदोबस्त का निरीक्षण किया। संक्रांति उत्सव के लिए अपने गृहनगर जाने के लिए एमजीबीएस आने वाले यात्रियों की भारी भीड़ की प्रत्याशा में निरीक्षण किया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों और डिपो मैनेजर ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की और यात्रियों से बातचीत कर उपलब्ध कराई गई सुविधाओं पर फीडबैक लिया। इस साल, पुलिस ने आरटीसी बसों में सुचारू और सुरक्षित बोर्डिंग सुनिश्चित करने के लिए एमजीबीएस में चार अतिरिक्त प्लाटून के साथ सुरक्षा को मजबूत किया है। कर्मचारियों के लिए नियमित ब्रीफिंग आयोजित की जा रही है, और एमजीबीएस में चौबीसों घंटे उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा की विशेष बैठक निर्दोष भवन खैरताबाद में संपन्न हुई। बैठक में गत माह में लिए गए निर्णयों की समीक्षा एवं पिछली बैठक से आजतक के आय-व्यय की समीक्षा एवं अनुमोदन किया गया। बैठक में मुख्य रूप से आगामी 2 फरवरी बसंत पंचमी को निर्धारित सामूहिक उपनयन कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु विभिन्न समितियों का गठन किया गया। कार्यों का आवन्टन किया गया जैसे साजसज्जा समिति, स्वागत समिति, भोजन व्यवस्था समिति, परोसगारी समिति, पुरोहित की व्यवस्था, नाई का प्रबंध पूजा बटुकों के वस्त्र सूप आदि की खरीदारी समिति, बटुकों के अभिभावकों का मार्गदर्शन आदि। बैठक की अध्यक्षता डॉ. रामकुमार तिवारी ने की। बैठक में कोषाध्यक्ष गोपाल प्रसाद शुक्ल, आयोजन मंत्री सूर्य प्रकाश शुक्ल, महामंत्री विजयापाल पाण्डेय, प्रचार मंत्री राजेंदर प्रसाद तिवारी, सम्पर्क मंत्री विनोद प्रसाद तिवारी, सांस्कृतिक मंत्री रत्नकला मिश्र, व्यवस्था मंत्री दुर्गा प्रसाद मिश्र, सदस्य राहुल मिश्र, युवा मामलों के मंत्री जय शंकर प्रसाद तिवारी संगठन मंत्री बाला प्रसाद तिवारी, विशेष आमंत्रित प्रेम सुन्दर शुक्ल, उपाध्यक्ष राकेश तिवारी, महिलाविभाग मंत्री शोभा दुबे, जागेशदत शुक्ल ने भाग लिया।

5.25 लाख मूल्य का 21 किलो गांजा जब्त, 6 गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। धूलपेट मद्य निषेध एवं आबकारी विभाग के अधिकारियों ने शनिवार को गांजा तस्करी में शामिल 6 लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने 5.25 लाख रुपये मूल्य का 21 किलोग्राम गांजा जब्त किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में आकाश सिंह, दुर्गेश सिंह, आनंद सिंह, शंकर सिंह, हुलसिंह और लोकेश कुमार शामिल हैं। ये लोग ओडिशा के रहने वाले पांच लोगों से नियमित रूप से गांजा लाते थे। अधिकारियों ने बताया कि पांचों सप्लायरों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। स्थानीय स्तर पर उपभोक्ताओं को गांजा की आपूर्ति करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला स्कूटर भी उनके पास से जब्त किया गया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेल सकते हैं केएल राहुल

पहले आराम दिया गया था; 6 फरवरी से शुरू होगी ओडीआई सीरीज

मुंबई,11 जनवरी (एजेंसियां)। बीसीसीआई ने भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल को फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में खेलने के लिए कहा है। उन्हें पहले इंग्लैंड के खिलाफ खेली जाने वाली घरेलू टी-20 और वनडे सीरीज से आराम दिया गया था।

टाइम्स ऑफ इंडिया को एक सूत्र ने बताया, शुरुआत में उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी तक आराम देने का फैसला किया गया था। लेकिन, अब बीसीसीआई ने वनडे सीरीज में खेलने के लिए कहा है, ताकि फरवरी में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी से पहले वे कुछ मैच खेल सके।

टीम इंडिया को चैंपियंस ट्रॉफी से ठीक पहले इंग्लैंड के खिलाफ दो सीरीज खेलनी है। पहली टी-20 सीरीज है, जिसमें 5 मैच हैं। जबकि वनडे सीरीज में कुल 3 मैच खेले जाएंगे।

बॉर्डर-गावस्कर के सभी मैचों में खेले राहुल

ऑस्ट्रेलिया में संपन्न हुई बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में केएल राहुल को पांचों टेस्ट मैचों की प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था। राहुल ने 30.66 की औसत से 276 रन बनाए थे। जिसमें 2 अर्धशतक शामिल है।

विजय हजारे ट्रॉफी से भी कर्नाटक टीम से बाहर रहे

राहुल विजय हाजरे ट्रॉफी से भी बाहर रहने का फैसला किया। कर्नाटक की टीम 11 जनवरी यानी आज वडोदरा के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच खेलेगी। राहुल इसमें नहीं खेलेंगे। वहीं अगर कर्नाटक की टीम क्वार्टर-फाइनल को जीतकर आगे बढ़ती है, तो भी वह विजय हजारे ट्रॉफी में हिस्सा नहीं लेंगे।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम

जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, बेन डकेट, जेमी ओवर्टन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम

जोस बटलर (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, बेन डकेट, जेमी ओवर्टन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

आईपीएल 2025 में आरसीबी की कप्तानी करेंगे विराट कोहली ?

मुंबई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। करीब दो महीने का इंतजार और फिर शुरुआत होगी विश्व की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग आईपीएल की. आईपीएल के नए सीजन का आगाज मार्च में हो सकता है. हालांकि अभी तक ये साफ नहीं हो पाया है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का अगला कप्तान कौन होगा. एक बार फिर से अटकलें लगाई जा रही है कि विराट कोहली आरसीबी की कमान दोबारा संभाल सकते हैं. अब इन अटकलों पर आरसीबी के हेड कोच एंडी फ्लावर ने बड़ा बयान दिया है. आईपीएल 2025 में विराट कोहली कप्तानी करेंगे या नहीं, इसे लेकर उन्होंने कुछ साफ-साफ तो नहीं बताया लेकिन एक हिंट जरूर दे दी है.

विराट आईपीएल में करेंगे कप्तानी ?

आईपीएल 2025 के लिए हुई नीलामी प्रक्रिया के बाद से ही क्रिकेट फैंस ये जानने के लिए उत्सुक हैं कि आरसीबी का अगला कप्तान कौन होगा. कोहली को लेकर जमकर कयास लगाए गए. अब एंडी फ्लावर ने इन चर्चाओं पर रिएक्ट किया है. उन्होंने बताया, 'नतीजे का इंतजार करना होगा. यह एक नया युग है जिसमें हम जा रहे हैं, तीन साल की जर्नी की शुरुआत होने वाली है और मुझे यकीन है कि उम्मीदें आपके लिए अच्छी होगी'.

उन्होंने आगे कहा, 'आप मुझसे जितनी बार चाहें पूछ सकते हैं, लेकिन अब तक कप्तानी को लेकर चर्चा नहीं हुई है.' हालांकि, उनके बयान से कुछ भी साफ तो नहीं हुआ लेकिन 'नए युग' की बात से सुनकर अनुमान लगाए जा रहे हैं कि शायद कोहली को कप्तानी नहीं सौंपी जाए. किसी ऐसे खिलाड़ी टीम को कमान दी जाए जो लंबे समय तक टीम को लीड कर सके.

2021 में छोड़ दी थी आरसीबी की कप्तानी

बता दें कि विराट कोहली करीब 10 सालों तक आरसीबी की कप्तानी कर चुके हैं. उन्होंने साल 2021 में टीम की कप्तानी छोड़ दी थी. 2011 में उन्होंने सबसे पहले अस्थायी रूप से आरसीबी की कप्तानी की और 2013 से वे फुल टाइम कप्तान बन गए थे. हालांकि 2021 में उन्होंने अपने फैंस को बड़ा झटका देते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तानी से खुद को दूर कर लिया था. लेकिन 2023 में वे फाफ डू प्लेसिस के चोटिल होने पर चार मैचों में कप्तानी करते हुए दिखे थे.

2024 तक प्लेसिस रहे कप्तान

विराट के कप्तानी छोड़ने के बाद दक्षिण अफ्रीका के मशहूर खिलाड़ी फाफ डू प्लेसि को आरसीबी ने अपना नया कप्तान बनाया था. प्लेसिस ने तीन सालों तक इस टीम की कमान संभाली. लेकिन आईपीएल 2025 के ऑक्शन से पहले बेंगलुरु ने उन्हें रिलीज कर दिया था. बाद में नीलामी के दौरान प्लेसिस को दिल्ली कैपिटल्स ने 2 करोड़ रूपये में खरीद लिया था.

नीरज भाला फेंक में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पुरुष एथलीट

पाकिस्तान के नदीम दूसरे स्थान पर रहे

नई दिल्ली,11 जनवरी (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता भारतीय खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को विश्व स्तर पर प्रसिद्ध अमेरिकी पत्रिका 'ट्रैक एंड फील्ड न्यूज' ने 2024 में भाला फेंक में दुनिया का सर्वश्रेष्ठ पुरुष एथलीट करार दिया है। पिछले साल ओलंपिक खेलों में पाकिस्तान के अरशद नदीम के बाद दूसरे स्थान पर रहने वाले 27 वर्षीय चोपड़ा ने कैलिफोर्निया स्थित पत्रिका की 2024 की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है।

नीरज ने एंडरसन पीटर्स को पीछे छोड़ा

उन्होंने ग्रेनेडा के दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स को पीछे छोड़ा। नदीम इस सूची में पांचवें स्थान पर हैं क्योंकि उन्होंने ओलंपिक के अलावा केवल एक अन्य प्रतियोगिता पेरिस डायमंड लीग में हिस्सा लिया था जिसे वह चौथे स्थान पर रहे थे। पेरिस ओलंपिक में उन्होंने 92.97 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता था, जबकि चोपड़ा ने 89.45 मीटर के साथ रजत पदक हासिल किया था।

भारत इस साल भालाफेंक में शीर्ष प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा

भारत संभवतः इस साल सितंबर में भाला फेंक की शीर्ष प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा जिसमें नीरज सहित कई स्टार खिलाड़ी भाग लेंगे। यह आयोजन उन कई प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त है जिनकी मेजबानी के लिए भारत ने अपनी रुचि व्यक्त की है। इसमें 2029 में होने वाली विश्व चैंपियनशिप भी शामिल है। भारत ने 2029 विश्व चैंपियनशिप और 2027 में होने वाली विश्व रिले प्रतियोगिता की मेजबानी के लिए रुचि व्यक्त की है। एएफआई पिछले साल नवंबर में विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को की भारत यात्रा के दौरान पहले ही 2028 विश्व जूनियर चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए अपनी रुचि व्यक्त कर चुका है।

दुनिया के चोटी के 10 खिलाड़ी भाग ले सकते हैं

शीर्ष प्रतियोगिताओं में दुनिया के चोटी के 10 खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। नीरज ने हाल ही में अपने करियर में एक रोमांचक नए अध्याय की शुरुआत की थी। नीरज ने महान भाला फेंक एथलीट यान जेलेज्नी को अपना नया कोच बनाया। तीन बार के ओलंपिक और विश्व चैंपियन और मौजूदा विश्व रिकॉर्ड धारक जेलेज्नी लंबे समय से चोपड़ा के आदर्श रहे हैं।

जेलेज्नी के मार्गदर्शन में नीरज अच्छा करने की कोशिश करेंगे

जेलेज्नी के मार्गदर्शन में नीरज अपनी कामयाबी को एक अलग स्तर पर ले जाने की कोशिश करेंगे। 1992, 1996 और 2000 के ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक विजेता जेलेज्नी के नाम अब तक के शीर्ष दस सर्वश्रेष्ठ थ्रो में से पांच थ्रो हैं। 1996 में जर्मनी में 98.48 मीटर के थ्रो के साथ उन्होंने विश्व रिकॉर्ड कायम किया था। उन्होंने चार मौकों पर विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। जेलेज्नी इससे पहले जाकुब वादलेच और वितेजस्लाव वेस्ली के कोच भी रह चुके हैं। उन्होंने दो बार के ओलंपिक चैंपियन और तीन बार के विश्व चैंपियन बारबोरा स्पातोकोवा को भी कोचिंग दी है।

रणजी ट्रॉफी: नॉकआउट में पहुंचने के लिए जीतने होंगे दोनों मैच

धर्मशाला, 11 जनवरी (एजेंसियां)। रणजी के नॉकआउट में जाने के लिए हिमाचल को अपने बचे हुए दोनों मैच जीतने होंगे, लेकिन उसकी राह में सबसे बड़ा रोड़ा गुजरात बनेगा। हिमाचल अगर गुजरात को अंतिम लीग मैच में हरा देती है तो नॉकआउट के लिए आसानी से क्वालीफाई कर सकती है। हिमाचल के कप्तान और कोच के अंतिम लीग मैचों के लिए विशेष रणनीति तैयार करनी होगी। अंडर-23 ट्राफी में भी पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचने पर हिमाचल को गुजरात ने हराकर फाइनल में खेलने का सपना तोड़ा था। वहीं, अब रणजी के दो मैच हिमाचल को हैदराबाद और गुजरात में खेलने हैं। हिमाचल का छठा रणजी मैच 23 से 26 जनवरी को हैदराबाद के साथ होगा। 30 जनवरी से दो फरवरी को गुजरात के साथ दूसरा मुकाबला होगा। अभी तक हिमाचल ने पांच लीग मैचों में तीन में जीत हासिल की और दो मैच हारे हैं।

जबकि गुजरात ने पांच में दो मैच जीते हैं और तीन मैच ड्रॉ रहे हैं। हिमाचल 21 अंकों के साथ पूल में दूसरे स्थान पर है और गुजरात की टीम 19 अंकों के साथ के तीसरे स्थान पर बनी है। 28 अंकों के साथ विदर्भ की टीम पहले स्थान पर है। हैदराबाद 9 अंकों के साथ छठे स्थान पर है। हिमाचल के लिए जहां हैदराबाद पर जीत हासिल करनी होगी। गुजरात से मैच जीतना भी सबसे जरूरी है। एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने कहा कि हिमाचल अगर गुजरात से मैच में जीत जाता है तो वह आराम से नॉकआउट के लिए क्वालीफाई करेगा। बचे हुए दो मैच से पूर्व हिमाचल की टीम का अभ्यास कैंप भी लगाया जाएगा। इसमें कोच और कप्तान अगले दो मैचों के लिए रणनीति भी तैयार करेंगे। इस बार हिमाचल नॉकआउट के लिए क्वालीफाई भी करेगा और फाइनल भी खेलेगा।

सानिया मिर्जा की दुबई में कॉफी डेट

दुबई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। टेनिस स्टार सानिया मिर्ज़ा, तलाक के बाद अपने काम में व्यस्त हैं। दुबई शिफ्ट हो चुकीं सानिया मिर्ज़ा ने नया काम शुरू किया है। साथ ही, डेटिंग की खबरें भी आ रही हैं।

भारत की टेनिस स्टार, पाकिस्तान की बहू रहीं सानिया मिर्ज़ा अब भारत और पाकिस्तान की बजाय दुबई में सेटल हो गई हैं। दुबई में आलीशान ज़िंदगी बिता रही हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें आए दिन वायरल होती रहती हैं। सानिया मिर्ज़ा चार दिन पहले एक पार्टी में नज़र आईं थीं। अब डेटिंग की तस्वीरें खबरों में हैं। सानिया मिर्ज़ा दुबई में किसके साथ डेट कर रही हैं, ये सवाल फैन्स के ज़हन में घूम रहा है।

सानिया मिर्ज़ा ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर कॉफ़ी डेट की तस्वीर शेयर की है। उसमें दिल वाला सिंबल भी दिख रहा है। सानिया ने सिर्फ़ कॉफ़ी की तस्वीर पोस्ट की है। इसे देखकर फैन्स कयास लगा रहे हैं। सानिया के साथ डेट पर कौन आया था, ये सवाल उन्हें परेशान कर रहा है। सानिया मिर्ज़ा कॉफ़ी की तस्वीर डालकर अपने नए रिश्ते के बारे में हिंट दे रही हैं, ऐसा फैन्स का मानना है। लेकिन सानिया मिर्ज़ा ने इस बारे में कोई बयान नहीं दिया है।

2010 में सानिया मिर्ज़ा ने शोएब मलिक से शादी की थी। शोएब मलिक के लिए ये दूसरी शादी थी। 14 साल बाद उनका रिश्ता खत्म हो गया। पिछले साल 2024 में दोनों का तलाक हो गया। सानिया मिर्ज़ा को तलाक देने के बाद शोएब मलिक ने तीसरी शादी कर ली है। सानिया मिर्ज़ा और शोएब मलिक की एक संतान है। तलाक के बाद सानिया मिर्ज़ा दुबई में रह रही हैं। शादी, तलाक जैसे निजी मामलों को लेकर काफी चर्चा में रहीं सानिया मिर्ज़ा ने कुछ दिन पहले अपने करियर के बारे में अपडेट दिया था। सानिया मिर्ज़ा पिकलबॉल टीम के साथ जुड़ गई हैं।

इस बारे में वीडियो शेयर करते हुए सानिया मिर्ज़ा ने कहा, "मुझे पिकलबॉल की शानदार टीम में शामिल होने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। हम कोर्ट में नई ऊर्जा लाने के लिए तैयार हैं। पिकलबॉल सिर्फ़ खेलने की जगह नहीं है। ये एक परिवार है। आप खेल में नए हों या अनुभवी, हमारे यहां सबके लिए मौका है। आपको कोर्ट पर देखने के लिए मैं उत्सुक हूं। इस रोमांचक सफर को आप सभी के साथ शेयर कर रही हूं।"

इसके अलावा, साल की शुरुआत में ही सानिया एक नए परिवार से जुड़ गई हैं। 2025 की शुरुआत के साथ, सानिया मिर्ज़ा ने सीईएसए स्पेसेस नाम की एक संस्था के साथ काम करना शुरू कर दिया है, जो बच्चों की फिटनेस और शिक्षा को बढ़ावा देती है। ये संस्था बच्चों की शारीरिक गतिविधि, खेल और फिटनेस के साथ-साथ उनकी पढ़ाई और मानसिक विकास पर भी ध्यान देती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सानिया मिर्ज़ा की सालाना कमाई करीब 25 करोड़ रुपये है। दुनिया की नंबर 1 टेनिस स्टार रहीं सानिया ने महिला युगल और मिश्रित युगल में छह ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। 2023 में सानिया ने टेनिस को अलविदा कह दिया था।

तमीम इकबाल ने फिर इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया

2023 में भी लिया था, तब 24 घंटे के भीतर ही फैसला बदला था

इस्लामाबाद, 11 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने फिर इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। यह दूसरी बार है जब उन्होंने अपने करियर को अलविदा कहा है। तमीम ने जुलाई 2023 में भी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था, लेकिन 24 घंटे के भीतर ही अपना फैसला बदल दिया था।

तमीम ने हाल ही में नेशनल सेलेक्शन पैनल से मुलाकात की थी। उन्होंने ICC चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम के ऐलान से पहले ही संन्यास ले लिया।

तमीम ने बांग्लादेश के लिए अपना आखिरी मैच सितंबर 2023 में खेला। उन्होंने फरवरी 2007 में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे मैच से अपने इंटरनेशनल करियर का आगाज किया।

तमीम का इंटरनेशनल रिकॉर्ड

तमीम इकबाल ने 70 टेस्ट मैचों में 38.89 के एवरेज से 5134 रन बनाए। इसमें 10 शतक और 31 अर्धशतक शामिल रहे। वहीं 243 वनडे में उनके नाम पर 36.65 की औसत से 8357 रन दर्ज हैं। वनडे इंटरनेशनल में 14 शतक और 56 अर्धशतक लगाए। तमीम ने 78 टी-20 इंटरनेशनल में 24.08 के एवरेज से 1758 रन बनाए। इसमें उनके नाम पर 1 शतक और सात अर्धशतक दर्ज हैं।

कप्तान शांतो ने मनाने की कोशिश की

तमीम ने 8 जनवरी को सिलहट में बांग्लादेश के चयनकर्ताओं को अपने फैसले की जानकारी दी। गाजी अशरफ हुसैन की अगुआई वाली चयन समिति ने उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बांग्लादेश टीम में वापस आने के लिए कहा। तमीम ने तब उनसे कहा था कि वह संन्यास लेने के अपने फैसले पर कायम रहेंगे, लेकिन कप्तान नजमुल हुसैन शांतो सहित कुछ बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने उनसे फिर से विचार करने का रिक्वेस्ट किया, जिसके बाद उन्होंने एक दिन और समय लिया।

इंटरनेशनल क्रिकेट में मेरा अध्याय समाप्त हो चुका है

उन्होंने फेसबुक पर लिखा, मैं लंबे समय से इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर हूं। वह दूरी बनी रहेगी। इंटरनेशनल क्रिकेट में मेरा अध्याय समाप्त हो चुका है। मैं इस बारे में लंबे समय से सोच रहा था। अब जब चैंपियंस ट्रॉफी जैसा बड़ा आयोजन आ रहा है, तो मैं किसी के ध्यान का केंद्र नहीं बनना चाहता।

उन्होंने आगे लिखा, कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने ईमानदारी से मुझे टीम में वापस आने के लिए कहा। चयन समिति के साथ भी चर्चा हुई। टीम में मुझे शामिल करने के लिए मैं उनका आभारी हूं। हालांकि, मैंने अपने दिल की बात सुनी है।

उन्होंने लिखा, मैंने खुद को बहुत पहले ही बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से हटा लिया था क्योंकि मैं इबंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी नहीं करना चाहता था।

वरुण एरोन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया

भारत के लिए 18 मैच खेले; 2022 में गुजरात टाइटंस टीम से आईपीएल जीता

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय पेसर वरुण एरोन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। 35 वर्षीय वरुण ने विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 से झारखंड के बाहर होने के बाद यह घोषणा की।

वरुण ने 2023-24 रणजी सीजन के आखिर में रेड बॉल क्रिकेट को अलविदा कह दिया था और अब व्हाइट बॉल फॉर्मेट भी छोड़ने का फैसला ले लिया है। उन्होंने VHT 2024-25 के लिस्ट ए (वनडे) टूर्नामेंट के 4 मैचों में 53.33 के औसत से 3 विकेट लिए।

वरुण एरोन

डोमेस्टिक करियर

फॉर्मेट	मैच	विकेट	बेस्ट
फर्स्ट क्लास	66	173	6/32
लिस्ट-ए	88	141	6/33
टी-20	95	93	3/16

एरोन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, पिछले 20 वर्षों से मैं तेज गेंदबाजी कर रहा हूं। आज मैं आधिकारिक तौर पर क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान करता हूं। इतने साल में मैंने करियर के लिए खतरा बनी अनेक चोटों से उबरने में शारीरिक और मानसिक तौर पर काफी मेहनत की, बार बार वापसी की और इसके लिए मैं अपने फिजियो, ट्रेनर और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के कोचों को धन्यवाद देता हूं।

अब मैं अपने जीवन की छोटी छोटी खुशियों का लुत्फ उठाना चाहूंगा, लेकिन खेल से भी जुड़ा रहूंगा, जिसने मुझे सब कुछ दिया है। तेज गेंदबाजी मेरा पहला प्यार रहा है और हमेशा मेरे जीवन का अहम हिस्सा रहेगी। 35 वर्ष के एरोन ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 2011 में डेब्यू किया था। उन्होंने अपना पहला वनडे मैच इंग्लैंड के खिलाफ वानखेड़े में खेला था। वरुण ने भारत के लिए 9 टेस्ट और 9 वनडे खेले।एरोन ने फर्स्ट क्लास करियर के 66 मैचों में 33.27 की औसत से 173 विकेट लिए। एरोन ने 2010-11 विजय हजारे ट्रॉफी में 21 साल की उम्र में 150 केएमपीएच से ज्यादा की स्पीड से गेंद फेंककर अपनी पहचान बनाई थी। मगर बार-बार चोटिल होने के चलते वह टीम से लगातार अंदर-बाहर होते रहे।

वरुण ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच 2015 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था। घरेलू क्रिकेट में, एरोन ने 88 लिस्ट ए मैच खेले, जिसमें 26.47 की औसत और 5.44 की इकोनॉमी रेट से 141 विकेट लिए। टी-20 में उन्होंने 95 मैच में 8.53 की इकॉनमी रेट के साथ 93 विकेट लिए।

न्यूजीलैंड के 6 बल्लेबाज नहीं छू पाए दहाई का आंकड़ा, तीसरे वनडे में बुरी तरह हारी कीवी टीम

खेल डेस्क, 11 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच वनडे सीरीज का तीसरा मैच ऑकलैंड में खेला गया। इस मैच में मेजबान न्यूजीलैंड को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। इस मैच में श्रीलंका के गेंदबाजों का कमाल देखने को मिला, जिसके सामने न्यूजीलैंड के बल्लेबाज बेबस दिखे। इस मैच में श्रीलंका ने 140 रन से जीत हासिल की।

न्यूजीलैंड की बेहद खराब बल्लेबाजी

तीसरे वनडे मैच में न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी बेहद खराब रही। इस मैच को जीतने के लिए मेजबान के सामने 291 रन का लक्ष्य रखा था। जिसका पीछा करते हुए कीवी टीम 29.4 ओवर में 150 रन पर ही ढेर हो गई थी। मैच में न्यूजीलैंड के 6 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक नहीं छू पाए। जिसमें विल यंग (0), रचिन रविंद्र (1 रन), डेरिल मिचेल (2 रन), टॉम लैथम (0), ग्लेन फिलिप्स (0) और मिचेल सेंटनर (2 रन) शामिल रहे।

केवल खेती योग्य भूमि के लिए सुनिश्चित करें रैतु भरोसा : सीएम

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को जिला कलेक्टरों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि रैतु भरोसा योजना का विस्तार केवल कृषि योग्य भूमि तक ही किया जाए तथा लेआउट, नाला परिवर्तित भूमि, खनन, गोदाम और विभिन्न उद्देश्यों के लिए सरकार द्वारा अधिग्रहित भूमि को सहायता से बाहर रखा जाए। अधिकारियों को गैर-खेती योग्य भूमि की पहचान करनी चाहिए और अपनी सीमा में ऐसी भूमि की सूची बनानी चाहिए। उन्होंने शुक्रवार को कलेक्टरों के साथ बैठक के दौरान कहा कि ग्राम पंचायतों, नगर पालिकाओं और राजस्व अभिलेखों का सत्यापन किया जाना चाहिए और गैर-खेती योग्य भूमि के विवरण पर ग्राम सभाओं में चर्चा की जानी चाहिए।

रेवंत रेड्डी ने जोर देकर कहा कि खेती करने वाले किसानों की परवाह किए बिना, रैतु भरोसा को सभी खेती योग्य भूमि पर लागू किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जिन खेत मजदूरों के पास जमीन नहीं है, वे केवल इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा के तहत सहायता के पात्र होंगे। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना का 96% काम पूरा हो चुका है और उन्होंने इस काम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए कलेक्टरों की सराहना की। हालांकि, उन्होंने कुछ कलेक्टरों द्वारा अपने जिलों में फील्ड निरीक्षण न करने पर नाराजगी जताई और आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को महीने में एक बार समाज कल्याण छात्रावासों का दौरा करने का निर्देश दिया। कलेक्टरों को निर्देश दिए गए कि वे इंदिराम्मा इंदलू के लिए पात्र व्यक्तियों का विवरण संकलित करें तथा उसे अनुमोदन के लिए संबंधित प्रभारी मंत्रियों के समक्ष प्रस्तुत करें। मुख्यमंत्री चाहते हैं कि कलेक्टर 11 से 15 जनवरी के बीच योजना की तैयारी का काम पूरा कर लें। उन्होंने कहा कि मैं 26 जनवरी के बाद औचक निरीक्षण करूंगा और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कोंडापोचम्मा सागर में हैदराबाद के 5 लोग डूबे

सिद्दीपेट, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कोंडापोचम्मा सागर में उतरने वाले 5 लोग शनिवार को डूब गए। हैदराबाद के मुशीराबाद से जलाशय देखने के लिए 7 दोस्तों की टीम आई थी। जब वे तैरने के लिए जलाशय में उतरे, तो उनमें से 5 गलती से डूब गए। पुलिस, सिंचाई और अन्य विभाग के अधिकारियों ने शवों को निकालने के लिए सामूहिक प्रयास किए हैं। मृतकों की पहचान धनुष (20), लोहित (17), धनेश्वर (17), साहिल (19) और जतिन (17) के रूप में हुई है। जीवित बचे दो युवक मृगांक (17) और एमडी इब्राहिम (17) हैं।

सीएम ने दुख जताया

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीएम रेवंत रेड्डी ने सिद्दीपेट जिले के मार्कुक मंडल में कोंडापोचम्मा परियोजना में युवाओं के मारे जाने की घटना पर खेद व्यक्त किया। लापता लोगों के लिए खोज अभियान चलाने का आदेश दिया। जिला अधिकारियों को पास में रहकर स्थिति पर नजर रखने और उचित राहत उपाय करने का निर्देश दिया गया है।

फॉर्मूला ई-रेस ने हैदराबाद की ब्रांड छवि को बढ़ाया

दानम नागेंदर ने की बीआरएस सुप्रीमो के कार्यों की प्रशंसा

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। फार्मूला-ई-रेस के आयोजन को लेकर चल रही राजनीति और विवादों के बीच, कांग्रेस में शामिल हुए बीआरएस विधायक दानम नागेंदर ने स्वीकार किया कि फार्मूला-ई रेस ने हैदराबाद की ब्रांड छवि को बढ़ाया है। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि फॉर्मूला ई-रेस ने हैदराबाद की छवि को और बेहतर बनाने में मदद की है। संयुक्त आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने हैदराबाद में फॉर्मूला वन रेस की मेजबानी के लिए बहुत प्रयास किए थे। इस उद्देश्य के लिए गचीबोवली में जमीन भी अधिग्रहित की गई थी और एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने हैदराबाद का दौरा भी किया था, लेकिन विभिन्न कारणों से, फॉर्मूला वन रेस इवेंट हैदराबाद में नहीं हो सका, उन्होंने एक यूट्यूब चैनल को दिए साक्षात्कार में याद किया।

दानम नागेंदर ने जोर देकर कहा कि फॉर्मूला ई-रेस ने निश्चित रूप से हैदराबाद की ब्रांड छवि को बढ़ावा दिया है और अंतर्राष्ट्रीय

ध्यान आकर्षित किया है। कार्यक्रम के आयोजन में कथित अनियमितताओं के बारे में खैरताबाद विधायक ने याद दिलाया कि बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव स्पष्ट रूप से कह रहे हैं कि वैश्विक शहरों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद, दुबई और हैदराबाद ने भी कार्यक्रम की मेजबानी की। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य हैदराबाद की छवि को बेहतर बनाना था। न्यायालय और जांच एजेंसियों को भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के पहलुओं पर निर्णय लेना होगा। खैरथाबाद विधायक ने राज्य में कई कल्याणकारी और विकास कार्यक्रम शुरू करने के लिए बीआरएस सुप्रीमो के चंद्रशेखर राव की भी सराहना की।

दानम नागेंदर ने कहा कि वह एक महान नेता हैं। तेलंगाना के लोग हमेशा केसीआर गारू को उनके कल्याण और विकास कार्यक्रमों के लिए याद रखेंगे। हालाँकि, उनकी भाषा और भाषण कुछ लोगों को थोड़े कठोर लग सकते हैं, लेकिन वह एक नरम दिल वाले व्यक्ति हैं। केसीआर गारू भोला शंकर हैं। खैरथाबाद विधायक ने हाल ही में विधानसभा में हैदराबाद के विकास पर चर्चा के दौरान कुछ बीआरएस विधायकों के प्रति की गई असंसदीय भाषा और आपत्तिजनक टिप्पणियों के लिए भी खेद व्यक्त किया।

दानम नागेंदर ने कहा कि यह थोड़े गुस्से में हुआ। मैंने व्यक्तिगत रूप से बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव गारू से माफ़ी मांगी है। हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) द्वारा शहर भर में की जा रही तोड़फोड़ पर उन्होंने कहा कि अतिक्रमण हटाना स्वीकार्य है, लेकिन गरीब लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। दानम नागेंदर ने कहा कि उनके घर तोड़े जा रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सत्ता में होने के बावजूद, हमें कई बार सरकार के खिलाफ ऐसी कार्रवाइयों पर आपत्ति उठानी पड़ती है।

कांग्रेस नेताओं के बीच समन्वय की कमी, विशेष रूप से हैदराबाद में, पर खैरथाबाद विधायक ने कहा कि पार्टी के किसी भी नेता ने मुझसे संपर्क नहीं किया या शहर में पार्टी को मजबूत करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा नहीं की। हैदराबाद में राजनीतिक शून्यता थी और कैडर को मजबूत करने की जरूरत थी। उन्होंने कहा कि हालांकि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी शहर में कुछ विकास कार्य कर रहे थे, लेकिन कैडर की ओर से कोई उत्साह या प्रतिक्रिया नहीं थी। उन्होंने कहा कि वह इन सभी मुद्दों को उचित समय पर मुख्यमंत्री के समक्ष उठाएंगे।

संक्रांति पर हर घंटे टोल प्लाजा पार करते हैं 900 वाहन

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विजयवाड़ा मार्ग पर स्थित टोल प्लाजा पर संक्रांति त्योहार के कारण यातायात का घनत्व बहुत अधिक है। एनएचएआई के अधिकारियों ने आंध्र प्रदेश की ओर जाने वाले सैकड़ों वाहनों के प्रबंधन के लिए हैदराबाद-विजयवाड़ा मार्ग पर 16 में से 12 टोल बूथ खोल दिए हैं। पुलिस ने ट्रैफिक जाम को रोकने के लिए यदाद्री भुवनगिरी जिले में स्थित पतंगी में टोल प्लाजा पर अतिरिक्त कर्मियों को तैनात किया है।

अनुमान है कि हर चार सेकंड में एक वाहन टोल बूथ पार करता है, यानी प्रति घंटे 900 वाहन। अधिकारियों ने विभिन्न स्थानों पर क्रेन भी तैनात किए हैं और राजमार्ग पर वाहनों को टो करके ले जाया जा रहा है ताकि किसी भी तरह की खराबी को तुरंत ठीक किया जा सके और यातायात की भीड़ से बचा जा सके।

किसानों ने एसआरएसपी पानी के लिए किया प्रदर्शन

सूर्यपेट, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्यपेट के पास रामाजी तांडा इलाके के किसानों ने श्रीरामसागर परियोजना (एसआरएसपी) चरण II के तहत आने वाले जल संकट पर अपनी चिंता व्यक्त की। किसानों ने नहर मार्ग पर विरोध प्रदर्शन किया और सरकार से उनकी सिंचाई आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त जल आपूर्ति सुनिश्चित करने का आग्रह किया। विरोध प्रदर्शन को स्थानीय भाजपा नेताओं ने भी समर्थन दिया।

एसआरएसपी चरण द्वितीय, जो मुख्य रूप से नलगोंडा, सूर्यपेट, कोडाद और हुजूरनगर के अंतिम छोर के क्षेत्रों में पानी पहुंचाता है, कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना

(केएलआईएस) बैराज के लंबे समय तक बंद रहने के कारण गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। इस स्थिति ने यासांगी (रबी) अयाकट की लगभग दो लाख एकड़ जमीन को खतरे में डाल दिया है। किसानों को डर है कि उचित जल प्रबंधन और विनियमन के बिना उनकी फसलें सूख जाएंगी, जिससे नुकसान होगा। उन्होंने समय पर पानी छोड़ने और समान वितरण की मांग की ताकि वे रबी की फसल उगा सकें।

मजदूर की हत्या के आरोप में 3 गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मियापुर पुलिस ने शनिवार को 3 लोगों को गिरफ्तार किया जिन्होंने पिछले सप्ताह हफीजपेट में एक निर्माण मजदूर की हत्या कर दी थी। गिरफ्तार किए गए लोगों में गांडे सुमित (23), सुनील मद्दानिकर (25) और प्रेमसागर (24) शामिल हैं, जो सभी कर्नाटक के मूल निवासी हैं और शहर में रह रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, 3 जनवरी को तीनों की मुलाकात महाराष्ट्र के बीड जिले के एक निर्माण मजदूर केशव बांगर (39) से हुई। तीनों ने उससे दोस्ती करने के बाद उसे शराब का इंतजाम करने को कहा और उनके कहने पर बांगर ने एक दुकान पर अपना मोबाइल फोन गिरवी रख दिया और पैसे ले लिए।

पैसे का इस्तेमाल कर सुमित और अन्य दो संदिग्धों ने शराब की एक बोतल खरीदी और चारों ने उसे पी लिया। सुमित ने अगले दिन पैसे चुकाने और बांगर का मोबाइल फोन वापस दिलाने का वादा किया। मियापुर इंस्पेक्टर के. क्रांति कुमार ने बताया कि 4 जनवरी को बांगर ने देखा कि सुमित और मदानिकर शराब पी रहे थे, लेकिन उन्होंने पैसे नहीं चुकाए और न ही अपना मोबाइल फोन वापस लिया। इस मुद्दे पर बांगर और तीन संदिग्धों के बीच बहस हुई। गुस्से में आकर संदिग्धों ने बांगर पर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर तीन संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया है।

अल्प्राजोलम ड्रग रैकेट का भंडाफोड़, 8 लोग गिरफ्तार

पुलिस ने जब्त किए 60 करोड़ का माल

संगारेड्डी, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी पुलिस ने अल्प्राजोलम बनाने वाले एक रैकेट का भंडाफोड़ किया और भारी मात्रा में अल्प्राजोलम, कच्चा माल, एक यूनिट और 3 लग्जरी कारें जब्त कीं, जिनकी कीमत 60 करोड़ रुपये है। पुलिस ने 31 दिसंबर को गुम्मिडिला टोल प्लाजा पर 3 ड्रग तस्करों से 350 ग्राम अल्प्राजोलम जब्त किया और रंगारेड्डी जिले के अब्दुलपुरमेट के बाचरम में उनकी विनिर्माण इकाई को भी जब्त कर लिया।

गिरमगानी सुधीर गौड़, पाटनचेरु में मुथांगी, उनके भाई प्रभु गौड़, पत्नी श्रीवाणी और विश्वेश्वर सिंह ने अल्प्राजोलम बनाने के लिए 17 लोगों के साथ एक गिरोह बनाया। वे बाचरम इकाई में अल्प्राजोलम बनाते थे और इसे सनाग्रेड्डी, सिद्दीपेट, मेदक और कामारेड्डी जिलों में बेचते थे। पुलिस ने शुक्रवार को मेदक के मम्बापुर में सुधीर गौड़ को पकड़ा और उसके पास से अल्प्राजोलम जब्त किया। पुलिस अधीक्षक चेनुरी रूपेश ने बताया कि आरोपी एक किलो अल्प्राजोलम 4 लाख रुपये में बेच रहे थे। उन्होंने बताया कि वे अपने ग्राहकों की मांग के आधार पर हर महीने 100 किलो अल्प्राजोलम बना रहे थे। पुलिस ने 31 दिसंबर को तीन लोगों समेत 8 लोगों को गिरफ्तार किया। एसपी ने कहा कि वे जल्द ही बाकी आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लेंगे। गिरफ्तार लोगों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

तेलंगाना सरकार ने पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए शुरू की नई प्रक्रिया

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति पंजीकरण के लिए एक नई प्रक्रिया शुरू की है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 से अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए लागू, केंद्र सरकार के निर्देशों के अनुसार जारी की गई नई प्रक्रिया में उम्मीदवारों को ई-पास वेबसाइट पर डेमो प्रमाणीकरण अनिवार्य किया गया है। छात्रों को यह सुनिश्चित करना होगा कि आधार और एसएससी प्रमाण पत्र पर उनका नाम एक ही है, अन्यथा उन्हें आधार में सुधार करना होगा। इसके बाद छात्रों को मीसेवा केंद्र पर अपना बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण देना होगा और बाद में ईपास वेबसाइट पर पंजीकरण पूरा करना होगा। छात्रों को बैंक खाते की आधार सीडिंग भी पूरी करनी होगी।

सरकार ने प्रिंसिपलों/कॉलेजों से डिजिटल कुंजी खरीदने और ईपास वेबसाइट पर पंजीकरण करने को कहा है। इसके अलावा, कॉलेजों को आवेदनों का ऑनलाइन सत्यापन करना चाहिए और डिजिटल कुंजी के माध्यम से उन्हें मंजूरी के लिए जिला कार्यालयों को भेजना चाहिए। अनुसूचित जाति विकास विभाग की आयुक्त डॉ. टीके श्रीदेवी ने कहा कि एससी छात्रों के लिए मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति के पंजीकरण और स्वीकृति की नई प्रक्रिया भी ईपास वेबसाइट के होम पेज पर रखी गई है। छात्रों से अनुरोध है कि वे इस प्रक्रिया को पूरा करें और ईपास वेबसाइट पर अपने छात्रवृत्ति आवेदन पंजीकृत करें।

मांझे की वजह से आफत में आयी पक्षी की जान

करीमनगर, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पतंग उड़ाने में इस्तेमाल होने वाला मांझा अब जीव-जंतुओं के लिए मुसीबत बन गया है। आए दिन लोग और पक्षी मांझे के संपर्क में आकर घायल हो जाते हैं। ताजा घटना में एक कौवा मांझे में फंस गया, जिसके दो पैर फंस गए। उड़ न पाने के कारण कौआ करीमनगर बस स्टेशन के पास कलाभारती के सामने बिजली के तार से लटक गया।

घटना की जानकारी मिलते ही ब्लू क्रॉस के जिला प्रभारी और सामाजिक कार्यकर्ता थुमु नारायण ने मौके पर पहुंचकर पक्षी को बचाया। उन्होंने अन्य लोगों के साथ बस की छत पर चढ़कर एक डंडे की मदद से मांझे को काटा। बाद में मांझा हटाने के बाद पक्षी को मुक्त कर दिया गया।

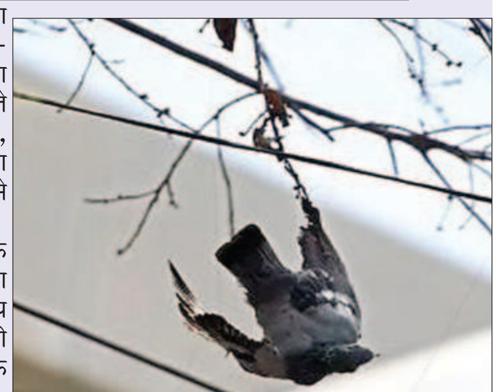

डिजिटल इनोवेशन पर आईआईएमसी सम्मेलन समाप्त

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय प्रबंधन एवं वाणिज्य संस्थान डिग्री कॉलेज (आईआईएमसी) में कला, सामाजिक विज्ञान, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी में डिजिटल नवाचार पर दो दिवसीय बहु-विषयक सम्मेलन का समापन हुआ। ऑफलाइन मोड में आयोजित इस सम्मेलन में शिक्षा, अनुसंधान और समाज पर डिजिटल प्रौद्योगिकियों के परिवर्तनकारी प्रभाव का पता लगाने के लिए विभिन्न विषयों के शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और छात्रों को एक साथ लाया गया।

संयोजक एन करुणा श्री ने कहा कि डिजिटल नवाचार हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन गए हैं, जो हमारे सोचने, सीखने और बातचीत करने के तरीके को बदल रहे हैं। विभिन्न शैक्षणिक विषयों में प्रौद्योगिकी के एकीकरण ने अनुसंधान, सहयोग और समस्या-समाधान के लिए नई संभावनाओं को खोल दिया है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन आईआईएमसी के अध्यक्ष प्रोफेसर वी विश्वनाथम ने किया, जिन्होंने तेजी से विकसित हो रही दुनिया में प्रासंगिक बने रहने के लिए शैक्षणिक संस्थानों के लिए डिजिटल उपकरणों और प्रौद्योगिकियों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। आईआईएमसी के पूर्व प्राचार्य पी पूर्ण चंद्र राव ने कहा कि यह आयोजन सार्थक अकादमिक संवाद को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

कार्यक्रम के दौरान ऑनलाइन माध्यम से 36 पेपर प्रस्तुत किए गए और निर्णायक मंडल के सदस्यों में डॉ. के श्रीहरि, टी. श्रीनिवास, के. प्रशांत कुमार, के. रवि किरण, यू. तिरुपति स्वामी, सीआरएल कल्याणी, ई. रामकृष्ण, सीआरवीएसएस दीपक, जी. सुषमा और जी. रामा देवी शामिल थे। सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुतकर्ताओं को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय पतंग एवं मिठाई महोत्सव कल से

19 देशों के प्रतिभागी भाग लेंगे

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार 13 से 15 जनवरी तक सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में अंतर्राष्ट्रीय पतंग एवं मिठाई महोत्सव-2025 का आयोजन कर रही है। तीन दिवसीय महोत्सव मकर संक्रांति के साथ-साथ धूमधाम से मनाया जाता है। यह महोत्सव फसल उत्सव है। इस महोत्सव में क्षेत्रीय कला, शिल्प, व्यंजन और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पतंगों की एक श्रृंखला देखने को मिलती है। पतंग महोत्सव में इंडोनेशिया, स्वीडन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, श्रीलंका, कंबोडिया, थाईलैंड, दक्षिण कोरिया, जापान, फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, इटली, ट्यूनीशिया, दक्षिण अफ्रीका, पोलैंड, सिंगापुर, यूक्रेन और फ्रांस जैसे 19 देशों के प्रतिभागी भाग लेंगे। इस महोत्सव में 14 राज्यों के 47 अंतर्राष्ट्रीय और 50 राष्ट्रीय पतंगबाज भाग लेंगे।

तीन दिवसीय कार्यक्रम का एक

विशेष आकर्षण रात्रिकालीन पतंगबाजी कार्यक्रम भी है। त्यौहार के दौरान विभिन्न देशों और राज्यों से भाग लेने वाले पतंगबाजों द्वारा विशाल आकार की विभिन्न प्रकार की पतंगें उड़ाई जाएंगी, जिससे आकाश और अधिक रंगीन हो जाएगा। पतंग महोत्सव के अलावा, मिठाई महोत्सव का भी आयोजन किया जाता है, जिसमें हैदराबाद के अन्य राज्यों के निवासियों द्वारा तैयार की गई विभिन्न प्रकार की स्वादिष्ट मिठाइयों को उनके पारंपरिक परिधानों के साथ त्यौहार के दौरान प्रदर्शित किया जाता है। तेलंगाना के विभिन्न व्यंजनों के साथ फूड कोर्ट, हस्तशिल्प और हथकरघा स्टॉल प्रदर्शित किए जाएंगे। राज्य की स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने वाले विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे और अन्य राज्यों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन किए जाएंगे जो देश की अखंडता को दर्शाते हैं। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए, शनिवार को यहां मीडिया से बात करते हुए, पर्यटन मंत्री जुपली कृष्ण राव ने कहा कि तेलंगाना के व्यंजनों के साथ-साथ कई राज्यों के पारंपरिक व्यंजनों से संबंधित विशेष स्टॉल लगाए जा रहे हैं और लगभग 700 गृहणियां इस त्यौहार में भाग ले रही हैं। जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा, पतंग और मिठाई महोत्सव में आने वालों के लिए कोई प्रवेश शुल्क नहीं है और अनुमान है कि तीन दिनों में एक लाख से अधिक लोग इसमें शामिल होंगे। महोत्सव के साथ-साथ तेलंगाना के हस्तशिल्प और हथकरघा से संबंधित स्टॉल भी लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी आगंतुक को असुविधा न हो, इसके लिए सभी इंतजाम किए जा रहे हैं। मंत्री ने लोगों से पर्यटन स्थलों पर जाने के लिए अपनी आय का पांच से 10 प्रतिशत खर्च करने को कहा। जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा, पर्यटक स्थलों पर जाने से हमें इन स्थानों के इतिहास के बारे में जानने में मदद मिलती है और स्थानीय लोगों को आर्थिक लाभ भी मिलता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.